केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
16 वर्षों से निरंतर....
Website:- www.malwaherald.com
RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 16 अंक : 346 | उज्जैन, गुरुवार 28 मई 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

सुविचार

मनुष्य को अपनी ओर, खींचने वाला यदि, दुनिया में कोई असली चुंबक है तो, वह है आपका प्रेम और व्यवहार

न्यूज ब्रीफ

जजों को निशाना बनाने वालों पर गिरेगी गाज! कलकत्ता हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को थमाया नोटिस

कोलकाता/ जीएनएस। इंटरनेट मीडिया पर न्यायाधीशों और अदालत के विरुद्ध बढ़ती आपत्तिजनक टिप्पणियों पर कलकत्ता हाई कोर्ट ने गंभीर चिंता जताई है। अदालत ने राज्य पुलिस से पूछा है कि इस तरह के मामलों से निपटने के लिए कोई स्टैंडर्ड आपरेटिंग प्रोसीजर यानी एसओपी मौजूद है या नहीं? मालूम हो कि नियुक्ति घोटाला और आरजी कर जैसे चर्चित मामलों में फैसलों के बाद इंटरनेट मीडिया पर न्यायाधीशों के आदेशों की आलोचना के साथ-साथ अशालीन टिप्पणियां और कटाक्ष किए जा रहे हैं। इसी मुद्दे पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति जय सेनगुप्ता ने राज्य के पुलिस महानिदेशक से चार सप्ताह के भीतर रिपोर्ट मांगी है। मामले की अगली सुनवाई 22 जून को होगी। यह मामला महाराज स्वामी प्रदीप्तानंद उर्फ कार्तिक महाराज की ओर से दायर याचिका से जुड़ा है। सुनवाई के दौरान अदालत ने कुछ यूट्यूब वीडियो का उल्लेख किया, जिनमें कोर्ट की पीठ और न्यायाधीशों के विरुद्ध कथित रूप से जानबूझकर अपमानजनक टिप्पणियां की गई थीं। अदालत ने कहा कि कुछ वीडियो में ऐसे संकेत दिए गए, मानों बंद कमरे में अदालत की ओर से कोई गलत कदम उठाया जा रहा हो, जबकि उस दिन अदालत की पीठ बैठी ही नहीं थी। न्यायमूर्ति सेनगुप्ता ने यह भी कहा कि कुछ वीडियो में न्यायाधीशों के विरुद्ध मानहानिकारक और अदालत की अवमानना करने वाली बातें कही गई हैं, जो बेहद चिंताजनक हैं।

शरीर में छिपे धीमे जहर को अब पकड़ लेगा नैनो पेप्टाइड आधारित यह सिस्टम

नई दिल्ली/ जीएनएस। घर की पुरानी बैटरी, दीवारों का पुराना पेंट, फैक्ट्री का धुआं, दूषित पानी या मिलावटी सामान ये सब कब शरीर में धीमे जहर सीसे (लेड) को पहुंचा देते हैं, इसका पता अक्सर तब चलता है, जब शरीर गंभीर रूप से प्रभावित हो चुका होता है। यही वजह है कि सीसा विषाक्तता (लेड पाइजनिंग) आज पूरी दुनिया में चिंता का बडा कारण बन चुकी है। अब इस खतरे से लड़ने की दिशा में सागर के डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के विज्ञानियों ने बड़ी सफलता हासिल की है। विश्वविद्यालय के रसायन विभाग ने एक ऐसा पेप्टाइड बेस्ड नैनो सिस्टम विकसित किया है, जो शरीर में मौजूद जहरीले सीसे को कोशिका स्तर पर खोजकर चमकदार संकेत देगा। खास बात यह है कि यह तकनीक केवल सीसे की पहचान ही नहीं करेगी, बल्कि उसके नुकसान को कम करने की दिशा में भी मददगार साबित हो सकती है। विश्वविद्यालय के इस शोध को रायल सोसायटी आफ केमेस्ट्री के प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय जर्नल नैनो स्केल में प्रकाशित किया गया है। शोध की शुरुआत वर्ष 2022 में तब हुई, जब शोध टीम ने यह समझने का प्रयास किया कि सीसा मानव स्वास्थ्य को किस प्रकार प्रभावित करता है। इसी क्रम में प्रूफ ऑफ प्रिंसिपल के रूप में मानव रेटिना कोशिकाओं पर इसका सफल अध्ययन किया गया। शोध के दौरान टीम ने एक विशेष शार्ट मेटालोपेप्टाइड आधारित प्रणाली विकसित की, जो सीसा आयनों की पहचान, इमेजिंग और विषहरण में सहायक सिद्ध हो सकती है। यह शोध मानव रेटिना कोशिकाओं में सीसा जैसी विषैली भारी धातु के प्रभाव, उसकी इमेजिंग और विषहरण को समझने के उद्देश्य से प्रारंभ किया गया। इसका गंभीर प्रभाव आंखों, मस्तिष्क, तंत्रिका तंत्र, किडनी तथा बच्चों के मानसिक विकास पर पड़ता है। लंबे समय तक इसके संपर्क में रहने से दृष्टि संबंधी समस्याएं, स्मरण शक्ति में कमी तथा न्यूरोलॉजिकल विकार उत्पन्न हो सकते हैं। डॉ. जोशी के अनुसार, यह तकनीक दूषित जल में उपस्थित सीसा की पहचान करने में भी सक्षम है, जिसे सामान्य टीडीएस मीटर से पहचानना संभव नहीं होता। यह शोध वर्तमान में टीआरएल-4 से टीआरएल-5 स्तर तक पहुंच चुका है।

योग और खजुराहो दोनों भारतीय संस्कृति के हैं अभिन्न स्तंभ : मुख्यमंत्री डॉ.

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारतीय योग परम्परा को सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़कर स्वस्थ, जागरूक एवं आध्यात्मिक रूप से समृद्ध समाज के निर्माण की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि योग और खजुराहो, दोनों ही सदियों से भारतीय संस्कृति के अभिन्न स्तंभ रहे हैं। हमारी सरकार योग के प्रचार के लिए सभी जरूरी कदम उठा रही है। योग को प्रदेश के घर-घर तक पहुंचाने के लिए आयुष विभाग द्वारा इन दिनों घर-घर योग-हर व्यक्ति निरोग÷ अभियान भी चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 के 25 दिवसीय काउंटडाउन के अवसर पर यूनेस्को द्वारा घोषित विश्व धरोहर स्थल खजुराहो में आयोजित ÷योग महोत्सव 2026÷ कार्यक्रम को वीडियो संदेश के जरिए संबोधित किया।

वीडियो संदेश में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि योग आज सिर्फ एक व्यायाम नहीं, बल्कि वन अर्थ-वन हेल्थ की भावना को साकार करने वाला जीवन दर्शन बन चुका है। मध्यप्रदेश सरकार घर-घर योग हर व्यक्ति निरोध के भाव से योग और आयुष चिकित्सा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कार्य कर रही है। आयुष विभाग के माध्यम से आरोग्य मंदिरों, योग वेलनेस सेंटर्स और विभिन्न जनजागरुकता की गतिविधियों के माध्यम से योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए सफल अभियान चलाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस से पहले काउंटडाउन इवेंट से देशभर में लाखों लोग जुड़ रहे हैं। आज की युवा पीढ़ी भी योग को सहर्ष स्वीकार कर रही है। हम योग को सांस्कृतिक मूल्यों के साथ जोड़कर एक स्वस्थ, जागरूक और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध समाज के निर्माण की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सबके सहयोग से हम योग को हर नागरिक के जीवन का हिस्सा बनाने की ओर बढ़ रहे हैं। केन्द्रीय आयुष मंत्रालय का यह आयोजन अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 की राष्ट्रव्यापी तैयारियों में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ है। यह कार्यक्रम योग के माध्यम से समग्र स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने के प्रति केन्द्र और राज्य सरकार की प्रतिबद्धता का भी प्रतीक है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, केंद्र और राज्य सरकार के आयुष मंत्रालय के अधिकारियों और जिला प्रशासन, छतरपुर को खजुराहो में इस विशेष आयोजन को सफल बनाने के लिए बधाई और शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम को केंद्रीय आयुष और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रतापराव जाधव, उच्च शिक्षा, आयुष एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार, संस्कृति एवं पर्यटन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र सिंह लोधी और सांसद खजुराहो श्री विष्णुदत्त शर्मा ने भी संबोधित किया।

स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, पारदर्शिता, जवाबदेही एवं सेवा प्रदायगी की दक्षता को करें मजबूत: उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, पारदर्शिता, जवाबदेही एवं सेवा प्रदायगी की दक्षता को और अधिक मजबूत करने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि डिजिटल तकनीक का उपयोग केवल प्रक्रियाओं के सरलीकरण तक सीमित न रहकर मरीजों को समयबद्ध, सुगम एवं बेहतर उपचार उपलब्ध कराने का माध्यम बने। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मंत्रालय में स्वास्थ्य सेवाओं के प्रदाय में डिजीटल तकनीक के उपयोग से सशक्तीकरण की प्रस्तावित कार्ययोजना की समीक्षा की और प्रावधानों पर गहन विमर्श किया। उन्होंने निर्देश दिए कि अस्पतालों में जांच, पंजीयन, प्रिस्क्रिप्शन, दवा वितरण, भर्ती एवं डिस्चार्ज जैसी सेवाओं को आपस में डिजिटल रूप से जोड़ा जाए, जिससे मरीजों को एकीकृत एवं सहज स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त हो सकें।

आयुक्त लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री धनराजू एस ने प्रदेश में प्रस्तावित डिजिटल हेल्थ ट्रांसफॉर्मेशन एवं स्वास्थ्य सेवा सुदृढ़ीकरण की चरणबद्ध कार्ययोजना का विस्तृत प्रस्तुतिकरण दिया। उन्होंने बताया कि ओपीडी, आईपीडी, वाइटल्स, प्रिस्क्रिप्शन, फार्मेसी, लैबोरेटरी इंफॉर्मेशन सिस्टम (एलआईएस), रेडियोलॉजी इंफॉर्मेशन सिस्टम (आरआईएस) और डिस्चार्ज सेवाओं को चरणबद्ध रूप से डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ा जाएगा। कार्ययोजना के अनुसार पोर्टल एवं सॉफ्टवेयर विकास, अस्पतालों की आवश्यकताओं का निर्धारण, मरीजों की डिजिटल यात्रा (पेशेंट जर्नी) का निर्धारण और चिकित्सकीय टेम्पलेट्स को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी। ओपीडी, वाइटल्स, प्रिस्क्रिप्शन एवं फार्मेसी मॉड्यूल विकसित किए जाएंगे और स्वास्थ्य कर्मियों के लिए व्यापक प्रशिक्षण एवं जिला स्तरीय ओरिएंटेशन सत्र आयोजित किए जाएंगे।

आईपीडी एडमिशन एवं डिस्चार्ज मॉड्यूल सहित अस्पतालों में डेमो वर्जन उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे डॉक्टर एवं नर्सिंग स्टाफ प्रणाली का अभ्यास कर सकें। अगले चरण में चयनित मेडिकल कॉलेजों एवं जिला अस्पतालों में प्रथम पायलट चरण प्रारंभ करने का प्रस्ताव है। इसके साथ लैबोरेटरी इंफॉर्मेशन सिस्टम (एलआईएस) के एकीकरण, प्रशिक्षण सत्रों तथा जिला स्तरीय स्वास्थ्य समीक्षा केंद्रों की स्थापना की दिशा में कार्य किया जाएगा। इसके पश्चात अन्य मेडिकल कॉलेजों एवं जिला अस्पतालों तक व्यवस्था का विस्तार किया जाएगा तथा रेडियोलॉजी इंफॉर्मेशन सिस्टम (आरआईएस) का एकीकरण किया जाएगा। विभिन्न मॉड्यूल्स को चरणबद्ध रूप से लाइव करने तथा दिसंबर तक प्रदेशव्यापी रोलआउट की तैयारी की जाएगी।

बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन का बड़ा राजनयिक कदम, 12 देशों के प्रतिनिधियों को दी पार्टी की जानकारी

नई दिल्ली/ जीएनएस। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने मंगलवार को यहां पार्टी मुख्यालय में 12 देशों के प्रतिनिधियों की मेजबानी की और उनके साथ सार्थक बातचीत की। यह मुलाकात भाजपा को जानें पहल के तहत हुई।

भाजपा के बयान के अनुसार, पार्टी अध्यक्ष बनने के बाद नवीन का विदेशी राजनयिकों के साथ इस तरह का यह पहला संवाद कार्यक्रम है। इस संवाद में ब्राजील, जर्मनी, इंडोनेशिया, मलेशिया, मॉरीशस, न्यूजीलैंड, सिंगापुर, दक्षिण अफ्रीका, सेशल्स, श्रीलंका, थाईलैंड और वियतनाम के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। बैठक के दौरान नितिन नवीन ने इन प्रतिनिधियों को भाजपा के दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनने की यात्रा के बारे में जानकारी दी। उन्हें भाजपा की विचारधारा, संगठनात्मक संरचना, शासन मॉडल और पार्टी की विभिन्न गतिविधियों से परिचय कराया।

इस बैठक के दौरान भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहे। भाजपा को जानें पहल की शुरुआत 2023 में भाजपा के तत्कालीन अध्यक्ष जेपी नड्डा ने की थी।

नितिन नवीन की गाड़ी में डीजल डलवाने के नाम पर विधायक से ठगे 10 हजार रुपये, मुकदमा दर्ज

रायपुर/ जीएनएस। साइबर ठगों ने रायपुर उत्तर के भाजपा विधायक पुरंदर मिश्रा से खुद को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का निजी सहायक (पीए) बताकर 10 हजार रुपये की ठगी कर ली।

ठग ने संबलपुर के जंगल में गाड़ी फंसने और डीजल खत्म होने का बहाना बनाकर मदद मांगी। उड़िया टोन में बातचीत और बच्चों की आवाज सुनकर विधायक ने भरोसा कर लिया। इसके बाद दो अलग-अलग ट्रांजेक्शन में रकम ट्रांसफर कर दी गई। कुछ समय बाद पैसे की दोबारा मांग पर विधायक को शक हुआ और मामला ठगी का निकला। शिकायत के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर साइबर टीम के साथ जांच शुरू कर दी है।

आरोपित ने फोन पर खुद को नितिन नवीन का निजी सहायक बताते हुए संबलपुर में फंसने की कहानी सुनाई। ऐसे में विधायक ने 10 हजार रुपये ट्रांसफर करवा दिए। पुलिस मोबाइल नंबर, बैंक खाते और ऑनलाइन ट्रांजेक्शन की जांच कर रही है।

अधिकारियों का कहना है कि राजनीतिक पहचान का दुरुपयोग कर ठगी करने वाले गिरोह सक्रिय हैं। यह घटना भाजपा नेताओं से जुड़ी एक सप्ताह में दूसरी बड़ी वारदात है।

तेलंगाना में नक्सलवाद की कमर टूटी; माओवादी वित्तीय नेटवर्क के मास्टरमाइंड नरहरि ने किया पुलिस के सामने आत्मसमर्पण

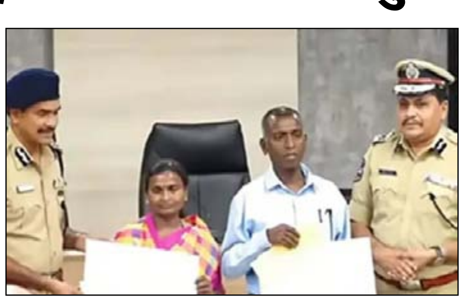

हैदराबाद/ जीएनएस। प्रतिबंधित संगठन माकपा (माओवादी) केंद्रीय समिति के सदस्य और 25 लाख के इनामी पसुनूरी नरहरि उर्फ विश्वनाथ ने मंगलवार को तेलंगाना के डीजीपी सीवी आनंद के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया।

दानम्मा को लता के नाम से भी जाना जाता है- नरहरि माकपा (माओवादी) की बिहार-झारखंड विशेष क्षेत्र समिति (बीजेएसएसी) का सचिव भी है। नरहरि की पत्नी और 20 लाख की इनामी मेदारा दानम्मा ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया है। दानम्मा को लता के नाम से भी जाना जाता है। आनंद ने कहा, नरहरि और दनम्मा के आत्मसमर्पण से माकपा (माओवादी) को बड़ा झटका लगा है। इसके साथ ही संगठन का आखिरी बचा पूर्वी क्षेत्रीय ब्यूरो (ईआरबी) भी पतन के कगार पर है।

माओवादी दंपती डेंगू और मलेरिया से पीड़ित थे- डीजीपी ने बताया कि माओवादी दंपती डेंगू और मलेरिया से पीड़ित थे। तेलंगाना पुलिस पिछले 10 दिनों से एक अस्पताल में उनका इलाज करवा रही थी। नरहरि ने उन्होंने माकपा (माओवादी) में विभिन्न पदों पर कार्य किया। उसे 2017 में केंद्रीय समिति में शामिल किया गया था। उसे मोर्टार और रॉकेट-चालित ग्रेनेड बनाने, बिछाने में भी महारत हासिल है।

वहीं, दानम्मा ने 1988 में नरहरि से शादी के बाद झारखंड में उसके साथ काम किया। दानम्मा को 2004 में नागपुर में गिरफ्तार किया गया और सात साल की जेल हुई। जमानत के बाद वह फिर से भूमिगत हो गई और 2018 में बिहार-झारखंड विशेष क्षेत्र समिति की सदस्य बन गई।

बेटी को थानेदार बनाने के लिए 50 लाख में खरीदा पेपर; राजस्थान बेवरेज कॉरपोरेशन का डिपो मैनेजर गिरफ्तार

जयपुर/ जीएनएस। राजस्थान पुलिस सब इंसपेक्टर भर्ती परीक्षा-2021 के पेपर लीक सहित विभिन्न मामलों की जांच कर रही एसओजी (स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप) ने मंगलवार को राजस्थान ब्रिवरेज कॉरपोरेशन के डिपो प्रबंधक लोकेंद्र पंडया को गिरफ्तार किया है।

लोकेंद्र राज्य के डूंगरपुर का निवासी है।लोकेंद्र के भाई कुंदन कुमार ने राजस्थान लोक सेवा आयोग के सदस्य बाबूलाल कटारा से पेपर 50 लाख रूपए में खरीदा था। लोकेंद्र ने यह पेपर अपनी बेटी,बेटे एवं भतीजे के लिए खरीदा था। लोकेंद्र के भाई कुंदन का कटारा से पहले से परिचय था । ऐसे में उसने कटारा को पैसे लेकर पेपर खरीदा था। लोकेंद्र ने यह पैसे अपने भाई को दिए थे।

एसओजी के अतिरिक्त महानिदेशक विशाल बंसल ने बताया कि इस मामले में कुंदन ,लोकेंद्र की बेटी रिद्धि सहित दो अन्य बच्चों को पिछले साल गिरफ्तार किया गया था।

फ्री राशन पर सरकार करने जा रही बड़ा बदलाव, फर्जी कार्ड पर हथौड़ा; डीलरों के लिए गुड न्यूज

नई दिल्ली/ जीएनएस। देश के 81.35 करोड़ गरीबों तक समय पर और पूरी मात्रा में राशन पहुंचाने के लिए केंद्र सरकार सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) में बड़ा बदलाव करने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने नई 'सार्थक-पीडीएस' योजना को मंजूरी दी है।

इसपर पांच वर्षों में 25,530 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। सरकार का दावा है कि नई व्यवस्था से राशन वितरण अधिक पारदर्शी, तेज और भरोसेमंद बनेगा तथा गरीबों तक सही मात्रा में अनाज पहुंच सकेगा। माना जा रहा है कि यदि राज्यों में इसे सही तरीके से लागू किया गया तो राशन व्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ेगी।

कालाबाजारी और फर्जी राशन कार्डों पर रोक लगेगी तथा गरीबों को उनका पूरा हक मिलेगा। सरकार भी इसे गरीबों के लिए अधिक भरोसेमंद और आधुनिक राशन व्यवस्था बनाने की दिशा में बड़ा कदम मान रही है। कैबिनेट की बैठक के बाद सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि नई व्यवस्था का उद्देश्य राशन वितरण की पूरी प्रक्रिया को एक ही डिजिटल सिस्टम से जोड़ना है। एफसीआई के गोदाम से लेकर अंतिम राशन दुकान और लाभार्थी तक हर चरण की निगरानी एकीकृत तरीके से हो सकेगी।

इससे पता लगाना आसान होगा कि किस राज्य में कितना अनाज पहुंचा है। किस दुकान पर कितना वितरण हुआ और कहां गड़बड़ी की आशंका है। अभी राशन व्यवस्था दो अलग-अलग योजनाओं के जरिए चल रही है। पहली योजना में भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के गोदामों से अनाज उठाकर राज्यों को जिलों, ब्लाकों और राशन दुकानों तक पहुंचाने के लिए आर्थिक मदद दी जाती है।

ट्रेड डील पर जून में लगेगी मुहर? भारत-अमेरिका के बीच टैरिफ-निवेश और मोबिलिटी पर भी होगी बात

नई दिल्ली/ जीएनएस। व्यापार समझौते को लेकर भारत और अमेरिका के बीच बन चुकी सहमति को वैधानिक प्रारूप देने के लिए अमेरिका की टीम एक जून को भारत आ रही है। व्यापार समझौता से जुड़े दोनों देशों के मुख्य वार्ताकार के नेतृत्व में चार जून तक नई दिल्ली में बैठक होगी।

इस बैठक में बाजार पहुंच, टैरिफ, निवेश, मोबिलिटी जैसे कई मुद्दों पर वार्ता होगी ताकि व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर के लिए उसके दस्तावेज को अंतिम रूप दिया जा सके। अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक अभी अमेरिका में सभी देशों की वस्तुओं पर 10 प्रतिशत का शुल्क लगता है। इस शुल्क की अवधि आगामी 24 जुलाई को समाप्त हो रही है। माना जा रहा है कि 24 जुलाई के बाद अमेरिका एक बार फिर से सभी देशों पर अलग-अलग शुल्क लगा सकता है। पिछले साल अप्रैल में अमेरिका ने भारत समेत दुनिया के 50 से अधिक देशों पर पारस्परिक शुल्क लगाने की घोषणा की थी।

भारत पर 25 प्रतिशत का पारस्परिक शुल्क लगाया गया था। रूस से तेल खरीदने को गलत मानते हुए अमेरिका ने भारत पर जुर्माने के रूप में पिछले साल अगस्त में और 25 प्रतिशत का शुल्क लगा दिया।

इस दौरान दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते को लेकर वार्ता होती रही और 18 प्रतिशत शुल्क पर समझौते के लिए सहमति बनी। लेकिन इसी बीच अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने पारस्परिक शुल्क को अवैध ठहराते हुए राष्ट्रपति ट्रंप के पारस्परिक शुल्क के आदेश को अवैध करार दे दिया और आगामी 24 जुलाई तक सभी देशों पर 10 प्रतिशत का शुल्क लगने का आदेश दिया। भारत अमेरिका के बीच इससे पहले ही सहमति बन सकती है। वाणिज्य मंत्रालय का कहना है कि भारत व्यापार समझौते के लिए उसी दर पर अब अपनी सहमति देगा जब भारत को अमेरिका के बाजार में प्रतिद्वंद्वी देशों पर बढ़त दिखेगी।

वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश, 17 मोटर साइकिल जब्त

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में लगातार हो रही वाहन चोरी की वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस थाना बाणगंगा ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मोटर साइकिल चोरी करने वाले शातिर गिरोह के तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 16 लाख रुपए कीमत की 17 चोरी की मोटर साइकिल जब्त की हैं। इनमें 8 रॉयल एनफील्ड बुलेट भी शामिल हैं। जब्त वाहनों के संबंध में इंदौर के थाना बाणगंगा, लसूडिया, विजयनगर तथा भोपाल के शाहपुरा थाने में चोरी के प्रकरण दर्ज हैं।

पुलिस के अनुसार आरोपी शहर के विभिन्न क्षेत्रों से वाहन चोरी करने के बाद उन्हें सुनसान स्थानों, खंडहरों और खाली इमारतों में छिपाकर रखते थे। बाद में मांग आने पर वाहनों को बाहर निकालकर बेच देते थे। आरोपी चोरी की गाड़ियों के नंबर बदलकर उनका उपयोग भी करते थे।

पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह द्वारा वाहन चोरी की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए थे। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री मयंक अवस्थी, पुलिस उपायुक्त जोन-3 श्री अभिषेक रंजन, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त श्री रामसनेही मिश्रा तथा सहायक पुलिस आयुक्त श्रीमती रुबीना मिजवानी के मार्गदर्शन में थाना बाणगंगा पुलिस ने विशेष टीम गठित कर कार्रवाई शुरू की।

लगातार सूचना संकलन और क्षेत्र में निगरानी के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि एक गिरोह इंदौर शहर के विभिन्न क्षेत्रों से मोटर साइकिल चोरी कर रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने एमआर-10 रोड पर घेराबंदी कर पंकज लोधी, शिवेंद्र लोधी और ब्रजेंद्र लोधी को गिरफ्तार किया।

पूछताछ में आरोपियों ने इंदौर के एमआर-10, विजयनगर, स्कीम नंबर-78, बाणगंगा सहित अन्य क्षेत्रों से वाहन चोरी करना स्वीकार किया। आरोपियों ने बताया कि चोरी के बाद वे वाहनों के नंबर प्लेट हटाकर इंजन और चेसिस नंबर मिटा देते थे तथा नए नंबर डाल देते थे। मामले में उनका एक साथी नरेंद्र उर्फ नीलू लोधी फरार है, जिसकी तलाश जारी है।

गिरफ्तार आरोपियों में पंकज लोधी निवासी गौरीनगर, शिवेंद्र लोधी निवासी भवानीनगर सावेर रोड तथा ब्रजेंद्र लोधी निवासी गोविंदनगर खारचा शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों से बरामद वाहनों के संबंध में अन्य थानों से भी जानकारी जुटाना शुरू कर दिया है। आरोपियों को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है और उनसे अन्य वारदातों के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी बाणगंगा श्री सियाराम गुर्जर सहित उप निरीक्षक विजय सनोडिया, प्रधान आरक्षक चरण सिंह, कमलेश चावड़ा, आरक्षक जितेंद्र गोयल, नागेंद्र सिंह पवार, प्रमोद सिंह, साइबर सेल आरक्षक विकास बछानिया, अमित सिंह तथा अंकित की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय महाप्रशिक्षण अभियान के तहत भाजपा जिला प्रशिक्षण वर्ग हेतु ताई ने कराया पंजीयन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी के पंडित दीनदयाल उपाध्याय महाप्रशिक्षण अभियान 2026 के अंतर्गत आयोजित होने वाले भाजपा इंदौर जिला प्रशिक्षण वर्ग के लिए जिला अध्यक्ष श्रवणसिंह चावड़ा ने पूर्व लोकसभा अध्यक्ष, पूर्व सांसद एवं पद्मभूषण आदरणीय श्रीमती सुमित्रा महाजन (ताई) से उनके निवास पर पहुंचकर आत्मीय भेंट की तथा उन्हें प्रशिक्षण वर्ग का निमंत्रण पत्र भेंट कर कार्यक्रम में शामिल होने का आग्रह किया। इस दौरान नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, विधायक मधु वर्मा, विधायक मनोज पटेल सहित वरिष्ठ भाजपा नेताओं को भी प्रशिक्षण वर्ग के लिए आमंत्रित किया गया। विशेष रूप से ताई ने स्वयं प्रशिक्षण वर्ग के लिए पंजीयन कराया तथा 200 रुपये का पंजीयन शुल्क जमा किया। संगठन के प्रति उनका समर्पण, अनुशासन, सादगी एवं कार्यकर्ता भाव उपस्थित कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्त्रोत बना। जिला अध्यक्ष श्रवणसिंह चावड़ा के साथ जिला प्रभारी अजय सिंह नरूका, जिला महामंत्री रामस्वरूप गहलोत, युवा मोर्चा जिला महामंत्री दीपक यादव एवं भाजपा सह कार्यालय मंत्री रवि जैन उपस्थित रहे।

जनजातीय विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा और आवासीय सुविधाएं उपलब्ध करा रही प्रदेश सरकार : मंत्री डॉ. शाह

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के जनजातीय विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा और आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए जनजातीय कार्य विभाग लगातार कार्य कर रहा है। मुख?यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत?व में प्रदेश सरकार द्वारा जनजातीय समाज के समग्र विकास के लिये अनेक योजनायें संचालित की जा रही हैं। विभाग द्वारा हजारों स्कूलों, छात्रावासों और आश्रमों का संचालन किया जा रहा है, जहां लाखों विद्यार्थियों को शिक्षा, छात्रवृत्ति और अन्य सुविधाओं का लाभ मिल रहा है। जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने बताया है कि सरकार जनजातीय वर्ग के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर भविष्य देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि जनजातीय समाज का हर बच्चा आधुनिक शिक्षा से जुड़े और अपने सपनों को पूरा कर सके। छात्रावासों और आवासीय विद्यालयों में विद्यार्थियों को बेहतर वातावरण और सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

जनजातीय कार्य विभाग द्वारा प्रदेश में 17 हजार 794 प्राथमिक विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं। इसके साथ ही 5 हजार 493 माध्यमिक विद्यालय, 1109 उच्च माध्यमिक विद्यालय तथा 804 उच्चतर माध्यमिक विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं। विभाग द्वारा 8 आदर्श आवासीय विद्यालय एवं 82 माता शबरी आवासीय कन्या शिक्षा परिसर भी स्थापित किए गए हैं। इसके अलावा प्रदेश में 94 सांदीपनि विद्यालय और 26 क्रीड़ा परिसर संचालित किए जा रहे हैं। मंत्री डॉ. शाह ने कहा कि जनजातीय विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ बेहतर आवासीय और खेल सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है।

प्रेमिका को महंगे गिफ्ट देने के लिए कर्मचारी ने ही की दुकान में चोरी, 48 घंटे में गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस थाना संयोगितागंज ने नकबजनी की घटना का महज 48 घंटे में खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी गई पूरी नगदी बरामद कर ली। खास बात यह रही कि चोरी की वारदात को दुकान में काम करने वाले कर्मचारी ने ही अंजाम दिया था। आरोपी ने अपनी प्रेमिका को महंगे उपहार देने और उसके शौक पूरे करने के लिए इस घटना को अंजाम देना स्वीकार किया है।

पुलिस के अनुसार फरियादी अमन अग्रवाल निवासी विंध्यांचल नगर एयरपोर्ट रोड मल्हारगंज ने थाना संयोगितागंज में शिकायत दर्ज कराई थी कि 23 मई 2026 की रात उनकी दुकान 27/8 मुराई मोहल्ला इंदौर से अज्ञात बदमाश करीब 1 लाख 71 हजार रुपये चोरी कर ले गया। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री मयंक अवस्थी, पुलिस उपायुक्त जोन-3 श्री अभिषेक रंजन, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त श्री रामस्नेही मिश्रा तथा सहायक पुलिस आयुक्त श्री तुषार सिंह के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी संयोगितागंज के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई।

जांच के दौरान पुलिस टीम ने घटनास्थल और आसपास के करीब 100 सीसीटीवी फुटेज खंगाले तथा तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर सूचना के आधार पर कीर्तन सिरसाटे उम्र 18 वर्ष निवासी उषागंज छावनी इंदौर को हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपी ने चोरी करना स्वीकार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी गई पूरी नगदी 1 लाख 71 हजार रुपये बरामद कर लिए।

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह पहले उक्त दुकान पर काम करता था और उसे इस बात की जानकारी थी कि दुकान मालिक गल्ले में नगदी कहां रखते हैं। आरोपी ने बताया कि प्रेमिका के महंगे शौक पूरे करने और उसे उपहार देने के लिए उसे पैसों की जरूरत थी, इसलिए उसने अपने ही मालिक की दुकान में चोरी की योजना बनाई।

पुलिस के अनुसार आरोपी घटना के बाद भी अगले दिन सामान्य तरीके से दुकान पर काम करने पहुंच गया था और प्रारंभिक पूछताछ में अन्य कर्मचारियों के साथ खुद को भी निर्दोष बताता रहा। हालांकि पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों और अलग-अलग पूछताछ के आधार पर मामले का खुलासा कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

उच्च शिक्षा विभाग की ई-प्रवेश प्रक्रिया में विद्यार्थियों में उत्साह

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संचालित ई-प्रवेश प्रक्रिया 2026-27 अंतर्गत प्रथम चरण में विद्यार्थियों द्वारा उत्साहपूर्वक पंजीयन एवं प्रवेश प्रक्रिया में सहभागिता की जा रही है। अभी तक स्नातक, स्नातकोत्तर एवं एनसीटीई पाठ्यक्रमों में कुल 2,78,742 पंजीयन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 2,10,460 आवेदनों का सत्यापन पूर्ण किया जा चुका है। प्रथम चरण में अब तक कुल 87 हजार 687 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है, जिनमें स्नातक स्तर पर 70 हजार 752 तथा स्नातकोत्तर स्तर पर 16 हजार 935 विद्यार्थियों ने प्रवेश सुनिश्चित किया है।

एनसीटीई पाठ्यक्रमों में प्रथम चरण में प्रवेश के लिए पंजीयन की अंतिम तिथि 30 जून - एनसीटीई पाठ्यक्रमों के लिये प्रथम चरण के पंजीयन की अंतिम तिथि 30 मई 2026 निर्धारित है तथा आवंटन सूची 10 जून 2026 को जारी की जाएगी। सामान्य पाठ्यक्रमों में द्वितीय चरण के लिये पंजीयन की अंतिम तिथि 3 जून 2026 है एवं सीट आवंटन सूची 7 जून 2026 को जारी होगी। उच्च शिक्षा विभाग ने विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से अपील की है कि वे निर्धारित समय-सीमा में ऑनलाइन पंजीयन, दस्तावेज सत्यापन एवं शुल्क भुगतान की प्रक्रिया पूर्ण करें, जिससे समय पर प्रवेश सुनिश्चित किया जा सके।

अंतर्राज्यीय वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश, 9 चोरी की मोटरसाइकिल जब्त

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। क्राइम ब्रांच इंदौर और थाना विजयनगर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में वाहन चोरी करने वाले अंतर्राज्यीय शातिर गिरोह के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से विभिन्न थाना क्षेत्रों से चोरी की गई कुल 9 दोपहिया वाहन बरामद किए हैं। जब्त वाहनों में पैशन प्रो, स्प्लेंडर, सुजुकी, होंडा शाइन और एचएफ डीलक्स जैसे लोकप्रिय मॉडल शामिल हैं। बरामद वाहनों की कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है।

इंदौर शहर में लगातार बढ़ रही वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने तथा संपत्ति संबंधी अपराधों में संलिप्त बदमाशों की धरपकड़ के लिए पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर द्वारा विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए थे। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) एवं पुलिस उपायुक्त जोन-2 के मार्गदर्शन में क्राइम ब्रांच और थाना विजयनगर पुलिस ने संयुक्त रूप से मुखबिर तंत्र सक्रिय कर कार्रवाई शुरू की।

इसी दौरान पुलिस को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ युवक मेघदूत गार्डन और विजयनगर क्षेत्र में बिना नंबर और संदिग्ध मोटरसाइकिलों के साथ घूम रहे हैं तथा उन्हें सस्ते दामों में बेचने की फिराक में हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर मोहित वर्मा, विशेष कोरी और निशांत सुनहरे को गिरफ्तार किया।

पुलिस द्वारा वाहनों के दस्तावेज मांगे जाने पर आरोपी कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। सख्ती से पूछताछ करने पर आरोपियों ने विजयनगर, परदेशीपुरा, कनाडिया, सावेर और देवास नाका क्षेत्रों से अलग-अलग समय पर मोटरसाइकिल चोरी करना स्वीकार किया। आरोपियों की निशानदेही पर कुल 9 चोरी की मोटरसाइकिलें जब्त की गईं।

पुलिस के अनुसार बरामद वाहनों में से कई वाहन थाना विजयनगर के अपराध क्रमांक 466/2026 और 365/2026 तथा थाना परदेशीपुरा के अपराध क्रमांक 289/2026 से संबंधित पाए गए हैं। आरोपियों के खिलाफ धारा 303(2) बीएनएस 2023 सहित अन्य धाराओं में कार्रवाई की जा रही है।

गिरफ्तार आरोपियों में मोहित वर्मा निवासी परदेशीपुरा, विशेष कोरी निवासी पटेल कॉलोनी तथा निशांत सुनहरे निवासी एमआर-10 शारदा नगर शामिल हैं। पुलिस आरोपियों को न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लेकर अन्य वाहन चोरी की वारदातों के संबंध में पूछताछ करेगी।

भीषण गर्मी के बीच महापौर ने किया बिजलपुर जल नियंत्रण केंद्र का निरीक्षण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में लगातार बढ़ रही भीषण गर्मी और संभावित जल संकट को देखते हुए महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने मंगलवार को बिजलपुर स्थित जल नियंत्रण केंद्र पहुंचकर जलापूर्ति व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से शहर की पेयजल व्यवस्था की विस्तृत जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान महापौर श्री भार्गव ने विभिन्न पानी की टंकियों की स्थिति, जल भंडारण क्षमता, वितरण व्यवस्था और शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में हो रही जलापूर्ति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि भीषण गर्मी के इस दौर में नागरिकों को समय पर और निर्बाध पेयजल उपलब्ध कराना नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

महापौर ने शहर के विभिन्न वार्डों के पार्षदों से दूरभाष पर चर्चा कर क्षेत्रीय जल समस्याओं, जल वितरण व्यवस्था और नागरिकों की आवश्यकताओं की जानकारी भी ली। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में पानी का दबाव कम है अथवा जलापूर्ति संबंधी शिकायतें प्राप्त हो रही हैं, वहां तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जल वितरण व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखी जाए तथा पाइप लाइन लीकेज, मोटर खराबी, विद्युत बाधा और अन्य तकनीकी समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जाए। महापौर ने कहा कि गर्मी के मौसम में जलापूर्ति व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए सभी संबंधित अधिकारी और कर्मचारी पूरी संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्य करें।

वर्षा पूर्व शहर के प्रमुख मार्गों पर तेज हुआ पैचवर्क अभियान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी वर्षा ऋतु और नागरिकों की सुगम आवागमन व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए नगर निगम द्वारा शहर के मुख्य एवं व्यस्ततम मार्गों पर पैचवर्क कार्य अभियान के रूप में शुरू कर दिया गया है। महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव एवं आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल ने निर्देश दिए हैं कि 10 जून के पूर्व शहर के प्रमुख मार्गों पर प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्ता पूर्ण पैचवर्क कार्य पूरे किए जाएं। आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल के निर्देशानुसार नगर निगम द्वारा शहर की विभिन्न प्रमुख सड़कों पर युद्धस्तर पर सड़क सुधार और पैचवर्क कार्य लगातार किए जा रहे हैं। इसी क्रम में मंगलवार को एमआर-10 रोड पर हीरा नगर चौराहे से बापट चौराहे तक, राजकुमार ब्रिज, स्टार चौराहे से रेडिसन चौराहे तक, पल्हर नगर 60 फीट रोड, धार रोड तथा रिंग रोड पर मूसा खेड़ी से वर्ल्ड कप चौराहे तक पैचवर्क कार्य किया गया। नगर निगम की निर्धारित कार्ययोजना के अनुसार 27 मई को भी शहर के कई प्रमुख मार्गों पर पैचवर्क कार्य जारी रहेगा। आगामी कार्यों में राजकुमार ब्रिज के शेष हिस्से, रेडिसन से स्टार चौराहा मार्ग, रिंग रोड पर मूसा खेड़ी से वर्ल्ड कप चौराहे के शेष भाग, एमआर-10 रोड पर हीरा नगर से विजय नगर चौराहे तक तथा कालानी नगर मुख्य मार्ग पर सड़क सुधार कार्य किए जाएंगे। आयुक्त श्री सिंघल ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि सभी कार्य तय समयसीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं तथा यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि शहर के अन्य प्रमुख मार्गों और आवश्यक स्थानों पर भी चरणबद्ध तरीके से पैचवर्क कार्य किए जाएंगे, ताकि वर्षा ऋतु में नागरिकों को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

स्वच्छ शहर जोड़ी पहल में देपालपुर बना मॉडल, राजस्थान के अधिकारियों ने किया अध्ययन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वच्छ शहर जोड़ी पहल के अंतर्गत नगर परिषद देपालपुर द्वारा स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचार अब अन्य राज्यों के नगरीय निकायों के लिए भी प्रेरणा बन रहे हैं। इसी क्रम में राजस्थान सरकार की विभिन्न नगरपालिकाओं के अधिकारियों के दल ने इंदौर में आयोजित तीन दिवसीय अध्ययन एवं एक्सपोजर विजिट के दौरान देपालपुर पहुंचकर यहां विकसित किए गए स्वच्छता मॉडल का अवलोकन किया।

यह अवसर देपालपुर के लिए ऐतिहासिक रहा, क्योंकि पहली बार अन्य राज्यों के नगरीय निकायों के अधिकारी यहां की स्वच्छता व्यवस्था, वेस्ट मैनेजमेंट मॉडल और स्वच्छ शहर जोड़ी अभियान के तहत हुए कार्यों को देखने पहुंचे। महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव एवं आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल के निर्देशानुसार इंदौर नगर निगम के मार्गदर्शन में नगर परिषद देपालपुर में स्वच्छता संबंधी विभिन्न योजनाओं पर लगातार कार्य किया जा रहा है।

भ्रमण के दौरान राजस्थान से आए अधिकारियों ने डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था, स्रोत पर कचरा पृथक्करण, कम्पोस्ट प्लांट, ट्रीटमेंट प्लांट, आरआरआर सेंटर, जल स्रोत सूरजकुंड, कम्युनिटी टॉयलेट, पब्लिक टॉयलेट और यूरिनल सहित विभिन्न स्वच्छता व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। अधिकारियों को बताया गया कि इंदौर नगर निगम द्वारा देपालपुर को तकनीकी मार्गदर्शन, प्रशिक्षण, मॉनिटरिंग और स्वच्छ सर्वेक्षण की तैयारियों में लगातार सहयोग दिया जा रहा है।

नगर परिषद द्वारा शहर में नियमित कचरा संग्रहण, चार श्रेणी में स्रोत पृथक्करण, सफाई व्यवस्था, नाली सफाई, सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता, जल स्रोत संरक्षण और नागरिक सहभागिता को बढ़ावा देने के लिए विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं। स्वच्छता को जन-आंदोलन बनाने के उद्देश्य से नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, सफाईमित्रों और नगर परिषद कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है।

राजस्थान से आए अधिकारियों ने देपालपुर मॉडल की सराहना करते हुए कहा कि छोटे शहरों में स्वच्छता व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए यह एक व्यवहारिक, कम लागत वाला और जनसहभागिता आधारित मॉडल है। उन्होंने विशेष रूप से आरआरआर सेंटर, कम्पोस्टिंग व्यवस्था, डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण और नागरिक जागरूकता गतिविधियों को सराहा। अधिकारियों के अनुसार देपालपुर में इंदौर मॉडल को स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप अपनाया गया है, जो अन्य नगरपालिकाओं के लिए भी उपयोगी साबित हो सकता है।

इस दौरान नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि महेश पुरी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी बहादुर सिंह रघुवंशी, इंजीनियर नीरज गुप्ता, एफएफसीटी विजय कुमार लॉजीवार, सीएसई विनय खरे, एसआई शैलेश सहित नगर परिषद की स्वच्छता टीम उपस्थित रही।

एनआईटीटीटीआर में 'भारतीय ज्ञान परंपरा' पर 3 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों में कार्यरत प्राध्यापकों के लिए राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीटीआर), भोपाल द्वारा 3 से 5 जून 2026 तक 'भारतीय ज्ञान परंपरा' विषय पर तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

पीएम सूर्य घर योजना में 39 हजार 975 उपभोक्ताओं के खातों में पहुंची 311 करोड़ से अधिक की सब्सिडी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी क्षेत्रान्तर्गत आने 16 जिलों में पीएम सूर्यघर योजना के तहत अब तक कुल 39 हजार 975 उपभोक्ता पंजीकृत हुए हैं। इनके खातों में 311 करोड़ 64 लाख से अधिक की राशि सब्सिडी के रूप में जमा कराई जा चुकी है। कंपनी ने कहा है कि प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना में ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन उपरांत विद्युत वितरण कंपनी में रजिस्टर्ड अधिकृत वेंडर से ही सौर ऊर्जा संयंत्र लगवाएं।

गौरतलब है कि इस योजना में एक किलोवॉट सोलर संयन्त्र लगाने पर 30 हजार रूपये, दो किलोवॉट सोलर संयन्त्र लगाने पर 60 हजार रुपए तथा तीन किलोवॉट या उससे अधिक के सोलर संयन्त्र स्थापना पर 78 हजार रुपए की सब्सिडी केन्द्र सरकार द्वारा दी जा रही है।

कहां करें आवेदन- पीएम सूर्यघर योजना का शुभारंभ 13 फरवरी 2024 को हुआ था। योजना में शामिल होने के लिए ऑनलाइन आवेदन करना होगा। जिसके लिए पीएम सूर्य घर योजना की वेबसाइट pmsuryaghar.gov.in पर जाकर आवेदन किया जा सकता है। इसके अलावा अधिक जानकारी के लिए कंपनी की वेबसाइट portal.mpcz.in अथवा उपाय ऐप, वॉट्स ऐप चेटबॉट व टोल फ्री नं, 1912 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

कंपनी ने कहा कि उपभोक्ताओं को समय पर सब्सिडी मिले इसके लिए वेंडर और उपभोक्ता दोनों को ध्यान रखना होगा कि उनके बैंक खाते में नाम, आधार कार्ड में नाम तथा बिजली बिल में नाम एक समान होना चाहिए। गौरतलब है कि 1 दिसंबर 2024 से स्थापित होने वाले प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के अंतर्गत सौर संयंत्रों में केवल स्मार्ट मीटर ही लगाए जा रहे हैं, जो कि मध?य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा एस.ओ.आर. रेट पर उपभोक?ताओं को प्रदान किए जा रहे हैं। इससे उपभोक?ताओं द्वारा सोलर वेंडर को किए जाने वाले भुगतान में लगभग 6 से 8 हजार रूपये तक की कमी परिलक्षित हो रही है।

अतिक्रमण हटाओ मुहिम के विरोध में फूटा व्यापारियों का गुस्सा, रैली निकालकर गांधी चौराहे पहुंचे दुकानदार, दो घंटे धरने पर बैठे

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पिपलिया मंडी नगर में पिछले तीन दिनों से चल रही अतिक्रमण हटाओ मुहिम के विरोध में बुधवार को व्यापारियों, दुकानदारों और विभिन्न सामाजिक-राजनीतिक संगठनों का आक्रोश खुलकर सामने आया। प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई को भेदभावपूर्ण और बिना पूर्व सूचना की कार्रवाई बताते हुए बड़ी संख्या में व्यापारियों ने नगर में विरोध रैली निकाली, जमकर नारेबाजी की और बाद में गांधी चौराहे पर धरना देकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि दुकानदारों के नुकसान की भरपाई नहीं की गई और प्रशासन ने अपना रवैया नहीं बदला तो आगामी दिनों में नगर बंद किया जाएगा। बुधवार सुबह नगर के विभिन्न क्षेत्रों से व्यापारी, दुकानदार और नागरिक एकत्रित हुए। इसके बाद सभी ने विरोध रैली निकाली। हाथों में बैनर लेकर प्रदर्शनकारी प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए नगर परिषद कार्यालय पहुंचे, जहां कुछ देर तक विरोध प्रदर्शन किया गया। इसके बाद रैली गांधी चौराहे पहुंची, जहां पुलिस चौकी और गांधी चौराहे के बीच सड़क पर धरना शुरू कर दिया गया। धरना सुबह लगभग 11 बजे प्रारंभ हुआ, जो दोपहर करीब 1 बजे तक जारी रहा। इस दौरान पूरे क्षेत्र में भारी भीड़ जमा रही और प्रशासन के खिलाफ लगातार नारेबाजी होती रही। प्रदर्शन कर रहे व्यापारियों का कहना था कि नगर में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई

जिस तरीके से की गई, उससे छोटे व्यापारियों और गरीब दुकानदारों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है।

अतिक्रमण हटाने से विरोध नहीं, लेकिन कार्रवाई का तरीका गलत- धरने पर बैठे दुकानदारों और जनप्रतिनिधियों ने स्पष्ट कहा कि उन्हें अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन प्रशासन ने बिना नोटिस, बिना सीमांकन और बिना लाइनिंग किए अचानक बुलडोजर चलाकर दुकानों और प्रतिष्ठानों को नुकसान पहुंचाया है, जो पूरी तरह गलत है। व्यापारियों का आरोप था कि प्रशासन ने पहले किसी भी दुकानदार को स्पष्ट सूचना नहीं दी। यदि समय रहते लाइनिंग कर दी जाती और सीमांकन बता दिया जाता तो व्यापारी स्वयं अपना सामान और निर्माण हटा लेते। लेकिन प्रशासन ने अचानक कार्रवाई कर व्यापारियों को संभलने तक का मौका नहीं दिया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि विरोध के दूसरे दिन प्रशासन ने लाइनिंग करवाई, जिससे यह स्पष्ट होता है कि पहले की कार्रवाई जल्दबाजी और अव्यवस्थित तरीके से की गई। उन्होंने यह भी कहा कि कार्रवाई में भेदभाव बरता गया और कुछ चुनिंदा लोगों को निशाना बनाया गया। धरने में शामिल व्यापारियों ने कहा कि कार्रवाई से सबसे अधिक नुकसान छोटे दुकानदारों और रोज कमाने-खाने वाले लोगों को हुआ है। चौपाटी क्षेत्र और मंडी इलाके में कई दुकानदारों की दुकानें और प्रतिष्ठान प्रभावित हुए हैं। व्यापारियों ने बताया कि चौपाटी क्षेत्र के दुकानदार घनश्याम पोरवाल तथा मंडी क्षेत्र के व्यापारी राजेन्द्र डबकरा, संदीप पोरवाल सहित कई लोगों को लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। उनका कहना था कि अचानक हुई तोड़फोड़ के कारण सामान तक सुरक्षित नहीं निकाल पाए और कई व्यापारियों का व्यापार पूरी तरह प्रभावित हो गया।

एसडीएम पहुंचीं मौके पर, मुआवजे की मांग पर अड़े रहे प्रदर्शनकारी- करीब दो घंटे तक चले धरने के बाद एसडीएम स्वाति तिवारी मौके पर पहुंचीं। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने उन्हें ज्ञापन सौंपा और मांग रखी कि जिन दुकानदारों को नुकसान हुआ है, उन्हें प्रशासन की ओर से उचित मुआवजा दिया जाए। बताया गया कि एसडीएम द्वारा मुआवजा देने से इंकार किए जाने पर माहौल और गर्मा गया। चिलचिलाती धूप में करीब आधे घंटे तक प्रदर्शनकारियों और एसडीएम के बीच तीखी बहस होती रही। कई व्यापारी प्रशासनिक रवैये को लेकर नाराज नजर आए। प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही उचित कार्रवाई नहीं हुई और नुकसान की भरपाई नहीं की गई तो व्यापारी वर्ग मजबूर होकर नगर बंद करेगा और आंदोलन को और उग्र रूप दिया जाएगा।

नेताओं ने साधा प्रशासन पर निशाना- धरने को संबोधित करते हुए श्यामलाल जोकचंद ने कहा कि प्रशासन की कार्रवाई पूरी तरह गलत है और इससे गरीब एवं छोटे दुकानदारों के साथ अन्याय हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रशासन को संवेदनशीलता के साथ काम करना चाहिए था। अनिल शर्मा ने कहा कि अतिक्रमण हटाने का किसी को विरोध नहीं है, लेकिन बिना सूचना दिए और बिना लाइनिंग किए बुलडोजर चलाना तानाशाही और हिटलरशाही जैसा व्यवहार है। उन्होंने कहा कि प्रशासन को पहले व्यापारियों के साथ बैठक कर समाधान निकालना चाहिए था। मुकेश पोरवाल (नीमच) ने आरोप लगाया कि समाज विशेष के लोगों को निशाना बनाकर कार्रवाई की गई है, जो निंदनीय है। वहीं नरेन्द्र उदिया ने कहा कि उन्होंने इस प्रकार की बर्बरतापूर्ण कार्रवाई पहले कभी नहीं देखी। विष्णु फरक्या ने कहा कि वर्ष 2025 में नगर परिषद के कहने पर उन्होंने अतिक्रमण हटाने की शिकायत की थी, लेकिन अब उसी शिकायत पत्र को सोशल मीडिया पर वायरल कर उनके खिलाफ दुष्प्रचार किया जा रहा है। गोविंद पोरवाल ने कहा कि शासन-प्रशासन का यह रवैया किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। धरना प्रदर्शन और विरोध रैली में चौथमल गुप्ता, सरफराज मेव, अनिल बोराना, मानसिंह चौहान, मुकेश निडर, विजेश मालेचा, लोकेश धनोतिया, सुनील फरक्या, मुकेश फरक्या, मुकेश गुप्ता, अशोक मुजावदिया, किशोर उणियारा, दिनेश गुप्ता, अनिल एबी, मोहित जैन, दिनेश पोरवाल, विनोद जोशी, राजेश धनोतिया सहित बड़ी संख्या में व्यापारी, जनप्रतिनिधि और नागरिक मौजूद रहे।

हिस्ट्रीशीटर की गुंडागर्दी से समाजजनों में रोष ! कैफे में युवकों से मारपीट

, झूठे केस में फंसाने के आरोपज एसपी तक पहुंची शिकायत

नीमच 7 (सतीश सैन)

अवैध गतिविधियों और आपराधिक मामलों को लेकर चर्चाओं में रहने वाला नीमच के एक कथित हिस्ट्रीशीटर बदमाश माधव बंसल पर आईपीएल सट्टा, अपहरण, फिरौती और मारपीट जैसे गंभीर मामलों का हवाला देते हुए अब समाजसेवी जय अहीर ने समाजजनों के साथ नीमच पुलिस अधीक्षक को शिकायत सौंपकर आरोपी और उसके साथियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

शिकायत के अनुसार 17 मई की रात भरभड़िया रोड स्थित एक कैफे पर यादव समाज के आदेश अहीर अपने दोस्तों ऋतिक रेगर और पुलकित शर्मा के साथ खाना खाने पहुंचे थे। आरोप है कि वहां पहले से मौजूद माधव बंसल, ध्रुव वर्मा और उनके 25 से 30 साथियों ने नशे में युवकों के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी और बाद में मारपीट की।

आरोप है कि इस दौरान जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल कर युवकों को अपमानित भी किया गया। घटना के बाद घायल युवक किसी तरह वहां से निकलकर थाने पहुंचे, जहां पुलिस और परिजनों की मौजूदगी में समझाइश हुई। हालांकि शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि अब उन्हें झूठे मामलों में फंसाने की साजिश रची जा रही है।

जय अहीर सहित समाज जन ने एसपी को दिए आवेदन में कहा है कि माधव बंसल खुद कई मामलों में आरोपी रह चुका है और उसके खिलाफ पहले से विभिन्न प्रकरण दर्ज हैं। इसके बावजूद वह लगातार युवाओं को धमकाने और दहशत फैलाने का काम कर रहा है। उन्होंने मांग की कि ऐसे बदमाशों को नीमच में पनपने नहीं दिया जाए और उन पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

17 साल में नहीं बनी सड़कें, ग्रामीणों में नाराजगी

पूर्व सरपंच ने डिप्टी सीएम पर साधा निशाना, बरखेड़ा पंथ और खात्याखेड़ी क्षेत्र में आज भी कच्चे रास्तों से गुजरने को मजबूर ग्रामीण

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मल्हारगढ़ विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को लेकर सियासत तेज हो गई है। ग्राम बरखेड़ा पंथ के पूर्व सरपंच दिनेश कारपेंटर ने डिप्टी सीएम एवं क्षेत्रीय विधायक जगदीश देवड़ा के विकास दावों पर सवाल उठाते हुए सड़क निर्माण नहीं होने पर नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि मंत्री हर मंच से विधानसभा क्षेत्र में सड़कों का जाल बिछाने और किसी भी गांव में कच्ची सड़क नहीं बचने के दावे करते हैं, लेकिन बरखेड़ा पंथ एवं आसपास के गांवों की स्थिति इन दावों की पोल खोल रही है।

पूर्व सरपंच दिनेश कारपेंटर ने कहा कि तहसील मुख्यालय मल्हारगढ़ से महज 7 किलोमीटर दूर फोरलेन मार्ग पर स्थित ग्राम बरखेड़ा पंथ और खात्याखेड़ी में आज भी कई मार्ग कच्चे हैं। ग्रामीण वर्षों से सड़क निर्माण की मांग कर रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने बताया कि रूपी से बरखेड़ा पंथ, खोखरा से बरखेड़ा पंथ, जलोदिया से बरखेड़ा पंथ, खात्याखेड़ी से गुड़भेली तथा खात्याखेड़ी से खोखरा तक सड़क निर्माण की मांग लंबे समय से की जा रही है। इसके बावजूद पिछले 17 वर्षों में इन मार्गों का निर्माण नहीं हो पाया। कारपेंटर ने आरोप लगाया कि मंत्री जगदीश देवड़ा गांवों में आयोजित कार्यक्रमों एवं सभाओं में कई बार इन सड़कों के निर्माण की घोषणा कर चुके हैं, लेकिन घोषणाएं केवल कागजों और भाषणों तक सीमित रह गईं। उन्होंने कहा कि मंत्री क्षेत्र में ÷विकास की गंगा बहाने÷ की बात करते हैं, लेकिन बरखेड़ा पंथ ग्राम पंचायत में विकास धरातल पर दिखाई नहीं देता। ग्रामीणों ने भी सड़क निर्माण नहीं होने पर नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि कच्चे रास्तों के कारण रोजमर्रा की आवाजाही में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। विशेष रूप से बारिश के मौसम में हालात और भी बदतर हो जाते हैं। कई स्थानों पर कीचड़ एवं गड्ढों के कारण वाहन निकलना मुश्किल हो जाता है, जिससे विद्यार्थियों, किसानों एवं मरीजों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ती है। ग्रामीणों ने प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों से जल्द सड़क निर्माण कार्य शुरू करवाने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे।

ज्ञान मंदिर लॉ कॉलेज में छात्र संगठनों के बीच विवाद, एबीवीपी-एनएसयूआई आमने-सामने

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के ज्ञान मंदिर लॉ कॉलेज में छात्र राजनीति को लेकर माहौल गर्मा गया। कॉलेज में उस समय विवाद की स्थिति बन गई, जब अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) से जुड़े कुछ छात्र चलती क्लास में पहुंचकर विद्यार्थियों को संबोधित करने लगे। इस दौरान एनएसयूआई से जुड़े छात्रों ने इसका विरोध किया, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच तीखी कहासुनी हो गई और कॉलेज परिसर में तनावपूर्ण माहौल बन गया।

जानकारी के अनुसार कॉलेज में नियमित लेक्चर चल रहे थे। इसी बीच एबीवीपी कार्यकर्ता कक्षा में पहुंचे और विद्यार्थियों के बीच अपनी बात रखने लगे। एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने इसे शैक्षणिक वातावरण में हस्तक्षेप बताते हुए विरोध दर्ज कराया। मामला बढ़ने पर कॉलेज प्राचार्य को शिकायत की गई।

स्थिति को देखते हुए कॉलेज प्रशासन ने दोनों पक्षों को चर्चा के लिए बुलाया और समझाइश देकर मामला शांत कराया। बताया जा रहा है कि प्राचार्य एवं कॉलेज ट्रस्टी के साथ हुई बैठक में कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर सहमति बनी।

एनएसयूआई छात्र नेता यश लोहार ने बताया कि कॉलेज प्रबंधन ने आश्वासन दिया है कि भविष्य में परिसर में किसी भी प्रकार की राजनीतिक गतिविधि की अनुमति नहीं दी जाएगी। साथ ही किसी भी छात्र को उसकी विचारधारा या व्यक्तिगत आधार पर टारगेट नहीं किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि कॉलेज में किसी प्रकार की संविधान विरुद्ध मोरल पॉलिसिंग नहीं होने देने का भरोसा भी प्रबंधन द्वारा दिया गया है। फिलहाल एनएसयूआई ने अपना आंदोलन स्थगित कर दिया है, लेकिन भविष्य में यदि किसी संगठन द्वारा कैंपस में राजनीतिक एजेंडा थोपने का प्रयास किया गया तो उसका विरोध किया जाएगा।

यश लोहार ने कहा कि वे सामाजिक न्याय, संविधान और आइडिया ऑफ इंडिया की विचारधारा के प्रति प्रतिबद्ध हैं तथा बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर, महात्मा गांधी और भगत सिंह के विचारों को आगे बढ़ाने के लिए संघर्ष जारी रहेगा। वहीं कॉलेज प्रशासन ने पूरे मामले में शैक्षणिक वातावरण बनाए रखने और छात्रों के बीच सौहार्द बनाए रखने पर जोर दिया है।

जेपीसी अध्यक्ष बनने के बाद सांसद सुधीर गुप्ता ने दिल्ली में वरिष्ठ नेताओं से की शिष्टाचार मुलाकात

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मंदसौर संसदीय क्षेत्र के लिए गर्व का क्षण तब आया जब सांसद सुधीर गुप्ता को केंद्र सरकार द्वारा संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। नई जिम्मेदारी मिलने के बाद सांसद गुप्ता ने बुधवार को नई दिल्ली में शीर्ष नेताओं और केंद्रीय मंत्रियों से शिष्टाचार मुलाकात कर उनका आभार व्यक्त किया। सांसद सुधीर गुप्ता ने सबसे पहले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात कर उन्हें धन्यवाद ज्ञापित किया। इसके बाद उन्होंने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण तथा वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी से भी भेंट की। इसी के साथ उन्होंने संसदीय क्षेत्र विकास कार्यों की जानकारी दी और नए विकास कार्यों पर चर्चा भी की। मुलाकात के दौरान सांसद गुप्ता ने केंद्रीय नेतृत्व द्वारा उन पर जताए गए विश्वास के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे नई जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा, समर्पण और पारदर्शिता के साथ निभाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है और वे इस विकास यात्रा को और गति देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।सांसद गुप्ता की जेपीसी अध्यक्ष पद पर नियुक्ति को राजनीतिक दृष्टि से भी बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। समर्थकों और भाजपा कार्यकर्ताओं में इस नियुक्ति को लेकर उत्साह का माहौल है।सांसद सुधीर गुप्ता ने कहा कि केंद्र नेतृत्व ने जो जिम्मेदारी सौंपी है, वह उसे पूरी ईमानदारी और गंभीरता से निभाएंगे। उन्होंने कहा कि जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना ही उनकी प्राथमिकता रहेगी।

शातिर नकबजन गिरफ्तार, 1.80 लाख रुपये के चोरी गए चांदी के आभूषण बरामद

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पिपलियामंडी थाना पुलिस ने संपत्ति संबंधी अपराधों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एक शातिर नकबजन (चोर) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किए गए करीब 1 लाख 80 हजार रुपये कीमत के चांदी के आभूषण भी बरामद किए हैं। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 26 मई 2026 को फरियादी अमजद पिता बशीर खान उम्र 44 वर्ष निवासी बाबुखेड़ा, पिपलियामंडी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि अज्ञात आरोपी उसके घर से चांदी के आभूषण चोरी कर ले गया है। मामले में थाना पिपलियामंडी ने धारा 331 (4), 305 (ए) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई। विवेचना के दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई, जिसके आधार पर बाबुखेड़ा निवासी इरशाद (24) पिता इशाक कुरेशी से पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपी ने चोरी करना स्वीकार कर लिया। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी गया मशरूका बरामद किया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 03 जोड़ी चांदी की पायजेब एवं 02 चांदी की चूड़ी बरामद की है, जिनकी कुल कीमत लगभग 1 लाख 80 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस ने जेवर जप्त कर आरोपी को गिरफ़्तार किया।

पुलिस पर फायर कर भाग रहे तस्कर गिरफ्तार, 6 नंबर प्लेट मिली, 252 किलो डोडाचूरा, देशी पिस्टल और क्रेटा कार जब्त

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नारायणगढ़ थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस पर फायर कर भागने वाले अंतर्राज्यीय डोडाचूरा तस्करों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से 252 किलोग्राम अवैध डोडाचूरा, एक देशी पिस्टल, जिंदा राउंड सहित करोड़ों रुपये के मशरूका जब्त किए गए हैं।

नारायणगढ़ थाना प्रभारी निरीक्षक राजेन्द्र कुमार पंवार ने बताया कि मंगलवार को नारायणगढ़-पिपलियामंडी रोड स्थित बरखेड़ा विरपुरिया फंटा सगस बावजी मंदिर के पास पुलिस द्वारा वाहन चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान पिपलियामंडी की ओर से आ रही एक हुण्डई क्रेटा कार को रोकने का प्रयास किया गया। पुलिस को देखकर चालक वाहन को तेज गति और लापरवाही से भगाने लगा। कुछ दूरी पर कार यात्री प्रतीक्षालय की दीवार से टकराकर असंतुलित हुई और पेड़ से जा भिड़ी। इसके बाद कार में सवार दोनों आरोपी वाहन छोड़कर भागने लगे। इसी दौरान एक आरोपी ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से चार फायर किए। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों में राजस्थान के जालोर जिले के बागोड़ा थाना क्षेत्र निवासी 31 वर्षीय राजूराम पिता प्रभुराम विश्नोई तथा सांचौर जिले के चितलवाना थाना क्षेत्र निवासी 19 वर्षीय सुरज पिता मंगलाराम विश्नोई शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे वाली क्रेटा कार क्रमांक एमपी 04 केआर 1543 से 12 प्लास्टिक कट्टों में भरा 252 किलोग्राम डोडाचूरा बरामद किया, जिसकी अनुमानित कीमत 5 लाख 10 हजार रुपये बताई गई है। वहीं आरोपी सुरज के कब्जे से एक देशी पिस्टल, एक जिंदा राउंड और एक खाली कारतूस भी जब्त किया गया। इसके अलावा पुलिस ने दो एंड्रॉयड मोबाइल, जियो कंपनी का डोंगल तथा अलग-अलग नंबरों की छह वाहन नंबर प्लेटें भी बरामद की हैं। जब्त क्रेटा वाहन की कीमत करीब 15 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट, आर्म्स एक्ट एवं बीएनएस की विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब आरोपियों से डोडाचूरा के स्रोत और तस्करी नेटवर्क को लेकर पूछताछ कर रही है।

विधायक ओमप्रकाश सखलेचा ने जावद विधानसभा को विकास और नवाचार की नई पहचान दी...

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंगोली भाजपा मंडल अध्यक्ष राधेश्याम मेघवंशी ने प्रेस नोट जारी करते हुए कहा कि विधायक श्री ओमप्रकाश जी सखलेचा के नेतृत्व में जावद विधानसभा क्षेत्र आज विकास और नवाचार की नई पहचान बन चुका है।

उनके नेतृत्व में क्षेत्र में प्ले-स्कूल आंगनबाड़ी, डिजिटल क्लास, विद्यार्थियों को लैपटॉप वितरण, सड़कों का जाल, डेम एवं बांध निर्माण जैसे अनेक ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। उन्होंने कहा कि किसानों के हित में जीरो बजट खेती जैसे नवाचार को बढ़ावा देकर विधायक श्री सखलेचा ने कृषि क्षेत्र में नई सोच विकसित की है, जो आज पूरे प्रदेश में मिसाल बन चुकी है। ग्रामीण विकास, शिक्षा, तकनीक एवं सिंचाई के क्षेत्र में जिस प्रकार की योजनाएँ जावद विधानसभा में लागू हुई हैं, वैसी पहल बहुत कम क्षेत्रों में देखने को मिलती है। जनता की जरूरतों को समझकर विकास को धरातल पर उतारना ही उनकी सबसे बड़ी पहचान है। श्री मेघवंशी ने कहा कि लगातार जनसेवा, ईमानदार छवि एवं विकासवादी सोच के कारण जावद विधानसभा आज पूरे प्रदेश में अलग पहचान बना रही है। जहाँ सोच विकास की हो, वहाँ बदलाव निश्चित होता है।

3 दिन पहले बस पलटी, अब पिकअप बनी काल, 3 मजदूरों की दर्दनाक मौत, आखिर कब थमेगा तिलस्वां घाट का मौत का सिलसिला

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राजस्थान एवं मध्यप्रदेश की सीमा पर नीमच जिले के सिंगोली के समीप स्थित तिलस्वां घाट इन दिनों लगातार दर्दनाक हादसों का गवाह बनता जा रहा है। यह जानलेवा घाट अब राहगीरों के लिए मौत का रास्ता साबित हो रहा है। रविवार को हुए एक यात्री बस हादसे में जहां बस गहरी खाई में गिर गई थी और करीब 32 यात्री गंभीर रूप से घायल हुए थे, वहीं ठीक तीसरे दिन मंगलवार देर रात उसी खतरनाक मोड़ पर एक और भीषण हादसा हो गया।

पेंट और पुट्टी से भरी पिकअप वाहन क्रमांक ऋछ्ठ 14 त्वह 6549 अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। हादसा इतना भयावह था कि पिकअप में सवार तीन मजदूरों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद कोटा रेफर किया गया। हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया।

बताया जा रहा है कि पिकअप वाहन राजस्थान के धौलपुर से बांसवाड़ा की ओर जा रहा था। वाहन में पेंट और पुट्टी की बाल्टियां भरी हुई थीं, जिन पर मजदूर बैठे हुए थे। तिलस्वां घाट के खतरनाक मोड़ पर चालक अचानक वाहन से संतुलन खो बैठा और पिकअप सीधे खाई में जा गिरी।

हादसे के दौरान बाल्टियों में भरा पेंट और पुट्टी मजदूरों के पूरे शरीर पर फैल गया, जिससे घटनास्थल का दृश्य बेहद भयावह और दिल दहला देने वाला हो गया। मृतक उत्तरप्रदेश के बरेली, गाजीपुर तथा राजस्थान के जयपुर निवासी बताए जा रहे हैं, जो बांसवाड़ा में आंगनवाड़ी भवन निर्माण कार्य के लिए जा रहे थे।

घायलों में मोहम्मद जाकिर, इदरीश और सोमपाल शामिल हैं। प्राथमिक उपचार के बाद तीनों को गंभीर हालत में कोटा रेफर किया गया है।

घटना की सूचना मिलते ही सिंगोली थाना प्रभारी जितेंद्र वर्मा और तहसीलदार प्रेमशंकर पटेल मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों और राहगीरों की मदद से मृतकों और घायलों को खाई से बाहर निकालकर सिंगोली अस्पताल पहुंचाया गया।

लेकिन इन सबके बीच सबसे बड़ा सवाल यही उठ रहा है कि आखिर लगातार हो रहे हादसों के बावजूद प्रशासन अब तक क्यों नहीं जागा? तिलस्वां घाट पर लगातार हो रही दुर्घटनाओं के बाद भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम क्यों नहीं किए गए? न तो पर्याप्त संकेतक लगाए गए और न ही खतरनाक मोड़ों पर सुरक्षा दीवारों और बैरिकेडिंग की व्यवस्था नजर आती है।

लगाता तिलस्वां घाट पर हो रहे हादसे अब प्रशासनिक व्यवस्था पर बड़ा सवालिया निशान खड़ा कर रहे हैं। आखिर इन हादसों की जिम्मेदारी कौन लेगा? आखिर कब सुधरेगी तिलस्वां घाट की तस्वीर, या फिर इसी तरह मासूम और बेगुनाह राहगीरों की जान जाती रहेगी?

नीमच से सिंगोली तक 'मौत की रफ्तार' में दौड़ रहीं निजी बसें

नियम ताक पर, यात्रियों की जिंदगी भगवान भरोसे

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में निजी बस संचालकों की मनमानी अब यात्रियों की जान पर भारी पड़ती नजर आ रही है। प्रशासन और परिवहन विभाग की आंखों के सामने खुलेआम नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं, लेकिन कार्रवाई के नाम पर सिस्टम पूरी तरह मूकदर्शक बना हुआ है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण नीमच से सिंगोली मार्ग पर दौड़ रही निजी बसें हैं, जो हर दिन सैकड़ों यात्रियों की जिंदगी को खतरे में डालकर सड़कों पर फर्राटे भर रही हैं।

कब जागेगा सिस्टम- नीमच बस स्टैंड से शुरू होकर ये बसें सीधे एसपी ऑफिस के सामने से गुजरती हैं। इसके बाद नीमच सिटी थाना, सरवानिया महाराज चौकी, डीकेन चौकी, रतनगढ़ थाना और सिंगोली क्षेत्र तक मौत की रफ्तार में दौड़ती रहती हैं। रास्तेभर पुलिस चौकियां और थाने पड़ते हैं, लेकिन कहीं भी इन ओवरलोड और नियम तोड़ती बसों पर सख्त कार्रवाई नजर नहीं आती।

हालत यह है कि बसों में यात्रियों को ठूंस-ठूंसकर भरा जाता है। सीटें फुल होने के बाद लोगों को खड़े होकर सफर करना पड़ता है, वहीं ड्राइवर केबिन तक में सवारियां बैठा दी जाती हैं।

इतना ही नहीं, यात्रियों से खचाखच भरी बसों के ऊपर और अंदर भारी मात्रा में पार्सल और सामान भी लोड किया जाता है। ऐसे में जरा सी चूक कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है।

नियमों को ताक में रख दौड़ रहीं निजी बसें- सूत्रों की मानें तो कई निजी बसों की फिटनेस तक पूरी नहीं है। कई बार चलते-चलते बसों के टायर फटने जैसी घटनाएं भी सामने आ चुकी हैं। इसके बावजूद ये बसें लगातार सड़कों पर दौड़ रही हैं। वहीं कुछ बस चालक बिना मेडिकल जांच और नियमों का पालन किए वाहन चला रहे हैं। कई बार चालक मोबाइल पर बात करते हुए या बीड़ी-सिगरेट पीते हुए बस चलाते दिखाई देते हैं, जिससे यात्रियों की जान सीधे जोखिम में पड़ रही है।

यात्रियों का आरोप है कि कई बस कंडक्टर मनमर्जी से अधिक किराया भी वसूलते हैं। मजबूरी में लोग ज्यादा किराया देकर भी जान जोखिम में डालकर सफर करने को मजबूर हैं।

तिलस्वां घाट बस हादसे से भी नहीं ली सीख- आए दिन सामने आ रहे सड़क हादसे इस लापरवाही की गवाही दे रहे हैं। हाल ही में तिलस्वां घाट पर हुआ भीषण बस हादसा इसका ताजा उदाहरण है, जहां बस खाई में गिरने से कई यात्री घायल हो गए थे। इसके बावजूद प्रशासन और परिवहन विभाग की चुप्पी लोगों के बीच बड़ा सवाल बनती जा रही है।

सबसे बड़ा सवाल यही ज़्है कि आखिर प्रशासन कब जागेगा? क्या किसी बड़े हादसे और कई मासूम जिंदगियों के खत्म होने का इंतजार किया जा रहा है? यदि समय रहते इन निजी बसों पर सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो आने वाले दिनों में और भी बड़े हादसे हो सकते हैं।

सम्पादकीय

सीबीएसई का डिजिटल प्रयोग बना छात्रों की सबसे बड़ी परीक्षा

जब सुधार के नाम पर व्यवस्था ही संकट बन जाए, तब शिक्षा तंत्र पर सवाल उठना स्वाभाविक है। सीबीएसई ने 2026 में कक्षा 12 की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली लागू की, जिसे पारदर्शिता और गति की दिशा में बड़ा कदम माना गया। उद्देश्य था निष्पक्ष और त्रुटिरहित मूल्यांकन, लेकिन वास्तविकता ने लाखों छात्रों का भरोसा तोड़ दिया। धुंधली स्कैनिंग, गलत उत्तर पुस्तिकाओं का अपलोड, कई उत्तरों का बिना जाँच छूटना और पोर्टल की तकनीकी विफलताओं ने वर्षों की मेहनत पर संकट खड़ा कर दिया। नतीजतन पास प्रतिशत गिरकर 85.2% पर आ गया, जो सात वर्षों का सबसे निचला स्तर रहा। कई मेधावी छात्र अचानक कम अंकों से स्तब्ध रह गए। यह केवल तकनीकी गड़बड़ी नहीं, बल्कि सपनों पर पड़ा गहरा आघात बन गया।

जहाँ शिक्षा सपनों को उड़ान देती है, वहीं डिजिटल अव्यवस्था ने हजारों छात्रों के भविष्य पर विराम लगा दिया। जेईई मेन पास करने वाले कई मेधावी छात्र ओएसएम की खामियों के कारण क्लास 12 में अपेक्षित अंक नहीं ला सके। कई मेधावी छात्र अपेक्षित अंकों (विशेषकर 75% कट-ऑफ) से पीछे रह गए, जिससे एनआईटी/ आईआईटी आदि में प्रवेश प्रभावित हुआ। फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ्स और इंग्लिश में अप्रत्याशित कम अंकों ने वर्षों की मेहनत पर पानी फेर दिया। कोचिंग का खर्च, जागी रातें और सुनहरे सपने एक तकनीकी गड़बड़ी के आगे बिखरते दिखे। यह केवल रिजल्ट की भूल नहीं, बल्कि युवाओं के करियर और आत्मविश्वास पर गहरा आघात है।

जब एक गलती मार्कशीट से निकलकर मन तक पहुँच जाए, तब उसका असर सबसे भयावह हो जाता है। पूरी मेहनत और समर्पण से तैयारी करने वाले हजारों छात्र अचानक चिंता, निराशा और मानसिक दबाव में घिर गए। सोशल मीडिया पर उठते “हमारी मेहनत क्यों बर्बाद?” जैसे सवाल व्यवस्था की संवेदनहीनता उजागर करने लगे। कई विद्यार्थियों की नींद छिन गई, परिवार तनाव में डूब गए और कॉलेज एडमिशन की डेडलाइन ने युवाओं को टूटन के कगार पर पहुँचा दिया। शिक्षा का उद्देश्य आत्मविश्वास जगाना है, न कि युवाओं को असुरक्षा में धकेलना। लेकिन सीबीएसई की लापरवाही ने हजारों घरों की शांति और भरोसा दोनों हिला दिए। डिजिटल गलती का यह प्रभाव अब केवल स्क्रीन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि घर-घर की बेचैनी बन गया।

जब जांच की प्रक्रिया ही भरोसे के संकट में घिर जाए, तब सबसे बड़ा सवाल यही उठता है कि पूरा परिणाम दोबारा मैनुअल तरीके से क्यों न तैयार कराया जाए। जिन स्कैन की गई उत्तर पुस्तिकाओं को छात्र स्वयं स्पष्ट रूप से नहीं पढ़ पा रहे, उसी डिजिटल प्रारूप में निष्पक्ष री-इवैल्यूएशन कैसे संभव माना जाए? यही कारण है कि मैनुअल री-चेकिंग की मांग अब सबसे न्यायपूर्ण विकल्प बनकर उभरी है। शिक्षक जब वास्तविक कॉपी देखकर जाँच करते हैं, तब वे लिखावट, उत्तर की संरचना और सोच की क्रमबद्धता को बेहतर समझ पाते हैं। इसके विपरीत ओएसएम में धुंधली इमेज, सीमित दृश्यता और स्क्रीन थकान के कारण कई सही उत्तर भी अनदेखे रह गए। यही कारण है कि प्रभावित छात्रों के लिए मैनुअल री-चेकिंग या पूर्ण समीक्षा की मांग अब सबसे न्यायपूर्ण विकल्प बनकर उभरी है। डिजिटल व्यवस्था की चमक उस समय बिखर गई, जब पोर्टल की खामियां छात्रों के लिए नई परेशानी बन गईं। उत्तर पुस्तिका प्राप्त करने और री-इवैल्यूएशन के लिए छात्रों को घंटों पोर्टल पर जूझना पड़ा, लेकिन बार-बार तकनीकी गड़बड़ियों ने पूरी प्रक्रिया को अव्यवस्थित बना दिया। पेमेंट फेल होने के बावजूद राशि कट जाना, कैप्चा गायब होना और आवेदन 'पेंडिंग' रहना जैसी समस्याओं ने तनाव कई गुना बढ़ा दिया। कई छात्रों को आर्थिक नुकसान झेलने के बाद भी प्रक्रिया अधूरी और अनिश्चित बनी रही। सीबीएसई द्वारा फीस कम करना और डेडलाइन बढ़ाना राहत जरूर है, पर यह केवल अस्थायी उपाय है। असली संकट कमजोर डिजिटल ढांचे का है। तकनीक तभी वरदान बनती है, जब उसकी नींव मजबूत, सुरक्षित और भरोसेमंद हो; अन्यथा वही सुविधा शिक्षा पर अतिरिक्त बोझ बन जाती है। एक तकनीकी गलती छात्रों की प्रतिभा तय नहीं कर सकती, लेकिन उसने सीबीएसई की व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ओएसएम की खामियों ने साफ कर दिया कि चूक प्रणाली की है, छात्रों की मेहनत की नहीं। जेईई मेन जैसी कठिन परीक्षा पास करने वाले विद्यार्थियों की योग्यता किसी पोर्टल त्रुटि से कम नहीं हो जाती। ऐसे समय में छात्रों को अपना आत्मविश्वास और तैयारी बनाए रखनी चाहिए। नए कौशल और वैकल्पिक अवसर आगे की राह मजबूत करेंगे। सफलता केवल अंकों से नहीं, बल्कि संघर्ष और धैर्य से तय होती है। यह संकट छात्रों का नहीं, बल्कि सीबीएसई की डिजिटल व्यवस्था की विफलता का प्रतीक बन गया है। अब जिम्मेदारी सीबीएसई और नीति-निर्माताओं की है। शिक्षा व्यवस्था में भरोसा लौटाना है, तो केवल सफाई नहीं, ठोस सुधार जरूरी हैं। आई-आई-टी जैसे संस्थानों की मदद से ओएसएम प्रणाली को मजबूत बनाया जा सकता है। प्रभावित छात्रों के लिए मैनुअल री-चेकिंग तुरंत शुरू होनी चाहिए। जब डिजिटल मूल्यांकन पर इतने सवाल उठ चुके हैं, तो पूरा परिणाम दोबारा मैनुअल तरीके से क्यों न तैयार कराया जाए।

क्या आम आदमी विकास से बाहर छूट रहा है?

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद नए भारत के निर्माण के जिन आधार स्तंभों की कल्पना की गई थी, उनमें शिक्षा और चिकित्सा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई थी। यह माना गया था कि यदि देश के नागरिक शिक्षित, स्वस्थ और जागरूक होंगे तो लोकतंत्र मजबूत होगा, सामाजिक असमानताएं कम होंगी और राष्ट्र विकास के पथ पर आगे बढ़ेगा। शिक्षा को व्यक्ति निर्माण और चिकित्सा को जीवन रक्षा का माध्यम माना गया था। लेकिन स्वतंत्रता के लगभग आठ दशकों बाद स्थिति चिंताजनक प्रश्न खड़े करती है कि क्या ये दोनों क्षेत्र अपने मूल उद्देश्य से भटककर व्यवसाय और बाजार के अधीन नहीं हो गए हैं? आज शिक्षा और चिकित्सा दोनों क्षेत्रों में जो विसंगतियां दिखाई देती हैं, वे केवल व्यवस्थागत संकट नहीं बल्कि सामाजिक संकट का रूप ले चुकी हैं। एक ओर शिक्षा व्यवस्था परीक्षा, अंकों और प्रतिस्पर्धा की आर्थिक मशीन बन गई है, वहीं दूसरी ओर चिकित्सा सेवा लाभ-हानि के गणित में उलझती दिखाई देती है। इन दोनों क्षेत्रों की बढ़ती व्यावसायिकता ने आम आदमी को सबसे अधिक प्रभावित किया है। शिक्षा का मूल उद्देश्य केवल ज्ञान देना नहीं था। शिक्षा अब डिग्री, नौकरी और प्रतिस्पर्धा तक सीमित होती दिखाई देती है।

शिक्षा व्यवस्था की विफलताओं का सबसे भयावह चेहरा कोटा, सीकर और अन्य कोचिंग एवं शिक्षा केंद्रों में बढ़ती छात्र आत्महत्याओं के रूप में सामने आया है। कोटा, जो कभी देश की शैक्षणिक आकांक्षाओं का केंद्र माना जाता था, अब विद्यार्थियों पर बढ़ते मानसिक दबाव, प्रतिस्पर्धा, अकेलेपन और असफलता के भय के कारण आत्महत्या की घटनाओं से लगातार चर्चा में रहा है। कोटा, सीकर तथा अन्य कोचिंग नगरों में पिछले वर्षों में अनेक विद्यार्थियों द्वारा आत्महत्या किए जाने की घटनाओं ने शिक्षा व्यवस्था की संवेदनहीनता को उजागर किया है। राजस्थान के सीकर में नीट परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र की आत्महत्या की घटना इसी विडंबना का उदाहरण है। परीक्षा रद्द होने से उत्पन्न अनिश्चितता और मानसिक तनाव ने एक संभावनाशील जीवन समाप्त कर दिया। यह घटना अकेली नहीं है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार वर्ष 2024 में 14,488 विद्यार्थियों ने आत्महत्या की। औसतन हर 36 मिनट में एक विद्यार्थी जीवन समाप्त कर रहा है। यह केवल व्यक्तिगत विफलता नहीं बल्कि शिक्षा व्यवस्था की सामूहिक विफलता है।

दूसरी ओर नीट, नेट, प्रतियोगी भर्ती परीक्षाओं तथा अन्य राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में बार-बार पेपर लीक, परीक्षा रद्द होने, परिणामों में विवाद और अनिश्चितता की स्थितियों ने विद्यार्थियों में गहरा असंतोष और अविश्वास पैदा किया है। वर्षों की तैयारी करने वाले छात्र जब परीक्षा प्रणाली को ही अविश्वसनीय पाते हैं तो उनमें निराशा और मानसिक तनाव बढ़ना स्वाभाविक है। आज परीक्षा प्रणाली अविश्वसनीय होती जा रही है। प्रश्नपत्र लीक होना, परीक्षाओं का रद्द होना, मूल्यांकन विवाद, शोध कार्यों में साहित्यिक चोरी, पीएचडी प्रक्रियाओं का औपचारिक बन जाना और कोचिंग संस्कृति का बढ़ना शिक्षा के बाजारीकरण की तस्वीर प्रस्तुत करता है। शिक्षा अब ज्ञान से अधिक निवेश और प्रतिफल का विषय बनती जा रही है। धीरे-धीरे शिक्षा सेवा से व्यवसाय में बदलती गई। बड़े निजी विद्यालय, कोचिंग संस्थान और विश्वविद्यालय आज करोड़ों के उद्योग बन चुके हैं। डॉक्टर और इंजीनियर बनाने के सपनों का ऐसा व्यापार खड़ा हुआ जिसमें अभिभावक आर्थिक रूप से टूटने लगे। आज एक सामान्य परिवार अपने बच्चों की शिक्षा के लिए जीवन भर की बचत खर्च करने को विवश है। विद्यालयों की ऊंची फीस, निजी कोचिंग, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और उच्च शिक्षा की महंगी व्यवस्था ने शिक्षा को आम आदमी की पहुंच से दूर कर दिया है।

इसी प्रकार चिकित्सा क्षेत्र की स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं है। चिकित्सा को कभी सेवा का क्षेत्र माना जाता था, लेकिन आज निजी चिकित्सालयों की बढ़ती संख्या और उनकी व्यावसायिक प्रवृत्ति ने आम नागरिक को संकट में डाल दिया है। इलाज इतना महंगा हो गया है कि अनेक परिवार बीमारी के कारण आर्थिक रूप से टूट जाते हैं। निजी अस्पतालों में उपचार, जांच, आईसीयू, दवाओं का खर्च और नकली दवाओं में जीवन समाप्त होने की घटनाएं लगातार बढ़ी है। अनेक मामलों में अनावश्यक परीक्षण, अत्यधिक शुल्क और व्यावसायिक दृष्टिकोण की शिकायतें सामने आती रहती हैं। चिकित्सा सेवा का उद्देश्य रोगी को राहत देना था, लेकिन कई स्थानों पर वह लाभ कमाने की प्रणाली में बदलती दिखाई देती है। जगह-जगह खुले निजी अस्पताल और शिक्षण संस्थान एक प्रकार की प्रतिस्पर्धा में उतर आए हैं। लेकिन यह प्रतिस्पर्धा गुणवत्ता की अपेक्षा लाभ कमाने की अधिक दिखाई देती है। परिणाम यह हुआ कि शिक्षा और चिकित्सा दोनों ही सामान्य नागरिक की आर्थिक क्षमता से बाहर जाने लगी हैं। इन परिस्थितियों का एक सामाजिक दुष्परिणाम भी सामने आया है। आर्थिक दबाव, भविष्य की अनिश्चितता, शिक्षा का तनाव, महंगी चिकित्सा और रोजगार संकट के कारण अवसाद, मानसिक तनाव और आत्महत्या की घटनाएं बढ़ रही हैं। युवा पीढ़ी उपलब्धियों के दबाव में टूट रही है, जबकि परिवार आर्थिक बोझ से जूझ रहे हैं।

शिक्षा मंत्रालय को अधिक सशक्त, उत्तरदायी और कठोर भूमिका निभाते हुए परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह पारदर्शी, तकनीक आधारित और सुरक्षित बनाना होगा। इसी प्रकार चिकित्सा क्षेत्र में देशभर में स्थापित हुए नए एम्स संस्थानों एवं उच्च चिकित्सा केंद्रों का लाभ वास्तव में आम नागरिक तक सरल, सस्ती और सुलभ व्यवस्था के रूप में पहुंचे, यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है। आज आवश्यकता केवल बड़े अस्पताल बनाने की नहीं, बल्कि उन्हें सर्वसुविधायुक्त, विशेषज्ञ सेवाओं से युक्त तथा दूरदराज और पिछड़े क्षेत्रों तक विस्तारित करने की है, ताकि महानगरों पर निर्भरता कम हो और ग्रामीण तथा वंचित वर्ग भी उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधाओं का लाभ सहजता से प्राप्त कर सकें। नई शिक्षा नीति के माध्यम से शिक्षा को अधिक व्यावहारिक, कौशल आधारित और बहुआयामी बनाने का प्रयास हुआ है। देश में नए आईआईटी, आईआईएम, केंद्रीय विश्वविद्यालय, एम्स और चिकित्सा संस्थानों की स्थापना की गई। उच्च शिक्षा और उच्च चिकित्सा के नए केंद्र विकसित हुए हैं। मेडिकल कॉलेजों की संख्या में वृद्धि हुई और स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के प्रयास किए गए।

यह कहना भी उचित नहीं होगा कि पूरा परिदृश्य केवल निराशाजनक है। पिछले वर्षों में शिक्षा और चिकित्सा क्षेत्र में कुछ सकारात्मक प्रयास भी हुए हैं। विशेष रूप से जब से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार आई, तब इन क्षेत्रों की संरचनात्मक कमियों की ओर अपेक्षाकृत गंभीर ध्यान दिया गया। चिकित्सा क्षेत्र में आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं ने गरीब वर्ग को राहत देने का प्रयास किया है। जिला स्तर तक चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार की दिशा में भी पहल हुई है। शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल शिक्षा, कौशल विकास और स्थानीय भाषाओं में अध्ययन पर बल दिया गया। लेकिन भारत जैसी विशाल जनसंख्या वाले देश में ये प्रयास अभी पर्याप्त नहीं कहे जा सकते। जिस गति से जनसंख्या बढ़ी है, उस अनुपात में सरकारी शिक्षा और चिकित्सा संस्थानों का विस्तार नहीं हो पाया। यही कारण है कि निजी क्षेत्र ने उस खाली स्थान को भर दिया और धीरे-धीरे प्रमुख भूमिका में आ गया। अब आवश्यकता केवल नए संस्थान खोलने की नहीं बल्कि सरकारी शिक्षा और चिकित्सा को अधिक प्रभावी, सुलभ और उद्देश्यपूर्ण बनाने की है। सरकारी विद्यालयों और अस्पतालों की गुणवत्ता बढ़ानी होगी। उनमें आधुनिक संसाधन, प्रशिक्षित मानवबल और जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी। निजी शिक्षा और चिकित्सा संस्थानों पर प्रभावी नियंत्रण भी आवश्यक है। शिक्षा और चिकित्सा को पूर्णतः बाजार की शक्तियों पर नहीं छोड़ा जा सकता, क्योंकि ये केवल आर्थिक गतिविधियां नहीं बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व हैं। शिक्षा नीति को समाज और जीवन से जोड़ना होगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षा और चिकित्सा को पुनः सेवा और राष्ट्र निर्माण के मूल उद्देश्य से जोड़ा जाए। यदि ये दोनों क्षेत्र केवल व्यापार बन गए तो सामाजिक असमानता और बढ़ेगी, प्रतिभाएं टूटेंगी और आम आदमी विकास की मुख्यधारा से बाहर होता जाएगा। भारत के भविष्य की दिशा इस बात से तय होगी कि शिक्षा और चिकित्सा कितनी सुलभ, समान और मानवीय बनती हैं। सरकार, समाज, नीति निर्माताओं और निजी क्षेत्र को मिलकर ऐसी व्यवस्था विकसित करनी होगी जिसमें कोई बच्चा आर्थिक कारणों से शिक्षा से वंचित न हो और कोई नागरिक उपचार के अभाव में पीड़ित न रहे। यही स्वतंत्र भारत की मूल भावना थी और यही भविष्य का मार्ग भी होना चाहिए।

-ललित गर्ग

भारत की उपभोक्ता अर्थव्यवस्था पर संकट के बादल, संपत्ति में गिरावट की आशंका

प्रधानमंत्री ने हाल ही में नागरिकों से ईंधन, खाद्य तेल की खपत और विदेश यात्रा कम करने का आह्वान किया है। इसके साथ ही भारतीय अर्थव्यवस्था पर पश्चिम एशिया संकट के असर के बारे में बहस छिड़ गई है। चार साल तक पेट्रोल-डीजल की कीमतें जस की तस रखने वाली सरकारी तेल कंपनियों ने भी आखिरकार पिछले पखवाड़े में दाम बढ़ाना शुरू कर ही दिया। ऐसे में कई महीनों से 4 फीसदी के नीचे चल रही मुद्रास्फीति में भी इजाफा होने की संभावना है।

बढ़ती कीमतों के कारण आम परिवारों का बजट बिगड़ रहा है और मंद पड़ी अर्थव्यवस्था में कमाई धीरे बढ़ने के कारण उपभोक्ता खर्च बढ़ने की भी मांग में कमी के लिए कमर कस रहा है और कुछ क्षेत्रों में तो मांग एकदम बैठ जाने की आशंका है। व्यवसाय अपने खर्चों, आपूर्ति श्रृंखलाओं, बिक्री और मांग पूर्वानुमानों पर दोबारा विचार कर रहे हैं और नए सिरे से बनी कुछ नीतियां बाजार में पहले ही नजर आने लगी हैं, जैसे कीमतों में वृद्धि, उत्पाद और पैकेजिंग में बदलाव, डिलिवरी और नए उत्पाद लाने में देर।

आवश्यक वस्तुओं की कीमतें पहले ही 2 प्रतिशत से 7 प्रतिशत तक बढ़ चुकी हैं। यह भी तब है, जब तेल कंपनियों को पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस को बाजार मूल्य से कम पर बेचने के कारण हो रहे घाटे की एक तिहाई भरपाई ही हालिया मूल्य वृद्धि से हो पा रही है। तेल विपणन कंपनियों को बिक्री पर हर महीने 30,000 करोड़ रुपये का घाटा हो रहा है और अगर उसका आधा बोझ भी उपभोक्ताओं पर डाला जाए तो घरों के बजट पर सालाना 1.75 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की चोट पड़ेगी। कच्चा तेल जितना महंगा होता है, अमेरिका में पेट्रोल पंप पर दाम उतने ही बढ़ा दिए जाते हैं। वहां उपभोक्ताओं ने पेट्रोल-डीजल पर पिछले साल जितनी रकम खर्च की थी, इस साल 28 फरवरी से अभी तक उससे 45 अरब डॉलर (लगभग 4.25 लाख करोड़ रुपये) ज्यादा खर्च कर दिए हैं और इसकी वजह अमेरिका-ईरान युद्ध है। हमने ईंधन महंगा होने पर दूसरे और तीसरे स्तर के प्रभावों की गिनती तो अभी तक शुरू भी नहीं की है, जिसकी वजह से जल्द ही हर तरफ महंगाई बढ़ सकती है।

हालांकि इस बात पर मतभेद है कि पश्चिम एशिया संकट से मांग में कितनी गंभीर मंदी हो सकती है मगर अक्सर नजरअंदाज कर दी जाने वाली एक बात पर इस बार नजर रखनी चाहिए और वह है शेयर बाजार की संपत्ति पर इसका असर। देश में 24 करोड़ से अधिक डीमैट/ट्रेडिंग खाते हैं और हर महीने लगभग 30 लाख नए खाते जुड़ रहे हैं।

-डॉ. सुधाकर आशावादी

बौद्धिक, आर्थिक प्रगति को छिन्न-भिन्न करती रूढ़िवादिता और अंधविश्वास

धार्मिक रूढ़िवादिता,कट्टरपंथी धर्मांधता हमारी प्रगति के बड़े बाधकों में से एक है। यह हमारी राहों के कंटक और रोड़े साबित हुए हैं। उनसे हमें हर हाल में छुटकारा पाना होगा। बुनियादी शिक्षा के प्रचार प्रसार से इसके अवरोधों को जनमानस के माध्यम से दूर किया जाना चाहिए (जो विषय वस्तु आजाद विचारों मान्यताओं को बर्दाश्त नहीं करती उन्हें समाप्त हो जाना चाहिए, ऐसी अन्य और मानवीय कमजोरियां हैं, जिन पर हमें विजय प्राप्त करनी है। इस कार्य के लिए सभी समुदायों के क्रांतिकारी उत्साही नौजवानों की आवश्यकता है। यह बात स्वतंत्रता संग्राम सेनानी शहीद भगत सिंह ने अपने संगठन नौजवान भारत सभा के लाहौर में प्रकाशित घोषणा पत्र में लिखी थी। शहीद भगत सिंह ने अपने जीवन का बलिदान कर भारत को आजादी दिलाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी थी, पर आजादी के बाद भी भारत का जनमानस उन्हीं अंधविश्वास धर्मांधता तथा रूढ़िवाद पर फंसा हुआ है।और अभी भी इस युग में अंधविश्वास का बोलबाला दिखाई देता है। बिल्ली रास्ता काट दे तो यह समझना कि राह में दुर्घटना होने की संभावना हो सकती है। घर से निकलते समय कोई छींक दे तो यह समझना कि होने वाला काम बिगड़ जाएगा,और घर में कौवे के बोलने से यह अर्थ निकाला जाए कि घर में मेहमान आने वाले हैं। छोटी चिड़िया यदि मिट्टी की धूल से खेल रही हो तो यह समझा जाए की घनघोर बारिश होने वाली है, आदि इत्यादि ऐसी कई धारणाएं हैं, जिनका कोई वैज्ञानिक तथा सामाजिक प्रमाण, तर्क या आधार मौजूद नहीं है। फिर भी बड़ी संख्या में लोग इन बातों पर विश्वास करके अपनी नियति तय करने में जुट जाते हैं, अपने विवेक का प्रयोग किए बिना ही इन बातों पर विश्वास कर लेना ही अंधविश्वास माना जाता है।

कुछ लोग तेरा के अंक को अशुभ मानते हैं, तो कई देश किस अंक को शुभ भी मानते हैं। मृत्यु के बाद भी अनेक तरह के अंधविश्वास जी एवं आडंबर संयुक्त कर्मकांड किए जाते हैं। एवं इन कर्मकांड को नहीं किए जाने पर मनुष्य की आत्मा भूत बनकर इर्द गिर्द मंडराती है। और इस तरह के भूत मनुष्य जाति को नुकसान भी पहुंचा सकते हैं, ऐसी मान्यताएं अंधविश्वास के साक्षात प्रमाण हैं। अधिकतर भारतीय ग्रामीण अभी भी यह मानते हैं कि पृथ्वी शेषनाग पर टिकी हुई है और भूकंप आने पर वह इस बात का दावा करते हैं कि शेषनाग नाराजगी करण पृथ्वी हिलने लगी है,और भी पूजा पाठ करने में लग जाते हैं।चंद्र ग्रहण तथा सूर्य ग्रहण के समय भी ग्रामीण क्षेत्र में लोगों द्वारा ऐसे ही कयास लगाए जाते हैं, और फिर ग्रहों की पूजा की जाती है। पूजा करना बहुत अच्छी बात है,ईश्वर में आस्था होनी चाहिए यह एक तरह की एकाग्रता तथा अदृश्य शक्ति के प्रति आप का समर्पण भाव दिखाती है। ईश्वर से लगाओ तथा ईश्वरीय शक्ति के आगे समर्पण एक स्तुत्य के कार्य है। पर इसके पीछे अंधविश्वास को पुष्पित पल्लवित करना खतरनाक भी हो सकता है। इसके अतिरिक्त ग्रह के चक्कर को दूर करने के लिए किसी विशेष जाति अथवा पत्थर की अंगूठी पहनना विशेष मंत्र वाला ताबीज पहनना जादू टोना तथा टोटका करवाना आदि अंधविश्वास के बड़े उदाहरण हैं ।

और इन सब अंधविश्वास के चक्कर में अनेक लोग धोखाधड़ी तथा शोषण के शिकार होते देखे गए हैं।

अंधविश्वास धर्मांधता एक सामाजिक बुराई की तरह दिखाई देती है, जो निश्चित तौर पर देश के विकास के लिए बड़ी बाधा बन जाती है। संत कबीर दास ने बड़ी बेबाकी से इस अंधविश्वास पर अपनी कविता के माध्यम से गहरा कटाक्ष किया है, अहिरन की चोरी करै, करै सुई का दान, ऊंचा चढ़ी के देखता,केतिक दूर विमान।

दोहे का अर्थ है, मानव कुमार्ग के पथ पर चलकर कमाए गए अनैतिक धन का बहुत छोटा सा भाग दान कर आकाश की ओर देखता है कि उसको स्वर्ग ले जाने वाला विमान कितनी दूर है। अज्ञानी मानव का यह सोचना एक बड़े अंधविश्वास को दर्शाता है। किसी भी गरीब स्त्री की जमीन जायदाद को हड़पने के लिए जमींदारों या मुखिया द्वारा गांव में उसे डायन घोषित कर देना या ईश्वर को खुश करने के लिए मनुष्य की नरबलि दे देना या पशुओं की बलि देना एक बड़ा अंधविश्वास माना जाता है। इन सब अंधविश्वास से समाज में विसंगति फैलती है एवं जो साक्षरता तथा मानवता के लिए बड़े खतरे और विकास के लिए अवरोध पैदा करने के तथ्य हैं। इनके विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई कर इनको सजा देकर समाज में अंधविश्वास के खिलाफ सरकार को एक स्वस्थ संदेश देने की आवश्यकता है। समाचार पत्र, टीवी चैनल, इंटरनेट इन सब में राशिफल, वास्तु शास्त्र हाथ में पहनने वाले पत्थरों के बारे में जोर शोर से प्रचार प्रसार किया जाता है, जबकि इन पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए, क्योंकि इनके चलते बड़े-बड़े जालसाज तथा ठग लोगों से पैसा तथा सोने चांदी की ठगी करने से नहीं चूकते। यह अंधविश्वास यद्यपि सिर्फ भारत में ही नहीं है बल्कि ब्रिटेन ऑस्ट्रेलिया कनाडा अमेरिका तथा साउथ अफ्रीका में भी इसी बड़े पैमाने पर व्याप्त है। यदि अशिक्षित मनुष्य अंधविश्वासों को मानता है तो यह बात समझ में आती है कि वह वास्तविकता से अशिक्षा के कारण अनभिज्ञ है, एवं इनके परिणामों के बारे में नहीं जानता है। किंतु यह विडंबना तथा अफसोस की बात है कि इस वैज्ञानिक युग में उच्च शिक्षित लोग अनेक प्रकार के अंधविश्वासों से घिरे हुए हैं। शिक्षा अज्ञानता के अंधकार को मिटाकर विवेकपूर्ण सोचने की शक्ति प्रदान करती है, इसके बाद ही मनुष्य विज्ञान तथा तर्क के आधार पर इसको परख कर किसी बात को मान्यता देता है। अतः अंधविश्वास धर्मांधता के खिलाफ शिक्षा जगत तथा शैक्षणिक पाठ्यक्रमों में इस विषय को शामिल कर अशिक्षित तथा शिक्षित दोनों को अंधविश्वास के प्रति सचेत कर इसके दुष्परिणामों के बारे में अच्छे से समझा देना चाहिए तभी अंधविश्वास समाज से दूर हो पाएगा।

-संजीव ठाकुर

आत्मिक अनुशासन को पाने का सहज, सरल मार्ग – सहजयोग

आज का युग तीव्र भागदौड़, मानसिक तनाव और अस्थिरता का दौर है। ऐसे समय में संपूर्ण विश्व आध्यात्मिक ध्यान योग की ओर अग्रसर हो रहा है। परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी द्वारा विकसित सहजयोग ध्यान पद्धति को विश्वभर में मान्यता प्राप्त हो चुकी है। विदेशों में हुए अनेक शोधों ने भी यह सिद्ध किया है कि सहजयोग मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी है।

परम पूज्य श्री माताजी का संदेश अत्यंत सरल और गहन है – मनुष्य को स्वयं पर दया करनी चाहिए और अपनी आत्मा को प्रकाशित करने का संकल्प लेना चाहिए।सहजयोग हमें यह अनुभव कराता है कि मनुष्य केवल शरीर नहीं, बल्कि शुद्ध आत्मा है।

जब साधक श्रद्धा और सहजता से श्री माताजी की प्रतिमा के समक्ष बैठकर पूछता है

हे माँ, क्या मैं आत्मा हूँ?, हे माँ, क्या मैं स्वयं का गुरु हूँ?

तो भीतर प्रवाहित होने वाली चैतन्य लहरियाँ स्वयं उत्तर देने लगती हैं। यह अनुभव शब्दों से परे, पूर्णतः आत्मिक होता है।

इस आत्मिक संवाद से पूर्व मनुष्य को आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करना होता है, जो सहजयोग में अत्यंत सरल और स्वाभाविक प्रक्रिया है। आत्मसाक्षात्कार से पूर्व गुरु माँ होती हैं, किंतु आत्मसाक्षात्कार के पश्चात साधक स्वयं अपना गुरु बन जाता है। यही वह अवस्था है जहाँ मनुष्य स्वयं को पहचानना प्रारंभ करता है। अपने भीतर स्थित आत्मा का बोध और स्वयं के गुरु होने का अनुभव जीवन का सर्वोच्च ज्ञान है।

सहजयोग एक मौन ध्यान साधना है, जिसमें धीरे-धीरे विचारों का प्रवाह शांत होने लगता है। अनावश्यक चिंताएँ और मानसिक अशांति सहज रूप से पंचतत्व में विलीन होने लगती हैं। साधक विचारशून्यता की अवस्था में प्रवेश करता है – जहाँ विचार रुक जाते हैं, परंतु जागरूकता पूर्णतः बनी रहती है। इसी अवस्था में मनुष्य भीतर से सुख, शांति और दिव्य ऊर्जा का अनुभव करता है।

यह आध्यात्मिक स्थिति न केवल मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाती है, बल्कि जीवन में उत्साह, संतुलन और सकारात्मकता का संचार भी करती है। अपनी आत्मा को पहचानकर ईश्वरीय अनुकंपा का अधिकारी बनना प्रत्येक मनुष्य के लिए अत्यंत रोमांचकारी और कल्याणकारी अनुभव है। आइए, हम सभी निःशुल्क आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करें – जो पूर्णतः निशुल्क, सरल और सदैव उपलब्ध है।

भारत की नीतिनिर्माण प्रक्रिया को सिर्फ अनुमान नहीं, रणनीतिक परिदृश्यों पर देना होगा जोर

दुनिया में 1990 के दशक से आर्थिक प्रणाली राजनीतिक दांव-पेंच से मुक्त व्यापार और वित्तीय संबंधों पर आधारित थी। इसने चीन में आर्थिक रफ्तार को तेज गति दी और भारत को भी इसका काफी फायदा मिला। विनिर्माण और व्यापार में चीन के असाधारण दबदबे और कुछ हद तक भारत के उभार से जो खुलापन आया, उसे लेकर कुछ चिंताएं भी हुईं। मगर अमेरिका में डॉनल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद अब बड़ा बदलाव हुआ है।

विकसित और उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं के बीच बढ़ते संबंधों के साथ काफी हद तक राजनीति से मुक्त वैश्वीकरण का युग अब ऐसी प्रणाली का गवाह बन गया है जहां देशों के बीच संबंधों (व्यापार, प्रौद्योगिकी और वाणिज्यिक वित्त क्षेत्रों तक में) के तार सुरक्षा और सामरिक विचारों से जुड़ चुके हैं। इससे एक हद तक राष्ट्रवाद और कि व्यापारवाद को बढ़ावा मिल रहा है और ऐसा खास तौर पर अमेरिका द्वारा किया जा रहा है, जो वैश्विक व्यापार, आपूर्ति श्रृंखलाओं और वित्त तक पर राजनीतिक प्रतिबंध लगा रहा है।

इस बदलाव को कई मायनों में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने इस साल स्विटजरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच के सम्मेलन में बखूबी उजागर किया था। उन्होंने कहा था, 'महाशक्तियों ने आर्थिक एकीकरण को हथियार, शुल्कों को अपना दबदबा जमाने, वित्तीय ढांचे को उत्पीड़न और आपूर्ति श्रृंखलाओं की जोखिम को शोषण के लिए इस्तेमाल के लिए इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है।' मुझे लगता है कि महाशक्तियों से कार्नी का मतलब मुख्य रूप से ट्रंप और अमेरिका से था।

ऐसी जटिल दुनिया में विभिन्न सरकारों या वैश्विक वित्तीय या विनिर्माण कंपनियों के व्यवहार का पहले से अनुमान लगाना कठिन है। लिहाजा ऐसी नीतियां बनाना भी उचित नहीं है, जो इस अनुमान पर आधारित होती हैं कि आज जैसी वैश्विक उथल-पुथल आगे भी जारी रहेगी। वास्तव में हमें ऐसे विश्लेषण की आवश्यकता है, जो विभिन्न संभावनाओं का संकेत दे मसलन क्या संबंधों की मौजूदा स्वरूप चलता रहेगा, क्या नए स्वरूप सामने आएंगे या क्या अमेरिका या अन्य महाशक्तियों की ताकत की नुमाइश में कोई बदलाव आएगा।

हमारी नीति वैश्विक अर्थव्यवस्था के किसी पूर्वानुमान पर आधारित नहीं होनी चाहिए बल्कि ऐसी नीति होनी चाहिए, जो परिस्थितियां बदलने पर फौरन बदली जा सके। भारत जैसे बड़े देश में सरकार वैश्विक संभावनाओं को सीधे प्रभावित करने में अपनी भूमिका पर भी विचार कर सकती है।

भविष्यवाणियों या अनुमानों के बजाय आगे की परिस्थितियों पर जोर अमेरिका द्वारा बढ़ते अलगाववाद और एकतरफा शक्ति प्रदर्शन से भी सही साबित हुआ है। प्रसिद्ध किताब 'ट्रस्ट- द सोशल वर्च्यूज ऐंड द क्रिएशन ऑफ प्रॉस्पैरिटी' लिखने वाले फ्रांसिस फुकुयामा अब कहते हैं, 'अगर मुझे ट्रस्ट आज फिर से लिखनी होती तो मैं अमेरिका को ज्यादा भरोसे वाला समाज नहीं बताता।'

असल में फुकुयामा कह रहे हैं कि वैश्विक संबंधों की हमारी नीति भरोसे पर नहीं बल्कि प्रमुख वैश्विक साझेदारों की संभावित क्रियाओं और प्रतिक्रियाओं के आकलन पर आधारित होनी चाहिए। चूंकि इन घटनाओं का सटीक अनुमान नहीं लगाया जा सकता इसलिए अलग-अलग परिस्थितियों की कल्पना करना होगी और ऐसी नीतियां बनानी होंगी, जो परिस्थितियों के हिसाब से बदली जा सकती हैं।

संभावित परिस्थितियों या तस्वीरों पर यह ध्यान महाशक्तियों के साथ हमारे संबंधों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। व्यापार और वित्त के मुद्दों पर विचार करते हैं। भारत के तीन प्रमुख साझेदार अमेरिका, यूरोप और चीन हैं। उनके साथ 2024-25 में हमारा व्यापारिक संबंध लगभग 380 अरब डॉलर का था, जो हमारे वैश्विक व्यापार का लगभग एक तिहाई है। अगर शुद्ध सेवा व्यापार, धन प्रेषण और निवेश भुगतान में अमेरिका और यूरोप की कुल हिस्सेदारी जोड़ दी जाए तो अनुपात और भी ज्यादा होगी।

सबसे पहले हमें वह उदाहरण लेना चाहिए, जो शायद सबसे ज्यादा प्रासंगिक है ट्रंप अमेरिका के साथ व्यापार और वित्त के संबंध। वर्ष 2029 के बाद अमेरिकी वैश्विक नीति की दो वैकल्पिक तस्वीरें इस बात पर निर्भर करती हैं कि अमेरिका में राष्ट्रपति कौन चुना जाता है ट्रंप की नीतियों का समर्थक या विरोधी। वास्तव में हमें थोड़ा और आगे बढ़कर यह सोचना होगा कि व्यापार और बहुपक्षवाद पर जो अलगाववादी तथा आक्रामक नीतियां अमेरिकी नीति की बुनियाद हैं, क्या वहां के नागरिकों की राय भी उन्हीं के पक्ष में बन रही है। ऐसी नीति तैयार की जाए, जो अमेरिकी सरकार के वर्तमान रुख से निपट सके मगर इतनी लचीली हो कि अगर वहां कम अलगाववादी, व्यापार नीतियों से राजनीति कम करने की इच्छुक और अपनी विनिर्माण तथा वित्तीय कंपनियों की दुनिया भर में चल रही गतिविधियों में ज्यादा दखल की मंशा नहीं रखने वाली नई सरकार आती है तो उसका फायदा उठाया जा सके।

दूसरी महाशक्ति चीन के लिए इसी तरह की परिस्थितियों पर आधारित नीति बनाना और भी जरूरी है। क्या चीन दुर्लभ धातुओं जैसी महत्वपूर्ण वस्तुओं के व्यापार पर बंदिशें जारी रखेगा या अमेरिका के साथ रिश्तों में तनाव की वजह से वह दूसरे देशों को बंदिशों से ढील देगा? उसकी वैश्विक व्यापार नीति पर राजनीतिक नियंत्रण बना रहेगा या उसकी निजी कंपनियों की दुनिया भर में बढ़ती पैठ से यह नियंत्रण कमजोर हो जाएगा? क्या चीन हमारे लिए निर्यात का महत्वपूर्ण ठिकाना बन सकता है? क्या हमें चीन से पूंजी की आवक पर बंदिशें कम करनी चाहिए? ऐसे ही कई अन्य प्रश्न हैं, जिनका हल जरूरी है और ऐसी नीति तैयार करना आवश्यक है, जो चीन में होने वाले बदलावों के हिसाब से ढल सके।

यूरोप के साथ रिश्तों में परिस्थितियों की कल्पना करना जरूरी है क्योंकि नए मुक्त व्यापार समझौतों के जरिये यूरोप तथा यूनाइटेड किंगडम के साथ बेहतर व्यापार संबंधों पर हमारी निर्भरता बहुत ज्यादा है। यूरोपीय देशों के अमेरिका से दूर जाने के संकेत भी मिल रहे हैं। अमेरिका ने हाल ही में जब जी-7 शिखर सम्मेलन में कनाडा को प्रवेश देने से इनकार कर दिया तो चारों यूरोपीय देशों और जापान ने शिखर सम्मेलन का बहिष्कार कर दिया।

फिलहाल जी-7 की अध्यक्षता कर रहे फ्रांस ने औपचारिक रूप से 'अमेरिका रहित जी7' के स्थायी ढांचे की बात तो नहीं की है मगर वहां के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने वैश्विक आर्थिक असंतुलन दूर करने और लोकतांत्रिक देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए 2026 के जी-7 शिखर सम्मेलन में भारत, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील और केन्या को बुलाने का फैसला किया है। इस समय सबसे कारगर संभावना यह बन रही है कि यूरोप व्यापार और वित्त के कई क्षेत्रों में अमेरिका की जगह ले सकता है। मगर रूस के साथ यूरोप के संबंध और खराब हुए या यूरोप एक बार फिर अमेरिका के करीब चला गया तो जो परिस्थितियां बनेंगी, हमारी नीतियों को उन पर भी विचार करना चाहिए। मैंने अपना ध्यान मुख्य रूप से व्यापार, वित्त और प्रौद्योगिकी की उपलब्धता जैसे मुद्दों पर रखा है। मगर राजनीतिक और रक्षा संबंधों के लिए भी ऐसी तस्वीरें खींचना ज्यादा जरूरी है।

-धनंजय राजौरा

1 जून को इंडेक्स और अमलतास समूह रचेंगे इतिहास, 30 हजार लोगों के सामूहिक योग से बनेगा विश्व रिकॉर्ड

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर आयुष मंत्रालय द्वारा 'योग महोत्सव' एवं काउंटडाउन कार्यक्रमों की श्रृंखला का हिस्सा

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) 2026 के उपलक्ष्य में मालवांचल, अमलतास यूनिवर्सिटी तथा इंडेक्स एवं अमलतास समूह संस्थानों द्वारा 1 जून 2026 को सुबह 9 बजे योग कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इंडेक्स कैम्पस नेमावर रोड़ में होने वाले आयोजन में समूह संस्थानों के विद्यार्थियों, इंदौर शहर के साथ ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों, विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं आमजन की बड़ी भागीदारी रहेगी।

कार्यक्रम में 30 हजार से अधिक प्रतिभागियों के शामिल होने की संभावना है, जिसके माध्यम से विश्व रिकॉर्ड बनाने का लक्ष्य रखा गया है। यह आयोजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर आयुष मंत्रालय द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों के अंतर्गत देशभर में आयोजित किए जा रहे 'योग महोत्सव' एवं काउंटडाउन कार्यक्रमों की श्रृंखला का हिस्सा है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य योग को जन-आंदोलन का स्वरूप देना तथा नागरिकों को स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना है। कार्यक्रम प्रधानमंत्री के योग गुरु एवं एस-व्यासा यूनिवर्सिटी बेंगलुरु के कुलाधिपति पद्मश्री डॉ. एच.आर. नागेंद्र के की उपस्थिति और मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है। योग विशेषज्ञों की उपस्थिति में सामूहिक योगाभ्यास, प्राणायाम एवं ध्यान सत्र आयोजित होंगे। साथ ही प्रतिभागियों को योग के शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक लाभों की जानकारी भी दी जाएगी। इस योग कार्यक्रम के लिए सभी संस्थानों में योग प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में वर्ष 2015 से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन विश्व स्तर पर निरंतर विस्तार प्राप्त कर रहा है। आज यह दिवस 190 से अधिक देशों में मनाया जा रहा है और लाखों लोग योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बना रहे हैं।

व्यापारी ने रंगे हाथों पकड़ा गोदाम से सामान चुराते बदमाश को, पिटाई कर किया पुलिस के हवाले

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। स्थानीय ओसवाल सेरी क्षेत्र में सोमवार दोपहर एक व्यापारी ने अपने गोदाम में चोरी की नीयत से घुसे युवक को पकड़ लिया। आरोपी गोदाम का पिछला दरवाजा तोड़कर अंदर घुसा और कृषि उपकरण चोरी कर भागने की फिराक में था। व्यापारी ने उसकी पिटाई कर पुलिस के हवाले कर दिया गया। व्यापारी संजय कुमार जैन (62) ने बताया कि उनकी बड़ा चौक क्षेत्र में मोटर पंप और कृषि उपकरणों की दुकान है। सोमवार दोपहर करीब 1.30 बजे जब वे दुकान के पीछे स्थित अपने घर खाना खाने पहुंचे तो उन्हें गोदाम से कुछ आवाज सुनाई दीं। उन्होंने तत्काल मौके पर जाकर देखा तो एक युवक सामान बटोर रहा था जिसे उन्होंने शोर मचाते हुए पकड़ लिया। पकड़े गए आरोपी की पहचान नितिन जाटव उर्फ बीडी पिता अजय जाटव निवासी महूपुरा के रूप में हुई है। आरोपी ने पूछताछ में स्वीकार किया कि उसने गोदाम के पीछे वाले गेट को मोड़ा और भीतर प्रवेश किया और पकड़ा गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कोतवाली थाने में मामला दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया है। तलाशी के दौरान आरोपी के पास मौजूद प्लास्टिक की थैली से करीब 8 हजार रुपए का सामान मिला है। पुलिस अब आरोपी के पुराने आपराधिक रिकार्ड की जांच कर रही है।

विष्णु गवली बने शक्ति केंद्र संयोजक

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। भाजपा नगर अध्यक्ष पं. आशीष नागर ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, विधायक अरूण भीमावद व भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. रवि पांडे की सहमति से शक्ति केंद्र संयोजकों की नियुक्ति की है। जिसमें शक्ति केंद्र क्रमांक 17, 18, 19 व 24 के संयोजक के रूप में विष्णु गवली को नियुक्त किया है। श्री गवली के संयोजक नियुक्त होने पर उनके समर्थकों व पार्टी कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए वरिष्ठों का आभार व्यक्त किया है।

हाईवे पर दो अलग-अलग हादसों में 6 घायल

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर से गुजर रहे नेशनल हाईवे 52 पर मंगलवार देर रात दो सड़क हादसे हो गए। इनमें 6 लोग घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गनीमत रही कि सभी घायलों को मामूली चोंट आई है।

पहला हादसा रात करीब 9 बजे मझनिया जोड़ के पास हुआ। यहां रांग साइड से आ रही एक कार ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक चालक रोहित चंद्रवंशी घायल हो गया। बताया जाता है कि रोहित सुनेरा गांव से आगर जिले के अमलहता गांव में एक मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। घटना की सूचना मिलने पर डायल-112 के पायलट और आरक्षक बृजमोहन यादव मौके पर पहुंचे और घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद कार चालक अपना वाहन कुछ दूरी पर छोड़कर मौके से फरार हो गया। सुनेरा पुलिस ने कार को जब्त कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। दूसरा हादसा रात करीब 10 बजे कनसिया नाके के आगे होटल रतनलोक के पास हुआ। इस घटना में दो ट्रकों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई, जिससे भूसे से भरा एक ट्रक पलट गया। हादसे में ट्रक चालक सुनील, क्लीनर अर्जुन, दूसरे ट्रक चालक फरहान और हेल्पर अरशान और फुरकान घायल हो गए। सूचना मिलने पर मक्सी थाने की डायल-112 के पायलट अनिल परमार और आरक्षक राहुल मालवीय मौके पर पहुंची और सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया। बताया गया है कि सभी घायलों को मामूली चोटें आई हैं।

ध्रुव, प्रह्लाद एवं जड़भरत के चरित्र सुन श्रद्धालु हुए भावविभोर

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। औदुंबर ब्राह्मण वरिष्ठ नागरिक मंच के तत्वावधान में महाराष्ट्र समाज, देवास में आयोजित संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के तृतीय दिवस पर ध्रुव, प्रह्लाद एवं जड़भरत के प्रेरणादायी चरित्रों का भावपूर्ण वर्णन किया गया। कथा श्रवण कर श्रद्धालु भक्ति एवं आध्यात्मिक भावनाओं से सराबोर हो गए। वरिष्ठ नागरिक मंच के अध्यक्ष महेंद्र उपाध्याय ने बताया कि तृतीय दिवस पर प्रातःकाल मुख्य यजमान महेंद्र दुबे, संजय उपाध्याय, अनिल चौधरी, राजेंद्र शर्मा एवं भारत दुबे ने सपत्निक वैदिक पूजन संपन्न किया। वैदिक अनुष्ठान वैदिक आचार्य पं. मनीष पाठक नगरपुरोहित, आष्टा के निर्देशन में विप्रजनों द्वारा संपन्न कराया गया। दोपहर में कथाव्यास नगरपुरोहित पं. डॉ. दीपेश पाठक (आष्टा) ने श्रद्धालुओं को ध्रुव, प्रह्लाद एवं जड़भरत के चरित्रों का विस्तार से वर्णन करते हुए कहा कि ईश्वर के प्रति अटल विश्वास ही सच्ची भक्ति का आधार है। उन्होंने बताया कि भक्त ध्रुव और भक्त प्रह्लाद दोनों ही भगवान विष्णु के अनन्य भक्त थे, जिन्होंने जीवन की कठिन परिस्थितियों में भी प्रभु पर अपना विश्वास नहीं डगमगाने दिया। सत्य, श्रद्धा और भक्ति की प्रतिमूर्ति के रूप में उनके जीवन से प्रत्येक व्यक्ति को प्रेरणा लेनी चाहिए। पं. डॉ. दीपेश पाठक ने कहा कि जो व्यक्ति प्रभु पर अटूट विश्वास रखकर भक्ति करता है, उसे ईश्वर की कृपा अवश्य प्राप्त होती है। भक्त प्रह्लाद की रक्षा के लिए भगवान ने नृसिंह अवतार धारण कर हिरण्यकश्यप का संहार किया और अपने भक्त की रक्षा की। यह प्रसंग इस बात का प्रतीक है कि भगवान अपने सच्चे भक्तों का हर संकट में संरक्षण करते हैं। कथा के दौरान पं. पाठक ने जड़भरत के आख्यान का भी उल्लेख करते हुए कहा कि मनुष्य को मोह-माया से दूर रहकर निष्काम भाव से जीवन जीना चाहिए। जड़भरत ने सांसारिक बंधनों का त्याग कर आत्मज्ञान का मार्ग अपनाया, जिससे उनका जीवन आदर्श बन गया। उन्होंने कहा कि धार्मिक कथाओं के माध्यम से बच्चों को संस्कार एवं जीवन मूल्यों की प्रेरणा देना समय की आवश्यकता है। कथा के पश्चात सुंदर संगीतमय आरती का आयोजन किया गया तथा श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर सामाजिक बंधुओं द्वारा कथाव्यास पं. डॉ. दीपेश पाठक का स्वागत कर आशीर्वाद ग्रहण किया गया। कथा श्रवण हेतु प्रांगण में औदुम्बर महासंघ के अध्यक्ष प्रदीप जोशी, महासचिव उमेश द्विवेदी, पूर्व अध्यक्ष आशुतोष शर्मा (इंदौर), डॉ. प्रकाश उपाध्याय, डॉ. ज्योति उपाध्याय (जावरा), कमलापुर, गांधी नगर इंदौर सहित विभिन्न स्थानों से आए सामाजिक जन, महिला मंडल की सदस्याएं, अखिल भारतीय ब्राह्मण कल्याण संघ के अध्यक्ष प्रशांत शर्मा, संस्था ब्रह्म बंधुत्व बीएनपी के अध्यक्ष घनश्याम पण्डित एवं संस्था के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में संयोजक जयन्त शर्मा ने उपस्थित सभी श्रद्धालुओं एवं अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

9 माह बाद धराया चोरी का आरोपी

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले की मोहन बड़ोदिया पुलिस ने चोरी के एक मामले में पिछले नौ माह से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से लगभग 30 हजार रुपये मूल्य की पांच ब्रिज निर्माण तराफे बरामद की हैं। इस पूरे मामले का खुलासा बुधवार दोपहर 3 बजे मोहन बड़ोदिया पुलिस द्वारा किया गया।

जानकारी के अनुसार 30 अगस्त 2025 को यह मामला दर्ज किया गया था। जिसमें फरियादी रामबाबू वर्मा निवासी आदर्श नगर कॉलोनी शाजापुर ने रिपोर्ट की थी, जिसमें बताया था कि 11 अगस्त 2025 की रात पुराना चौमा पुलिया के पास से उसकी ब्रिज निर्माण में उपयोग होने वाली तराफे चोरी हो गए थे। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की थी। पुलिस को मुखबिर की सूचना पर पता चल गया था कि इस चोरी में आरोपी गोपाल सिंह पिता पप्पूलाल निवासी ग्राम बाबल्दा जिला राजगढ़ का हाथ है, लेनि आरोपी लगातार अपने ठिकाने बदलकर गिरफ्तारी से बच रहा था। मुखबिर की सूचना और साइबर सेल की मदद से पुलिस ने 26 मई 2026 की शाम को आरोपी गोपाल सिंह को सारंगपुर बस स्टैंड से गिरफ्तार किया। पूछताछ के बाद चोरी की गई सामग्री बरामद कर ली गई। पुलिस अब आरोपी के अन्य साथियों की तलाश कर रही है। आरोपी को बुधवार को न्यायालय में पेश किया गया।

तालाब की भूमि से हटाया गया अतिक्रमण, ग्राम पंचायत को सौंपा गया कब्जा

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। विदिशा तहसील के ग्राम किरमची में आज राजस्व अमले द्वारा तालाब की शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई नायब तहसीलदार की मौजूदगी में राजस्व विभाग एवं स्थानीय प्रशासन के सहयोग से संपादित की गई।

कार्रवाई के दौरान तालाब की भूमि का सीमांकन कर अतिक्रमण को हटाया गया, ताकि जल स्त्रोत को संरक्षित किया जा सके तथा ग्रामीणों को भविष्य में जल संरक्षण का लाभ मिल सके। प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया कि शासकीय भूमि पर अवैध कब्जों के विरुद्ध अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा। अतिक्रमण हटाने के उपरांत संबंधित भूमि का कब्जा विधिवत ग्राम पंचायत के सरपंच एवं सचिव को सौंप दिया गया। इस दौरान पंचायत प्रतिनिधियों ने प्रशासन की कार्रवाई का स्वागत करते हुए तालाब क्षेत्र को सुरक्षित एवं स्वच्छ बनाए रखने का संकल्प लिया।

प्रशासन ने ग्रामीणों से अपील की है कि शासकीय भूमि एवं जल स्त्रोतों पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न करें तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में सहयोग प्रदान करें।

वन भूमि से 5 हेक्टेयर अतिक्रमण हटाया

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। लटेरी वन विभाग द्वारा अवैध कटाई एवं अतिक्रमण के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में वन मंडल अधिकारी श्री हेमंत यादव के निर्देशन में दक्षिण लटेरी रेंज के बीट मुस्करा अंतर्गत कक्ष क्रमांक पी-300 में दिनांक 27 मई 2026 को अतिक्रमण हटाने की बड़ी कार्रवाई की गई।

जानकारी के अनुसार लगभग 5 हेक्टेयर वन भूमि पर अवैध कब्जा किया गया था। इस संबंध में वन अपराध हिम्मत सिंह यादव एवं पहलवान सिंह यादव के नाम से पंजीबद्ध किया गया था। वन विभाग की टीम ने पोकलेन एवं जेसीबी मशीनों की सहायता से अतिक्रमण को हटाते हुए भूमि को गड्ढे कर बेदखल किया। साथ ही भविष्य में दोबारा कब्जा न हो, इसके लिए भूमि पर कटीली प्रजातियों के बीज भी डाले गए।

बताया गया कि उक्त वन भूमि पर कई वर्षों से भूमाफियाओं का कब्जा था तथा अन्य साथियों के साथ मिलकर लगातार अतिक्रमण का दायरा बढ़ाया जा रहा था। कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में वन विभाग एवं पुलिस बल की मौजूदगी के कारण अतिक्रमणकारी विरोध नहीं कर सके।

यह पूरी कार्रवाई परिक्षेत्र अधिकारी विवेक चैधरी के नेतृत्व में संपन्न हुई। मौके पर लटेरी उत्तर एवं दक्षिण रेंज का समस्त वन अमला उपस्थित रहा। साथ ही थाना शमशाबाद एवं थाना लटेरी का पुलिस बल भी सुरक्षा व्यवस्था के लिए तैनात रहा।

वीर सावरकर जयंती पर होगा विशेष वैचारिक कार्यक्रम 28 मई को

एक शाम हिन्दू राष्ट्र के नाम में राष्ट्रवाद, धर्मांतरण और सनातन संस्कृति पर होगा मंथन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जन चेतना सामाजिक संस्था द्वारा वीर सावरकर जयंती के उपलक्ष्य में एक विशेष वैचारिक कार्यक्रम एक शाम हिन्दू राष्ट्र के नाम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में सनातन धर्म, राष्ट्रवाद और समकालीन सामाजिक विषयों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। संस्था संयोजक अजय तोमर ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य वक्ता गौतम खट्टर (उत्तराखण्ड) होंगे, जो सनातन महासंघ के संस्थापक एवं प्रखर राष्ट्रवादी विचारक के रूप में देशभर में अपनी पहचान रखते हैं। वे अपने उद्बोधन में वीर सावरकर के राष्ट्रवादी विचारों, बढ़ते धर्मांतरण, लव जिहाद, हिन्दू राष्ट्र की अवधारणा तथा चादर और फादर का खेल जैसे विषयों पर अपने विचार व्यक्त करेंगे। आयोजन में वरिष्ठ समाजसेवी एवं वक्ता प्रदीप त्रिपाठी (भोपाल) की भी विशेष उपस्थिति रहेगी। संस्था के रंजीत सिंह पवार सुरेश सांगते रितु सावनेर आदि अन्य पदाधिकारियों ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में राष्ट्रभक्ति, सांस्कृतिक चेतना और सनातन मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। यह कार्यक्रम 28 मई 2026 (गुरुवार) को सायं 6:30 बजे से होटल रामाश्रय पेराडाइज, वीर सावरकर चौराहा, विकास नगर, देवास (मध्यप्रदेश) में आयोजित किया जाएगा। संस्था ने सभी नागरिकों, युवाओं एवं सनातन धर्मावलंबियों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर विचार मंथन का लाभ लेने की अपील की है।

रोजगार की पढ़ाई चले आईटीआई

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले की समस्त शासकीय आईटीआई में सत्र 2026-27 में प्रवेश हेतु ऑनलाइन पंजीयन की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। विदिशा जिला अंतर्गत 7 शासकीय आईटीआई में विभिन्न ट्रेड जैसे कि फिटर, इलेक्ट्रिशियन, मोटर मैकेनिक, टर्नर, वेल्डर, इलेक्ट्रानिक्स मेकैनिक, ट्रैक्टर मेकैनिक, डीजल मेकैनिक, सुइंग टेक्नोलॉजी, ड्रोन टेक्नोलॉजी, कंप्युटर ऑपरेटर एण्ड प्रोग्रामिंग असिस्टेन्ट (कोपा), एवं वर्तमान परिप्रेक्ष्य के अनुरूप सोलर टेकनीशियन ट्रेड प्रारंभ की गई है। इच्छुक आवेदक 26 मई 2026 से विभाग के पोर्टल www.dsd.mp.gov.in पर जाकर ''प्रवेश 2026'' में जाकर स्वयं के मोबाईल, कंप्युटर, अथवा एमपीऑनलाइन पर जाकर पंजीयन कर सकते हैं। आवेदकों के सहयोग हेतु समस्त शासकीय आईटीआई में हेल्पडेस्क की स्थापना की गई है। आवेदक किसी भी समस्या के समाधान, अधिक जानकारी हेतु अथवा पंजीयन हेतु निकटतम शासकीय आईटीआई में जाकर पंजीयन एवं चॉइस फिलिंग कर सकते हैं।

विकलांग युवक की शादी के नाम पर महिला से की 1.40 लाख की ठगी

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के ग्राम करजू पीरखेड़ी निवासी विकलांग युवक की शादी के नाम पर वहीं रहने वाले एक व्यक्ति ने उसकी मां से 1.40 लाख रू. ले लिए। लेकिन एक साल से अधिक का समय बीत जाने के बाद न तो युवक की शादी करवाई गई और न ही पैसे वापस दिए जा रहे हैं। परेशान होकर महिला ने मो.बड़ोदिया पुलिस को इसकी शिकायत की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार ग्राम पीरखेड़ी करजू निवासी 65 वर्षीय सुंदरबाई पति स्वर्गीय रतनलाल ने पुलिस को बताया कि उनका बेटा महेश शारीरिक रूप से विकलांग है और उसकी शादी नहीं हो पा रही थी। इसी दौरान गांव के किशोर पिता कंवरलाल बागरी ने महेश की शादी कराने का भरोसा दिलाया। उसने इसके लिए 1 लाख 40 हजार रुपए की मांग की और आवेदिका सुंदरबाई ने 1 मई 2025 को महेश के साथ गांव में श्यामुबाई गोस्वामी के घर पर किशोर बागरी को यह रकम नकद दी थी। जिसका उन्होंने अपने मोबाइल में वीडियो भी बनाया था। आरोपी ने महिला से वादा किया था कि दो से तीन महीने के अंदर शादी हो जाएगी। लेकिन आज एक साल से अधिक समय हो चुकाहै। न तो महेश की शादी हुई और न ही आरोपी ने पैसे वापस किए। इसके बाद 18 मार्च 2026 को सुंदरबाई ने आरोपी से पैसे वापस भी मांगे तो उसने एक माह में रकम लौटाने की बात कही और स्टांप पर लिखकर भी दिया। इसके बावजूद आरोपी ने न तो शादी करवाई और न ही पैसे लौटाए जा रहे हैं। मोहन बड़ोदिया पुलिस द्वारा मामले की जांच की गई। जिसमें आवेदिका और गवाहों के बयान लिए गए तथा दस्तावेजों और वीडियो के आधार पर आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का के मामले की पुष्टि भी हो गई। जिसके बाद पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार व पुलिस अधीक्षक कार्यालय से अनुमति मिलने के बाद आरोपी किशोर बागरी निवासी पीरखेड़ी करजू के विरुद्ध अपराध दर्ज कर लिया गया है। मोहन बड़ोदिया थाना प्रभारी अरविंद तोमर ने बताया कि आरोपी अभी फरार है और उसकी तलाश की जा रही है।

सड़क निर्माण के दौरान फिर फूटी पाईप लाईन, घंटों तक व्यर्थ बहता रहा पानी

हाईवे पर बनी जलभराव की स्थिति, नपा ने शुरू किया सुधार कार्य

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। भीषण गर्मी का सामना कर रहे नगरवासियों के लिए बुधवार का दिन मुसीबत बनकर आया। इस दिन लोगों को पूरे दिन नपा द्वारा किए जाने वाले जलप्रदाय के लिए इंतजार करना पड़ा। घंटों बाद सुधरी पाईप लाईन के बाद कहीं पर 6 घंटे तो कहीं पर 10 घंटों के बाद जलप्रदाय किया जा सका। लेकिन उसमें भी समय की कटौती की गई जिसके कारण लोगों को पर्याप्त जलापूर्ति नहीं हो सकी।

यह पहला मौका नहीं है जब पाईप लाईन क्षतिग्रस्त हुई हो। बल्कि एक माह में करीब 10 से 12 बार बस स्टैंड क्षेत्र में पाईप लाईन फूट चुकी है। क्योंकि यहां पर फोरलेन का निर्माण कार्य चल रहा है। जहां काम कर रहे ठैकेदार के कर्मचारी खुदाई के दौरान पाईप लाईन को नुकसान पहुंचा रहे हैं। इससे न सिर्फ पानी की बर्बादी हो रही है बल्कि लोगों को भीषण गर्मी में अघोषित जलसंकट का भी सामना करना पड़ रहा है। जितनी बार भी पाईप लाईन क्षतिग्रस्त हुई काफी मात्रा में पानी व्यर्थ बह गया। जिसके चलते नपा को जल वितरण में कटौती करना पड़ रही है और समस्या नगरवासियों को उठाना पड़ रही है। लेकिन एक भी बार नपा द्वारा ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई है।

घंटों देरी से हुआ जलप्रदाय, पूरे दिन परेशान हुए नगरवासी- बुधवार को पाईप लाईन का सुधार कार्य करने में नपा और ठेकेदार के कर्मचारियों को घंटो लग गए। ऐसे में जहां सुबह 5 बजे जलप्रदाय होता था वहां दोपहर 3 बजे के बाद जलप्रदाय किया गया और जहां 10 बजे होना था वहां शाम सात बजे तक भी नपा द्वारा जल वितरण नहीं किया किया जा सका। जबकि इन दिनों लोग भीषण गर्मी का सामना कर रहे हैं। ऐसे में लोगों के लिए पानी कितना जरूरी है इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। लेकिन ऐसे मौसम में लोगों को पानी के लिए परेशान होना पड़ रहा है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि लोगों को किस कदर परेशानी उठाना पड़ी होगी।

चीलर बांध में वर्तमान में 3 फीट से भी कम पानी बचा है और बारिश आने में अभी काफी समय शेष है। वहीं जब भी पाईप लाईन फूटी काफी मात्रा में पानी व्यर्थ बह गया। यदि इसी तरह पाईप लाईन फूटती रही और पानी व्यर्थ बहता रहा तो लोगों को आने वाले दिनों में जलसंकट का सामना करना पड़ सकता है। मंगलवार देर रात को भी ठेकेदार के कर्मचारियों की लापरवाही से पाईप लाईन फूटी कई घंटों तक पानी व्यर्थ बह गया। जब नपा को सूचना मिली तो सीएमओ मौके पर पहुंचे और अपने कर्मचारियों को पाईप लाईन दुरूस्त करने के निर्देश दिए।

इनका कहना है- नगर में सड़क निर्माण का कार्य चल रहा है। जब भी पाईप लाईन क्षतिग्रस्त हुई उसका सुधार कार्य सड़क निर्माण ठेकेदार द्वारा करवाया गया है। जहां पाईप लाईन है वहां का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है। अब इस तरह की समस्या नहीं आएगी।

- भूपेंद्रकुमार दीक्षित, सीएमओ-नपा-शाजापुर

रोमांचक मुकाबलों में जवासिया इलेवन ने रॉयल किंग को हराया

खिलाड़ियों को मिलेगा बेहतर मंच और खेल सुविधाएं-पूर्व मंत्री दत्तीगांव

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के शासकीय नंदराम चौपड़ा विद्यालय खेल मैदान पर स्वर्गीय प्रेमसिंह दत्तीगांव की स्मृति में आयोजित रात्रिकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं पूर्व विधायक राजवर्धनसिंह दत्तीगांव के मुख्य आतिथ्य में हुआ। दूधिया रोशनी में शुरू हुई इस प्रतियोगिता को देखने बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमी पहुंचे।

कार्यक्रम में नगर परिषद अध्यक्ष मीना यादव, पूर्व राज्यमंत्री महेंद्रसिंह पीपलीपाड़ा, रनजीत ट्राफी ख़िलाडी अंबालाल रावले, नप उपाध्यक्ष राजेंद्रसिंह पवार, भाजपा जिला उपाध्यक्ष सुनील मोदी, भूमि विकास बैंक के पूर्व अध्यक्ष महेंद्रसिंह सक्तावत, भाजपा नेता मोहनसिंह चौहान, पूर्व जिला पंचायत सदस्य दिनेश गिरवाल, पूर्व जिला महामंत्री शिवरामसिंह रघुवंशी, किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष हितेंद्रसिंह राजपुरोहित, भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष अशोक सोनी व धर्मेंद्र शर्मा, मंडलो के अध्यक्ष मनीष गुर्जर, संजय सिंह राठौर, गोविंद रघुवंशी, दिलीपसिंह सोलंकी व संतोष ढोलकिया, भाजपा नेता प्रजेंद भट्ट, अक्षय शर्मा, विवेक पाटीदार, विजयसिंह पंवार, अरुण माथुर, पार्षद भारती राठोड़, जितेंद्र शर्मा, अनिता चौहान, सन्तोष चौहान, दीपक जाधव, सुखराम देवदा, एल्डरमेन कन्हैयालाल गुर्जर, मीतेश शर्मा, भूपेंद्रसिंह मस्ताना, कपिल नाहर आदि अतिथि रूप में मंचासीन थे।

आयोजक समिति के मनीष गुर्जर, संतोष राव, पंकज ठाकुर, विजय गोयल, अखिलेश शर्मा, संदीप पाटीदार एवं चेतन प्रजापत ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरुआत स्व. प्रेमसिंह दत्तीगांव के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुई। मुख्य अतिथि राजवर्धनसिंह दत्तीगांव ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, लेकिन उचित मंच और संसाधनों के अभाव में कई खिलाड़ी आगे नहीं बढ़ पाते। इस प्रकार की प्रतियोगिताएं खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर देती हैं। उन्होंने कहा कि आगामी वर्षों में इस आयोजन को और बड़े स्तर पर आयोजित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि शासकीय नंदराम चौपड़ा विद्यालय खेल मैदान के विकास की योजना तैयार की जा रही है। साथ ही शासकीय महाविद्यालय परिसर में बड़े स्टेडियम का निर्माण भी किया जा रहा है, जिससे क्षेत्र के खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी।

इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष मीना यादव, पूर्व राज्यमंत्री महेंद्रसिंह पिपलियापाड़ा एवं नगर मंडल अध्यक्ष मनीष गुर्जर सहित अन्य अतिथियों ने भी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। मंचीय कार्यक्रम के बाद अतिथियों ने फीता काटकर टूर्नामेंट का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का संचालन मनोज सोलंकी कवि ने किया।

रोमांचक मुकाबलों से हुई प्रतियोगिता की शुरुआत- टूर्नामेंट का पहला मुकाबला जवासिया इलेवन और बदनावर चौपाटी इलेवन के बीच खेला गया। जवासिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करते हुए चौपाटी टीम को 9 ओवर 1 गेंद में 50 रन पर समेट दिया। जवाब में जवासिया इलेवन ने 4 ओवर 1 गेंद में 54 रन बनाकर शानदार जीत दर्ज की। इस मैच के मैन ऑफ द मैच धीरेन्द्रसिंह राठौर रहे।

दूसरा मुकाबला रॉयल किंग बदनावर और कोटेश्वर कोद टीम के बीच हुआ। कोद टीम ने 10 ओवर में 61 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए रॉयल किंग ने 4 ओवर 4 गेंद में 62 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। इस मैच के मैन ऑफ द मैच नितिन उपाध्याय रहे।

इसके बाद क्वार्टर फाइनल दौरे के लिए रॉयल किंग और जवासिया इलेवन आमने-सामने हुईं। रॉयल किंग ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवर में 10 विकेट गंवाकर 81 रन बनाए। जवाब में जवासिया इलेवन ने 10 ओवर में 7 विकेट खोकर 85 रन बनाते हुए रोमांचक जीत हासिल की। मैच की आखिरी गेंद पर एक रन की जरूरत थी, जिसे जवासिया के बल्लेबाज ने चौका लगाकर जीत में बदल दिया। इस मुकाबले के मैन ऑफ द मैच गोविंद रघुवंशी रहे। टूर्नामेंट देखने के लिए बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमी पहुंच रहे है।

अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में अवैध मदिरा के विनिर्माण, विक्रय, संग्रहण एवं परिवहन के विरुद्ध कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर आबकारी विभाग द्वारा लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में भितरवार वृत्त के चीनोर क्षेत्र अंतर्गत चमेली का चक, दुबहा-दुबही एवं लाल डांडा क्षेत्र में अवैध शराब निर्माण की सूचना पर आबकारी विभाग ने दबिश देकर बड़ी कार्रवाई की। मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर आबकारी दल ने संबंधित क्षेत्रों में छापामार कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान प्लास्टिक की टंकियों एवं जमीन में बने गड्ढों से कुल 5400 किलोग्राम गुड़ लहान बरामद किया गया। मौके पर गुड़ लहान के नमूने लेकर शेष सामग्री को फैलाकर नष्ट किया गया। साथ ही एक लोहे की भट्ठी भी बरामद की गई। इस मामले में आरोपियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1) के तहत कुल 4 प्रकरण दर्ज किए गए हैं। नष्ट किए गए गुड़ लहान एवं बरामद लोहे की भट्ठी का अनुमानित मूल्य लगभग 5 लाख 40 हजार रुपये बताया गया है। इस कार्रवाई में आबकारी उप निरीक्षक सतेंद्र सिंह मीणा, शिवा रघुवंशी तथा आरक्षक कपिल गुगनानी, उदयवीर गुर्जर, राहुल त्यागी, मातादीन धाकड़ एवं अन्य स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा। आबकारी विभाग ने स्पष्ट किया है कि अवैध मदिरा के विरुद्ध अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

नगर परिषद सुसनेर, द्वारा तलाई की साफ-सफाई एवं गहरीकरण करवाया

सुसनेर/गिरिराज बंजारिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत नगर परिषद सुसनेर, द्वारा जल संरक्षण एवं संवर्धन को बढ़ावा देने हेतु न्यू बस स्टैंड के समक्ष स्थित तलाई की साफ-सफाई एवं गहरीकरण का कार्य कराया गया। यह कार्य नगर परिषद एवं जनसहयोग के माध्यम से सामूहिक सहभागिता के साथ संपन्न किया गया।

तलाई के गहरीकरण एवं सफाई से जल संग्रहण क्षमता में वृद्धि होगी तथा भू-जल स्तर सुधारने में भी सहायता मिलेगी। जल गंगा संवर्धन अभियान का उद्देश्य पारंपरिक जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं वर्षा जल संचयन को प्रोत्साहित करना है।

नगर परिषद द्वारा आमजन से जल संरक्षण संबंधी गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की गई है, ताकि जल स्त्रोतों का संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके।

पुलिस ने ईद को लेकर निकाला फ्लेग मार्च

सुसनेर/गिरिराज बंजारिया/दैनिक मालवा हेरकड। आज ईद के त्योहार को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से थाना प्रभारी अक्षय सिंह बेस के नेतृत्व में बुधवार को नगर के प्रमुख मार्गों पर पुलिस द्वारा फ्लैग मार्च निकाला गया। मार्च में पुलिस बल के जवान शामिल रहे। पुलिस द्वारा फ्लैग मार्च के माध्यम से आमजन को सुरक्षा का संदेश देते हुए शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने की अपील की गई। इस दौरान बाजार क्षेत्र सहित संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी गई।

ग्वालियर जिले के पंजीकृत श्रमिकों को अपने बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाने का सुनहरा अवसर

ग्वालियर / दैनिक मालवा हेराल्ड। पंजीकृत श्रमिकों को अपने बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाने के लिए अब आर्थिक तंगी आड़े नहीं आएगी। प्रदेश सरकार की मुख्यमंत्री जनकल्याण (शिक्षा प्रोत्साहन) योजना के तहत श्रम विभाग में पंजीकृत असंगठित श्रमिकों के बच्चों की स्नातक, पॉलिटेक्निक डिप्लोमा, आईटीआई, इंजीनियरिंग, मेडिकल और लॉ की पढ़ाई का पूरा खर्च सरकार वहन करती है। श्रम विभाग में पंजीकृत ग्वालियर जिले के श्रमिकों को भी इस योजना का लाभ उठाने का सुनहरा अवसर है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने जिले के पंजीकृत असंगठित श्रमिकों से अपील की है कि वे इस योजना का लाभ उठाकर अपने बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाएं। उन्होंने श्रम विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को इस योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए हैं।

अंतर्राष्ट्रीय माहवारी स्वच्छता दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

विदिशा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महिला एवं बाल विकास विभाग के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय माहवारी स्वच्छता दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत भवन, अहमदपुर में माहवारी स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं प्रबंधन विषय पर जागरूकता एवं ओरिएंटेशन कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य किशोरी बालिकाओं एवं महिलाओं को माहवारी के दौरान स्वच्छता, पोषण, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के प्रति जागरूक करना तथा समाज में व्याप्त भ्रांतियों को दूर करना था।

कार्यक्रम में शौर्य दल की स्वास्थ्य, पोषण एवं स्वच्छता समिति के सदस्यों सहित बड़ी संख्या में किशोरी बालिकाओं एवं महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों को माहवारी के समय अपनाई जाने वाली स्वच्छ आदतों, संतुलित आहार, व्यक्तिगत स्वच्छता तथा स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

पर्यवेक्षक श्रीमती सीमा ओझा ने बताया कि माहवारी महिलाओं के जीवन की एक प्राकृतिक एवं सामान्य प्रक्रिया है, जिसे लेकर जागरूकता एवं स्वच्छता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि माहवारी के दौरान स्वच्छता बनाए रखने से अनेक प्रकार की बीमारियों एवं संक्रमणों से बचा जा सकता है। साथ ही उन्होंने बालिकाओं एवं महिलाओं को मानसिक एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ रहने के लिए नियमित दिनचर्या, पौष्टिक भोजन एवं स्वच्छता अपनाने की सलाह दी।

उन्होंने माहवारी के दौरान होने वाली सामान्य समस्याओं जैसे कमजोरी, दर्द, संक्रमण आदि के बारे में जानकारी देते हुए उनके निदान एवं सावधानियों पर भी विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों ने भी अपनी जिज्ञासाओं एवं समस्याओं को साझा किया, जिनका विशेषज्ञों द्वारा समाधान किया गया।

श्री अनुज जैन ने बालिकाओं की सुरक्षा, उनके अधिकारों एवं पॉक्सो एक्ट के महत्वपूर्ण प्रावधानों की जानकारी देते हुए कहा कि प्रत्येक बालिका को सुरक्षित एवं सम्मानजनक वातावरण मिलना चाहिए। उन्होंने उपस्थित प्रतिभागियों को 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन एवं 112 आपातकालीन सेवा के उपयोग एवं महत्व के बारे में भी विस्तार से बताया तथा किसी भी प्रकार की समस्या होने पर इन सेवाओं का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया।

काउंसलर श्री उमेश साहू ने ग्राम में गठित किशोरी बालिकाओं एवं महिलाओं के शौर्य दल की भूमिका, कार्य एवं दायित्वों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शौर्य दल का उद्देश्य महिलाओं एवं किशोरियों को आत्मनिर्भर, जागरूक एवं सशक्त बनाना है ताकि वे समाज में अपनी सक्रिय भागीदारी निभा सकें तथा अन्य महिलाओं एवं बालिकाओं को भी जागरूक कर सकें।

कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं महिला सशक्तिकरण से संबंधित विभिन्न विषयों पर संवादात्मक चर्चा भी आयोजित की गई, जिससे प्रतिभागियों में जागरूकता एवं आत्मविश्वास का विकास हुआ। कार्यक्रम का समापन उपस्थित प्रतिभागियों को स्वल्पाहार वितरण के साथ किया गया।

कार्यक्रम में ग्राम की महिलाओं, किशोरियों एवं स्थानीय नागरिकों की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही। उपस्थित जनों ने इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रमों को समाज के लिए उपयोगी बताते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजन निरंतर किए जाने की आवश्यकता व्यक्त की।

समय-सीमा में निराकरण नहीं करने और गलत जानकारी देने वालों पर होगी पैनाल्टी

विदिशा / दैनिक मालवा हेराल्ड। विदिशा कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में आयोजित लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने विभिन्न विभागों द्वारा संचालित महत्वपूर्ण अभियानों एवं लंबित प्रकरणों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की। बैठक के दौरान उन्होंने लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि निर्धारित अवधि बीत जाने के बावजूद आवेदन लंबित रखने तथा समीक्षा बैठकों में त्रुटिपूर्ण जानकारी प्रस्तुत करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर पैनाल्टी की कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने सीएम हेल्पलाइन में दर्ज लंबित शिकायतों की विभागवार समीक्षा की। विशेष रूप से 500 दिवस से अधिक समय से लंबित प्रकरणों के निराकरण नहीं होने पर उन्होंने असंतोष व्यक्त किया तथा ऐसे मामलों की शनिवार को पुनः विस्तृत समीक्षा करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं संतोषजनक समाधान प्रशासन की प्राथमिकता है।

बैठक में मुख्यमंत्री कार्यालय, सीएम मॉनिटरिंग, केंद्रीय मंत्री, प्रभारी मंत्री तथा अन्य वरिष्ठ कार्यालयों से प्राप्त आवेदनों के निराकरण की स्थिति की भी जानकारी ली गई। कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों से लंबित प्रकरणों के निराकरण में गंभीरता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

ग्रीष्मकाल को ध्यान में रखते हुए पेयजल व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की गई। इस दौरान लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं जल निगम के अधिकारियों ने ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी प्रस्तुत की। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि कहीं भी पेयजल संकट की स्थिति उत्पन्न न होने पाए तथा शिकायत मिलने पर तत्काल निराकरण किया जाए। बैठक में शिक्षा विभाग से संबंधित व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की गई। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा स्कूलों में नवीन प्रवेश, पाठ्यपुस्तकों के वितरण, साइकिल वितरण तथा छात्रावासों में प्रवेश प्रक्रिया की जानकारी प्रस्तुत की गई। साथ ही आईटीआई की विभिन्न ट्रेडों में प्रवेश प्रक्रिया की प्रगति से भी अवगत कराया गया।

निर्माण कार्य कराने वाले विभागों की समीक्षा के दौरान मजदूरी पर कार्यरत श्रमिकों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ वितरण की स्थिति पर भी चर्चा की गई। कलेक्टर श्री गुप्ता ने निर्देश दिए कि श्रमिकों को शासन की योजनाओं का अधिकतम लाभ सुनिश्चित कराया जाए।

बैठक में संदीपनी हाई स्कूल के नव-निर्मित भवनों में शिफ्ट होने के उपरांत रिक्त हुए पुराने भवनों के उपयोग पर भी चर्चा की गई। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि रिक्त भवनों का उपयोग अन्य शासकीय विभागों के कार्यों हेतु किया जाए ताकि शासकीय संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित हो सके।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान स्कूलों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण अनिवार्य रूप से करें। इसके लिए निरीक्षण प्रपत्र का प्रारूप तैयार करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में कृषि, उद्यानिकी, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, श्रम सहित विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं एवं अभियानों की समीक्षा की गई।

समीक्षा बैठक में अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर, जिला पंचायत सीईओ ओपी सनोडिया, एसडीएम क्षितिज शर्मा, संयुक्त कलेक्टर सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं खंड स्तरीय अधिकारियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संवाद स्थापित कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

डिजिटल, पारदर्शी और सरल हुई नामांतरण प्रक्रिया

ग्वालियर जिले में भी साइबर तहसील 2.0 के माध्यम से किए जा रहे हैं नामांतरण

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सुशासन, प्रशासनिक पारदर्शिता और नागरिक सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा लगातार प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। इसी दिशा में राज्य शासन द्वारा लागू की गई साइबर तहसील 2.0 पहल राजस्व प्रणाली में ऐतिहासिक एवं महत्वपूर्ण परिवर्तन का माध्यम बनी है। ग्वालियर जिले में भी भूमि नामांतरण प्रक्रिया को डिजिटल किया गया है। साथ ही इस व्यवस्था से नागरिक सुविधाओं को अधिक सहज और प्रभावी बनाया गया है।

राज्य सरकार ने साइबर तहसील व्यवस्था की शुरुआत साइबर तहसील 1.0 के रूप में की थी। इसके अंतर्गत प्रारंभिक चरण में पूर्ण खसरा से संबंधित नामांतरण प्रकरणों को शामिल किया गया था। रजिस्ट्री के बाद पूरी प्रक्रिया डिजिटल माध्यम से संचालित होती थी और मैन्युअल हस्तक्षेप को न्यूनतम रखा गया था। इस व्यवस्था की सफलता को देखते हुए सरकार ने इसका दायरा बढ़ाते हुए साइबर तहसील 2.0 लागू की। इसमें अब आंशिक खसरा, अर्थात भूमि के किसी हिस्से की बिक्री से संबंधित नामांतरण प्रकरणों को भी केन्द्रीकृत डिजिटल प्रणाली में शामिल किया गया है।

आंशिक खसरा प्रकरणों का समाधान हुआ सरल- खसरा से जुड़े मामले तकनीकी रूप से अधिक जटिल माने जाते हैं, क्योंकि इनमें भूमि के हिस्से का सीमांकन, रिकॉर्ड संशोधन और संबंधित जानकारी का सटीक अद्यतन आवश्यक होता है। साइबर तहसील 2.0 ने इस चुनौती का समाधान डिजिटल तकनीक से किया है। इससे राजस्व रिकॉर्ड को अद्यतन करने की प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित, पारदर्शी और विश्वसनीय बनी है। साथ ही भूमि संबंधी विवादों की संभावनाओं में भी कमी आई है।

जिले में प्रभावी रूप से लागू व्यवस्था - साइबर तहसील 2.0 वर्तमान में जिले की सभी तहसीलों में प्रभावी रूप से संचालित हो रही है। इस व्यवस्था के तहत तहसील कार्यालय रीयल-टाइम समन्वय से कार्य कर रहे हैं। केंद्रीकृत डिजिटल प्रणाली से प्रकरणों की निगरानी, प्रगति की समीक्षा और समयबद्ध निराकरण अधिक प्रभावी हुआ है।

साइबर तहसील 2.0 केवल एक तकनीकी प्लेटफॉर्म नहीं, बल्कि पारदर्शी और जवाबदेह शासन की प्रभावी पहल बनकर उभरी है। ऑनलाइन ट्रैकिंग व्यवस्था और न्यूनतम मानवीय हस्तक्षेप के कारण प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ी है। इससे नागरिकों का शासन की व्यवस्था पर विश्वास और अधिक मजबूत हुआ है।

राजस्व सुधारों का प्रेरक मॉडल बन रहा मध्यप्रदेश- मध्यप्रदेश सरकार की यह पहल राजस्व प्रणाली में डिजिटल सुधारों का प्रभावी उदाहरण बनकर उभरी है। साइबर तहसील 2.0 अब देश के अन्य राज्यों के लिए भी सुशासन, पारदर्शिता और नागरिक-केंद्रित सेवाओं का प्रेरक मॉडल बन रही है।

आंगनवाड़ी की दीदियों ने बदल दी साहिल की दुनिया

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नन्हे-मुन्ने डेढ़ वर्षीय बच्चे साहिल का मानसिक व शारीरिक विकास सामान्य बच्चों की तरह नहीं हो रहा था। उसकी सुस्ती, चिड़चिड़ापन और मोबाइल स्क्रीन की लत से साहिल की मां सदैव चिंतित रहती थी। सरकार द्वारा चलाए गए पोषण पखवाड़ा के दौरान आंगनबाड़ी की दीदियों की सक्रिय पहल और मां की लगन ने मिलकर इस नन्हे-मुन्ने बच्चे की जिंदगी में अदभुत बदलाव ला दिया है। यह सच्ची कहानी है शहर के नाका चंद्रबदनी क्षेत्र में स्थित रानीपुरा बस्ती में निवासरत श्रीमती नगीना के बेटे साहिल की। सरकार की पहल पर बीते माह 9 से 23 अप्रैल तक के बीच जीवन के पहले छह वर्षों में मस्तिष्क के विकास को अधिकतम करना थीम पर पोषण पखवाड़ा आयोजित किया गया । इसी दौरान ग्वालियर शहर के अंतर्गत आंगनबाड़ी केन्द्र रानीपुरा क्रमांक 02 की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती कुशुमलता साहू और पर्यवेक्षक श्रीमती आरती मिश्रा ने नगीना के घर गृह भ्रमण किया। आंगनबाड़ी की दीदियों ने नगीना को बताया कि मानव मस्तिष्क का 85 प्रतिशत से अधिक विकास शुरुआती 6 वर्षों में ही होता है। उन्होंने तिरंगा भोजन, मोटे अनाज और मौसमी सब्जियों के महत्व के साथ-साथ आंगनवाड़ी केन्द्र से मिलने वाले टेक होम राशन से पौष्टिक हलवा और खिचड़ी बनाने की विधि सिखाई। स्क्रीन टाइम बंद कर बच्चे के साथ कहानियाँ, खेल और बातचीत को दिनचर्या में शामिल करने की सलाह दी । नगीना ने यह सीख पूरी लगन से अपनाई। नतीजा सबके सामने है पोषण ट्रैकर की ग्रोथ मॉनिटरिंग में साहिल का वजन और लंबाई अब सामान्य श्रेणी (ग्रीन जोन) में आ चुके हैं। उसकी सुस्ती और चिड़चिड़ापन छूमंतर हो गया है, वह अब अन्य बच्चों के साथ खेलता है।

मुख्य सचिव श्री जैन ने कलेक्टर कांफ्रेंस में की समीक्षा

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने कलेक्टर्स से कहा है प्रत्येक जिला अपनी अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में संवेदनशील प्रयास करे। लोक सेवा गरंटी, सी.एम.हेल्पलाइन और जनसुनवाई राज्य शासन के सुशासन के पैमाने हैं, सभी अधिकारियों को आमजन से जुड़े मामलों में मानवीय दृष्टिकोण अपनाकर संवेदनशील होकर कार्य करना होगा। उन्होंने अवैध गतिविधियों को सख्ती से रोकने और अपराधियों पर कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव श्री जैन ने बुधवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कमिश्नर, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक के साथ योजनाओं, कार्यक्रमों तथा कानून व्यवस्था की समीक्षा की। पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

ग्वालियर में कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह, अपर कलेक्टर श्री कुमार सत्यम, नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सोजान सिंह रावत सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्य सचिव श्री जैन ने सुशासन के विभिन्न बिदुंओं की समीक्षा की और कलेक्टर्स से कहा कि नामांतरण, सीमांकन और बटवारा के प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण हो और प्रयास करें कि एक भी प्रकरण निर्धारित अवधि से बाहर नहीं जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जनसुनवाई के दौरान अधिकारी मानवीय दृष्टिकोण अपनाएं और शिकायतकर्ता की शिकायत को गंभीरता से लें तथा शिकायत का संतुष्टिपूर्वक निराकरण करें। उन्होंने स्वामित्व योजना में और बेहतर कार्य करने की जरूरत बताई तथा राजस्व सग्रंहण बढ़ाने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने नजूल नवीनीकरण के कार्य को जन-अभियान चलाकर पूरा करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने सी.एम हेल्पलाइन के शत-प्रतिशत प्रकरणों को अटेंड करने और पेयजल की शिकायतों को सर्वोच्च प्राथमिकता से निराकृत करने को कहा है।

मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने पुलिस अधीक्षक और कलेक्टर्स से कहा कि अवैध गतिविधियों में लिप्त व्यक्तियों और अपराधियों में शासन प्रशासन का खौफ होना चाहिए। मुख्य सचिव ने अपर मुख्य सचिव गृह से कहा कि वे अपराधों की रोकथाम आदि के लिए एक प्रकियागत निर्देश कलेक्टर्स और एसपी को भेजें। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था कों गंभीरता से लें। अवैध खनिज उत्खनन तथा भंडारण और परिवहन पर सख्त कार्रवाई करें, एक भी वाहन से अवैध परिवहन न हों, डिस्ट्रिक टास्क फोर्स की हर माह मिटिंग करें। उन्होंने बिना नम्बर प्लेट और टूटी-फूटी नम्बर प्लेट के खनिज के अवैध परिवहन में लिप्त पाए जाने वाले वाहनों को राजसात करें और जितनी जल्दी हो ऐसे वाहनों को नीलाम भी किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि खनन अपराधों के पुराने प्रकरण निकाले जाएं और समीक्षा कर पता लगाएं कि किन मामलों में अबतक सजा हुई है और यदि सजा नहीं हुई है तो ऐसे प्रकरणों में तत्परता से औपचारिकता पूर्ण कर सजा दिलाने के प्रयास किये जाएं।

पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना ने शैक्षणिक संस्थाओं के आस-पास के क्षेत्र को ड्रग फ्री जोन बनाने के लिए कहा है। उन्होंने एनकार्ड की बैठक हर माह करने तथा पाक्सो एक्ट के मामलों में त्वरित गति से कार्रवाही करने के लिए कहा है। उन्होंने निर्देश दिए कि विस्फोटक अधिनियम का पूरे प्रदेश में शक्ति से पालन किया जाएं और आमजन को भी सूचना तंत्र में शामिल करें तथा अवैध गतिविधियों की जानकारी मिलने पर तत्काल सख्त कार्रवाई करें। उन्होंने आगामी त्योहारों के दौरान कानून व्यवस्थ बनाएं रखने के निर्देश भी दिए।

मुख्य सचिव श्री जैन ने आगामी खरीफ सीजन की समीक्षा करते हुए प्रदेश में खाद,बीज और उर्वरक के पर्याप्त भंडारण पर संतोष व्यक्त करते हुए कलेक्टर्स से कहा कि उर्वरक और खाद का वितरण ई-विकास पोर्टल के माध्यम से किया जाए। उन्होंने ई-विकास पोर्टल को देश का अग्रणी पोर्टल बताया। मुख्य सचिव ने कलेक्टर्स से कहा कि ऐसे प्रयासों हों कि वितरण उर्वरक केन्द्रों पर न लाईन लगें न भीड़ हो। उन्होंने डी.ए.पी की जगह एन.पी.के को बढ़ावा देने के लिए किसानों के बीच संवाद करने के लिए कहा है। मुख्य सचिव ने नरवाई जलाने के प्रकरणों में कमीं लाने के लिए किसानों के बीच लाभकारी उपायों का प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए।

पंडित जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि पर कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि, गांधी भवन में हुआ कार्यक्रम

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की 62वीं पुण्यतिथि पर बुधवार को जिला कांग्रेस एवं शहर ब्लॉक कांग्रेस द्वारा गांधी भवन में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नेहरू जी के चित्र पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस दौरान दो मिनट का मौन रखकर उन्हें याद किया गया।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष तरुण बाहेती ने कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू ने देश की आजादी की लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान उन्होंने कई वर्षों तक जेल में रहकर देश की सेवा की और अपना पूरा जीवन राष्ट्र के नाम समर्पित कर दिया।

उन्होंने कहा कि आजादी के बाद देश विभाजन, आर्थिक संकट और संसाधनों की कमी जैसी गंभीर चुनौतियों से जूझ रहा था, लेकिन नेहरू जी ने मजबूत नेतृत्व देकर भारत को विकास की दिशा में आगे बढ़ाया।

तरुण बाहेती ने कहा कि नेहरू जी ने देश में बड़े बांध, उद्योग और विकास परियोजनाओं की नींव रखी। गांधी सागर डेम और चंबल परियोजना जैसी योजनाएं उनकी दूरदृष्टि का परिणाम हैं, जिनसे आज भी लाखों लोग लाभान्वित हो रहे हैं। साथ ही गुटनिरपेक्ष आंदोलन के माध्यम से उन्होंने विश्व स्तर पर भारत की अलग पहचान स्थापित की।

वहीं शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मोनु लोक्स ने कहा कि नेहरू जी बच्चों से बेहद प्रेम करते थे, इसलिए उनके जन्मदिन को पूरे देश में बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि नेहरू जी के नेतृत्व में भारत ने औद्योगिक, वैज्ञानिक और विकास के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छुआ।

कार्यक्रम में उपस्थित कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू के आदर्श और विचार आज भी देश के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं तथा आने वाली पीढ़ियों को उनसे सीख लेने की आवश्यकता है।

सिंगोली-जावद में तेंदुए का आतंक, मालगढ़ में एक महीने में 20 मवेशियों को बनाया अपना शिकार, घर की छत पर बैठा दिखा पैंथर, ग्रामीणों में दशहत

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंगोली एवं जावद क्षेत्र में तेंदुए की लगातार मूवमेंट से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है। ग्राम काकरिया तलाई में सोमवार देर रात एक घर की टीनशेड पर तेंदुआ बैठा दिखाई देने से हड़कंप मच गया। वहीं जावद तहसील के मालगढ़ गांव में पिछले एक माह से तेंदुए की मौजूदगी लगातार चिंता का कारण बनी हुई है।

काकरिया तलाई में ग्रामीणों ने घर की छत पर तेंदुआ देखे जाने के बाद तत्काल वन विभाग को सूचना दी। तेंदुआ दिखाई देते ही ग्रामीणों में भय का माहौल बन गया और लोग घरों से बाहर निकलने से बचते रहे।

इधर मालगढ़ गांव में भी तेंदुए का आतंक लगातार जारी है। ग्रामीणों के अनुसार, तेंदुआ पिछले लगभग एक माह से गांव एवं आसपास के जंगल क्षेत्र में घूम रहा है। अब तक वह करीब 18 से 20 गायों एवं अन्य मवेशियों का शिकार कर चुका है। ग्रामीणों ने बताया कि तेंदुए ने 12 मई को पहली बार गांव के एक बाड़े में बंधी गाय का शिकार किया था, जिसके बाद से लगातार हमलों का सिलसिला जारी है। स्थिति यह है कि शाम होते ही ग्रामीण घरों में कैद होने को मजबूर हैं और खेतों में जाना भी जोखिम भरा हो गया है।

ग्रामीणों ने वन विभाग से तेंदुए को जल्द पकड़कर सुरक्षित जंगल क्षेत्र में स्थानांतरित करने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो किसी बड़ी जनहानि की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। वन विभाग की टीम ने क्षेत्र में निगरानी बढ़ाने और ग्रामीणों को सतर्क रहने की अपील की है।

भीषण गर्मी में बेजुबानों की प्यास बुझा रही गौ सेवा समिति, 18 दिनों से लगातार चला रही सेवा अभियान

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भीषण गर्मी और तपती धूप के बीच जहां इंसान भी पानी के लिए परेशान हैं, वहीं बेजुबान गौवंश और अन्य पशुओं के सामने प्यास का संकट और गहरा हो गया है। ऐसे कठिन समय में शहर की गौ सेवा समिति मानवता और सेवा का अनूठा उदाहरण पेश कर रही है। समिति पिछले 18 दिनों से लगातार शहर के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर बेजुबान पशुओं की प्यास बुझाने का पुण्य कार्य कर रही है।

समिति द्वारा शहर के 35 से अधिक स्थानों पर रखी गई पानी की टंकियों में प्रतिदिन करीब 4 हजार लीटर पानी भरा जा रहा है। कई जगहों पर स्थिति इतनी गंभीर है कि टंकियां जल्दी खाली हो जाती हैं और दिन में दूसरी बार भी पानी पहुंचाना पड़ता है।

शहरवासियों के अनुसार कई स्थानों पर गौवंश पानी के वाहन का इंतजार करते नजर आते हैं। जैसे ही टंकियों में पानी भरा जाता है, बेजुबान पशु तुरंत वहां पहुंच जाते हैं। यह भावुक कर देने वाला दृश्य लोगों को मानवता और सेवा का संदेश दे रहा है।

इस सेवा कार्य को मितेश अहीर, पार्थ जोशी एवं समिति के अन्य सदस्य निस्वार्थ भाव से लगातार अंजाम दे रहे हैं। भीषण गर्मी में प्रतिदिन पानी की व्यवस्था करना आसान नहीं है। पानी, वाहन, डीजल और अन्य व्यवस्थाओं में लगातार आर्थिक खर्च बढ़ रहा है। कई बार समिति के सामने आर्थिक संकट की स्थिति भी खड़ी हो जाती है, लेकिन इसके बावजूद सेवा कार्य बिना रुके जारी है।

गौ सेवा समिति ने शहरवासियों से अपील की है कि वे इस पुण्य कार्य में सहयोग करें और दान के माध्यम से बेजुबान जीवों की सेवा में सहभागी बनें। समिति का कहना है कि गौ सेवा केवल धार्मिक आस्था नहीं, बल्कि मानवता और संवेदनशीलता का सबसे बड़ा उदाहरण है। यदि समाज का हर व्यक्ति थोड़ा-थोड़ा सहयोग करे तो गर्मी के दिनों में कोई भी बेजुबान प्यासा नहीं रहेगा।

बाल विवाह रोकथाम को लेकर मध्यप्रदेश सरकार का बड़ा फैसला ग्राम स्तर तक नियुक्त होंगे 'बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी'

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बाल विवाह पर प्रभावी रोक लगाने और महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित अभियानों को जमीनी स्तर तक मजबूत बनाने के उद्देश्य से राज्य शासन ने बड़ा प्रशासनिक निर्णय लिया है। राज्य सरकार ने पूर्व में जारी अधिसूचना को निरस्त करते हुए अब जिला से लेकर ग्राम स्तर तक विभिन्न प्रशासनिक अधिकारियों को ÷बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी÷ के रूप में अधिसूचित किया है। यह निर्णय बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 की धारा 16 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों के तहत लिया गया है। भारत सरकार के निर्देशों के अनुपालन में नई व्यवस्था लागू की गई है, जिससे बाल विवाह की रोकथाम, निगरानी और त्वरित कार्रवाई को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

जिला कलेक्टर से पटवारी तक की जवाबदेही तय- इस नई व्यवस्था के लागू होने से अब बाल विवाह रोकने के लिए एक बेहद मजबूत और त्रि-स्तरीय से भी बड़ा प्रशासनिक तंत्र काम करेगा। जिला स्तर पर इसकी कमान जिला कलेक्टर, अपर कलेक्टर और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी संभालेंगे, जबकि अनुभाग स्तर पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को यह जिम्मेदारी दी गई है। इसी तरह तहसील स्तर पर तहसीलदार और सभी नायब तहसीलदारों को कानूनन सशक्त बनाया गया है। ब्लॉक स्तर पर मोर्चा संभालते हुए जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी और महिला एवं बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारी सीधे तौर पर जिम्मेदार होंगे। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के सेक्टर स्तर पर निगरानी रखने के लिए सभी राजस्व निरीक्षकों और महिला एवं बाल विकास विभाग की पर्यवेक्षकों की तैनाती की गई है। सबसे महत्वपूर्ण बदलाव जमीनी स्तर पर करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में सीधे पटवारी को और शहरी क्षेत्रों में नगर पालिक निगमों के जोनल अधिकारी, राजस्व अधिकारी, सहायक राजस्व अधिकारी और स्वास्थ्य अधिकारियों को इस कानून को लागू करने का जिम्मा सौंपा गया है। इसके अलावा छोटे शहरों की नगर पालिका परिषदों और नगर परिषदों में मुख्य नगर पालिका अधिकारी, राजस्व निरीक्षक, उप राजस्व निरीक्षक और मुख्य स्वच्छता निरीक्षकों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी नियुक्त किया गया। ग्राम स्तर तक प्रशासनिक जवाबदेही तय होने से बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति पर प्रभावी अंकुश लगेगा तथा बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा और अधिकारों को बेहतर संरक्षण मिलेगा।

तुरंत एफआईआर और कार्यवाही -अब अगर कहीं से भी बाल विवाह की सूचना मिलती है, तो वहां के पटवारी या सेक्टर पर्यवेक्षक कानूनी तौर पर सीधे दखल दे सकेगा और उसे रोकने के लिए अधिकृत होगा। अधिकारियों की इतनी बड़ी चेन होने से अब शादियों के सीजन में %चाइल्ड मैरिज% पर पूरी तरह से नकेल कसी जा सकेगी। यह कदम महिला एवं बाल विकास विभाग और राजस्व विभाग के आपसी समन्वय से बालिकाओं के अधिकारों की सुरक्षा में एक गेम-चेंजर साबित होगी। राज्य शासन ने स्पष्ट किया है कि इस मामले में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

पीएमएफएमई योजना बनी रंजना पांचाल की सफलता का आधार

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (क्ल्न्स्ल्ध) ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार एवं आर्थिक सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम बन रही है। इसी योजना के माध्यम से विकासखंड मेघनगर के ग्राम रंभापुर निवासी कृषक श्रीमती रंजना जयप्रकाश पांचाल ने अपने जीवन में आर्थिक परिवर्तन की नई मिसाल प्रस्तुत की है। वर्ष 2024-25 में श्रीमती रंजना पांचाल ने पीएमएफएमई योजना के अंतर्गत राईस मील इकाई स्थापित कर अपने व्यवसाय को नया विस्तार दिया। योजना से जुड़ने से पहले वे आटा चक्की का संचालन करती थीं, जिससे उन्हें प्रतिवर्ष लगभग 1 लाख 8 हजार रुपये की आय प्राप्त होती थी। सीमित संसाधनों के बावजूद वे लगातार आत्मनिर्भर बनने के प्रयास में जुटी रहीं। योजना के अंतर्गत प्राप्त सहयोग, मार्गदर्शन एवं वित्तीय सहायता से उन्होंने अपने कार्य को आधुनिक रूप दिया तथा कृषि गतिविधियों का भी विस्तार किया। इसके परिणामस्वरूप आज वे अमरूद की फसल एवं खाद्य प्रसंस्करण गतिविधियों से प्रतिवर्ष लगभग 7 लाख 20 हजार रुपये की आय अर्जित कर रही हैं। उनकी शुद्ध आय में हुई उल्लेखनीय वृद्धि ने न केवल परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत किया, बल्कि उन्हें ग्रामीण क्षेत्र की प्रेरणादायी महिला उद्यमी के रूप में भी पहचान दिलाई है। श्रीमती रंजना पांचाल का कहना है कि शासन की योजनाओं का सही लाभ लेकर ग्रामीण महिलाएं एवं किसान आत्मनिर्भर बन सकते हैं। उन्होंने अन्य ग्रामीण महिलाओं एवं कृषकों से भी आगे आकर स्वरोजगार आधारित योजनाओं का लाभ लेने की अपील की। पीएमएफएमई योजना आज जिले में सूक्ष्म खाद्य उद्योगों को बढ़ावा देने, ग्रामीण रोजगार सृजन करने तथा किसानों की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। श्रीमती रंजना पांचाल की सफलता इस बात का उदाहरण है कि मेहनत, लगन और शासन की योजनाओं का सही उपयोग कर आर्थिक समृद्धि प्राप्त की जा सकती है।

अवैध बायो एवं ऑर्गेनिक फर्टिलाईजर का विक्रय एवं परिवहन करने पर एफआईआर दर्ज करवाई गई

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। कृषि एवं राजस्व विभाग के संयुक्त दल द्वारा 20 मई को रात्रि 11 बजे नायरा पेट्रोल पम्प बड़वानी-अंजड रोड के पीछे ट्रक एवं ट्रेक्टर में उर्वरक भरकर परिवहन करते पाया गया। मौके पर उपस्थित श्री तुषार (विठ्ठल) पिता छोटूसिह गिरासे एवं श्री दीपक पिता नवल रामूशी से पूछताछ करने पर उर्वरक वनतारा बायो फर्टिलाईजर आनंद गुजरात का है । जिसमें ऑर्गेनिक फर्टिलाईजर के 275 बेग, पोटेशियम मोबिलाईजिंग के 50 बेग, एनपीके केरियर बेस्डि कनर्सोटियाके 54 बेग, हूमिक एसिट के 10 बेग ऑर्गेनिक कॉर्बन के 10 बेग इस तरह कुल 399 बैग है। उक्त 5 उर्वरक परिवहन/विक्रय के सम्बंध में दस्तावेज सहित जानकारी उपलब्ध कराने हेतु वनतारा बायो फर्टिलाईजर संबधित कंपनी के कर्मचारियों एवं वाहन चालकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है । संबधितों से उर्वरक परिवहन/विक्रय के सम्बंध में दस्तावेज सहित जानकारी प्रस्तुत नही कर पाये । इस कारण उर्वरक एवं वाहन को जप्त कर उर्वरक विक्रय एवं परिवहन करने वाले श्री तुषार (विठ्ठल) पिता छोटूसिह गिरासे एवं श्री दीपक पिता नवल के विरूद्ध पुलिस थाना बड़वानी में दिनांक 26 मई 2026 को एफआईआर दर्ज करवाई गई ।

जनजातीय विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा और आवासीय सुविधाएं उपलब्ध करा रही प्रदेश सरकार - मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के जनजातीय विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा और आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए जनजातीय कार्य विभाग लगातार कार्य कर रहा है। मुख्?यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्?व में प्रदेश सरकार द्वारा जनजातीय समाज के समग्र विकास के लिये अनेक योजनायें संचालित की जा रही हैं। विभाग द्वारा हजारों स्कूलों, छात्रावासों और आश्रमों का संचालन किया जा रहा है, जहां लाखों विद्यार्थियों को शिक्षा, छात्रवृत्ति और अन्य सुविधाओं का लाभ मिल रहा है। जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने बताया है कि सरकार जनजातीय वर्ग के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर भविष्य देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि जनजातीय समाज का हर बच्चा आधुनिक शिक्षा से जुड़े और अपने सपनों को पूरा कर सके। छात्रावासों और आवासीय विद्यालयों में विद्यार्थियों को बेहतर वातावरण और सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। जनजातीय कार्य विभाग द्वारा प्रदेश में 17 हजार 794 प्राथमिक विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं। इसके साथ ही 5 हजार 493 माध्यमिक विद्यालय, 1109 उच्च माध्यमिक विद्यालय तथा 804 उच्चतर माध्यमिक विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं। विभाग द्वारा 8 आदर्श आवासीय विद्यालय एवं 82 माता शबरी आवासीय कन्या शिक्षा परिसर भी स्थापित किए गए हैं। इसके अलावा प्रदेश में 94 सांदीपनि विद्यालय और 26 क्रीड़ा परिसर संचालित किए जा रहे हैं। मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने कहा कि जनजातीय विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ बेहतर आवासीय और खेल सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। प्रदेश में जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित छात्रावास एवं आश्रमों में 1 लाख 49 हजार 104 विद्यार्थियों को सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। इनमें 92 हजार 547 बालक तथा 56 हजार 557 बालिकाएं शामिल हैं। अनुसूचित जनजाति आश्रमों में 1078 विद्यार्थी शिक्षा प्राप्?त कर रहे हैं। जिनमें 568 बालक और 510 बालिकाएं शामिल हैं। वहीं जूनियर छात्रावासों में 9 हजार 981 विद्यार्थी शिक्षा प्राप्?त कर रहे है। सीनियर छात्रावासों में 68 हजार 670 तथा महाविद्यालयीन छात्रावासों में 8 हजार 710 विद्यार्थियों को सुविधा दी जा रही है। मंत्री डॉ. विजय शाह ने कहा है कि छात्रावास एवं आश्रमों में विद्यार्थियों को प्रतिवर्ष 5 हजार रुपये की खेलकूद सामग्री उपलब्ध कराई जाती हैं। सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए 5 हजार रुपये तथा फर्नीचर एवं उपकरणों के लिए 50 हजार रुपये प्रतिवर्ष दिए जाते हैं। उत्कृष्ट छात्रावासों में विद्यार्थियों को 2 हजार रुपये तथा महाविद्यालयीन छात्रावासों में 1 हजार रुपये प्रतिवर्ष स्टेशनरी सुविधा प्रदान की जाती है। इसके अलावा उत्कृष्ट छात्रावासों में विद्यार्थियों को प्रतिमाह 200 रुपये पोषण आहार के रूप में दिए जाते हैं। उन्होंने बताया कि अनुसूचित जनजाति छात्रावास एवं आश्रमों में समाचार पत्र-पत्रिकाओं के लिए 5 हजार रुपये, इंटरनेट सुविधा के लिए 2500 रुपये, अध्ययन भ्रमण के लिए 25 हजार रुपये तथा संधारण एवं अनुरक्षण के लिए 50 हजार रुपये प्रतिवर्ष उपलब्ध कराए जाते हैं।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में जिलों की समीक्षा बैठक आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन की अध्यक्षता में बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिलों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में शिक्षा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, जनजातीय कार्य, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, सुशासन, कानून-व्यवस्था, गेहूं उपार्जन सहित विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में मुख्य सचिव द्वारा खरीफ सीजन हेतु प्रदेश में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता की जानकारी देते हुए किसानों के बीच व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए गए। एग्रिस्टैक पर शत-प्रतिशत खातों की मैपिंग, उर्वरक उठाव के बाद किसानों का सत्यापन तथा किसान रथ के प्रभावी अनुश्रवण पर विशेष जोर दिया गया।

असामयिक वर्षा की स्थिति को देखते हुए गेहूं के सुरक्षित भंडारण हेतु तिरपाल सहित आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने तथा गेहूं खरीदी, परिवहन, भंडारण एवं किसानों के भुगतान की प्रतिदिन समीक्षा करने के निर्देश दिए गए। साथ ही आईएमडी के अलर्ट पर सतत निगरानी रखते हुए पेयजल एवं संभावित बाढ़ की स्थिति से निपटने हेतु आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने को कहा गया।

मुख्य सचिव ने शहरी क्षेत्रों में सुरक्षित एवं निर्बाध पेयजल आपूर्ति बनाए रखने के लिए जल वितरण नेटवर्क का सर्वे, रिसाव की त्वरित मरम्मत, जल गुणवत्ता परीक्षण तथा दूषित जल आपूर्ति रोकने के निर्देश दिए। सीएम हेल्पलाइन में पेयजल एवं सीवेज संबंधी शिकायतों के निराकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने को कहा गया। बैठक में एकल नलजल योजनाओं को समयसीमा में पूर्ण करने, ग्राम पंचायतों को हस्तांतरण, जल योजनाओं के सतत संचालन तथा जल उपभोक्ता प्रभार के नियमित संग्रहण पर भी निर्देश दिए गए। खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने के लिए विशेष जांच दल गठित कर सतत कार्रवाई करने तथा स्कूल, कॉलेज एवं आंगनवाड़ी केंद्रों में ईट राइट अभियान को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया।

मुख्य सचिव ने सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों के त्वरित निराकरण, पीएम किसान, राशन कार्ड, फसल ऋण, बीमा एवं अन्य प्रकरणों को प्राथमिकता से निपटाने के निर्देश दिए। कृषि विभाग को नरवाई जलाने की घटनाओं पर सख्ती से नियंत्रण, कृषि यंत्रों की मॉनिटरिंग तथा स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम के उपयोग को बढ़ावा देने के निर्देश दिए गए।

बैठक में शैक्षणिक संस्थानों के 500 मीटर क्षेत्र को ÷ड्रग फ्री ज़ोन÷ घोषित कर प्रभावी कार्रवाई करने, जागरूकता शिविर आयोजित करने तथा राष्ट्रीय मादक पदार्थ हेल्पलाइन-1933 के प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए गए। मिशन कर्मयोगी अंतर्गत सभी लोकसेवकों को आई-गोट पोर्टल पर सक्रिय करने तथा प्रत्येक कर्मचारी द्वारा कम से कम एक एआई कोर्स पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। साथ ही ÷साधना सप्ताह÷ के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित करने पर जोर दिया गया।

प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 के अंतर्गत लंबित आवेदनों के सत्यापन, जियो-टैगिंग एवं परियोजनाओं की स्वीकृति शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। सड़क सुरक्षा के तहत बसों में फायर सेफ्टी उपकरणों की जांच, अवैध मॉडिफिकेशन पर रोक, ब्लैक स्पॉट सुधार तथा राह-वीर योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार पर भी निर्देश दिए गए।

बैठक में पशुपालन एवं डेयरी विभाग को कृत्रिम गर्भाधान एवं नस्ल सुधार कार्यक्रमों में प्रगति लाने, जबकि मत्स्य विभाग को एकीकृत मत्स्योद्योग नीति 2026 अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के शीघ्र अनुमोदन के निर्देश दिए गए।

मुख्य सचिव ने विस्फोटक अधिनियम के अनुपालन की समीक्षा करते हुए विस्फोटक निर्माण, भंडारण एवं परिवहन इकाइयों का नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने तथा सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन कराने के निर्देश दिए।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट, पुलिस अधीक्षक श्री देवेन्द्र पाटीदार, वनमण्डलाधिकारी श्री भारत सोलंकी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेन्द्र सिंह चौहान सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जिले में रासायनिक उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता, किसान ई-टोकन से सुगमता से करें उठाव

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के कृषकों को खरीफ मौसम में उर्वरकों की सुचारू उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु जिला प्रशासन सतत रूप से कार्य कर रहा है। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसाट द्वारा उर्वरक आपूर्ति एवं भंडारण व्यवस्था की नियमित समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए जा रहे हैं।

उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास श्री एन.एस. रावत के नेतृत्व में जिले के किसानों को खरीफ फसलों की बोनी की तैयारी के लिए आवश्यकतानुसार उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। वर्तमान में जिले में यूरिया 13,410 मैट्रिक टन, डीएपी 1,436 मैट्रिक टन, एसएसपी 1,324 मैट्रिक टन, एमओपी 462 मैट्रिक टन तथा एनपीके 2,318 मैट्रिक टन उपलब्ध है। यह समस्त उर्वरक सोसायटियों, मार्कफेड के डबल लॉक केंद्रों एवं निजी विक्रेताओं के माध्यम से ई-विकास पोर्टल पर उपलब्ध हैं।

कृषक अपनी आवश्यकता अनुसार ई-विकास पोर्टल के माध्यम से खाद बुक कर सोसायटी अथवा मनपसंद अधिकृत विक्रेता से उर्वरक प्राप्त कर सकते हैं। ई-विकास प्रणाली में राजस्व पट्टाधारी, वन पट्टाधारी, सिकमी किसान, शारीरिक रूप से अक्षम किसान, वृद्ध किसान, मृतक किसान के वारिस, धार्मिक संस्थान एवं ट्रस्ट की भूमि के लिए भी खाद उपलब्ध कराने की सुविधा प्रदान की गई है।

किसान खरीफ फसलों के लिए अनुशंसित मात्रा के अनुसार यूरिया, एसएसपी, एनपीके, डीएपी एवं पोटाश खाद एक बार में प्राप्त कर सकते हैं। आवश्यकता होने पर किसान पुनः पोर्टल पर प्रक्रिया का पालन कर अपनी सुविधा अनुसार उर्वरक बुक कर सकते हैं।

कृषि विभाग द्वारा किसानों को वैकल्पिक उर्वरकों के उपयोग की सलाह भी दी गई है। विभाग ने बताया कि विगत वर्षों में किसानों द्वारा मुख्य रूप से यूरिया, डीएपी एवं सुपर फॉस्फेट का अधिक उपयोग किया जाता रहा है, जिससे इन उर्वरकों पर निर्भरता बढ़ी है। इस निर्भरता को कम करने के लिए किसान 12-32-16 एवं 20-20-0-13 जैसे मिश्रित उर्वरकों का उपयोग कर सकते हैं। ये उर्वरक समितियों एवं निजी विक्रेताओं के पास आसानी से उपलब्ध रहते हैं।

सोयाबीन फसल हेतु अनुशंसित विकल्प-सोयाबीन के लिए प्रति हेक्टेयर 30-60-50 किग्रा नत्रजन, फास्फोरस एवं पोटाश की आवश्यकता होती है। इसकी पूर्ति के लिए किसान 188 किग्रा 12-32-16 मिश्रित उर्वरक एवं 16 किग्रा यूरिया का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक रूप से 150 किग्रा 20-20-0-13 मिश्रित उर्वरक का उपयोग भी किया जा सकता है।

मक्का फसल हेतु अनुशंसित विकल्प -मक्का फसल के लिए प्रति हेक्टेयर 120-50-30 किग्रा पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। किसान 220 किग्रा यूरिया एवं 156 किग्रा 12-32-16 मिश्रित उर्वरक का उपयोग कर सकते हैं। दूसरे विकल्प के रूप में 204 किग्रा यूरिया, 130 किग्रा 20-20-0-13 मिश्रित उर्वरक तथा 150 किग्रा एसएसपी का उपयोग किया जा सकता है।

कपास फसल हेतु अनुशंसित विकल्प - कपास के लिए प्रति हेक्टेयर 150-75-40 किग्रा पोषक तत्व आवश्यक होते हैं। किसान 265 किग्रा यूरिया एवं 235 किग्रा 12-32-16 मिश्रित उर्वरक का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक रूप से 261 किग्रा यूरिया, 150 किग्रा 20-20-0-13 मिश्रित उर्वरक एवं 130 किग्रा एसएसपी का उपयोग किया जा सकता है।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

उज्जैन के 100 चौराहों का होगा कायाकल्प

ट्रैफिक जाम से मिलेगी राहत-फ्री लेफ्ट टर्न, नई डिजाइन और वैज्ञानिक ट्रैफिक प्लानिंग का होगा उपयोग

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ-2028 और आने वाले वर्षों में बढ़ने वाले यातायात दबाव और करोड़ों श्रद्धालुओं की आवाजाही को ध्यान में रखते हुए उज्जैन के 100 से अधिक चौराहों के कायाकल्प की तैयारी शुरू कर दी गई है। इन चौराहों को आधुनिक डिजाइन, फ्री लेफ्ट टर्न और वैज्ञानिक यातायात प्रबंधन के आधार पर विकसित किया जाएगा, जिससे शहर में ट्रैफिक जाम की समस्या कम होगी और आवागमन आसान हो जाएगा।।

इसी संबंध में सिंहस्थ मेला कार्यालय में सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह ने समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में शहर के विभिन्न चौराहों की मौजूदा स्थिति, उनकी डिजाइन, विस्तार और यातायात प्रबंधन की जरूरतों पर विस्तार से चर्चा हुई।अधिकारियों ने बताया कि सिंहस्थ-2028 की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए शहर के प्रमुख मार्गों और चौराहों को नए स्वरूप में विकसित किया जा रहा है। इसके तहत चौराहों पर फ्री लेफ्ट टर्न की व्यवस्था, बेहतर रोड ज्योमेट्री, स्पष्ट संकेतक और आधुनिक ट्रैफिक प्रबंधन प्रणाली विकसित की जाएगी। इससे वाहन चालकों को बिना अनावश्यक रुकावट के आवागमन की सुविधा मिलेगी और जाम की स्थिति में कमी आएगी। बैठक में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि यदि चौराहों की डिजाइन तकनीकी दृष्टि से बेहतर और व्यवस्थित होगी तो यातायात संचालन अधिक प्रभावी हो सकेगा। अधिकारियों ने माना कि भविष्य की जरूरतों को देखते हुए अभी से मजबूत ट्रैफिक नेटवर्क तैयार करना जरूरी है।

मेला अधिकारी आशीष सिंह ने विभिन्न विभागों द्वारा तैयार किए गए चौराहों के ड्राइंग और डिजाइन प्लान का परीक्षण किया। बैठक में एमपीआरडीसी, लोक निर्माण विभाग, उज्जैन विकास प्राधिकरण, नगर निगम और ब्रिज कॉर्पोरेशन की सड़कों पर स्थित चौराहों की प्रस्तावित डिजाइन पर विस्तार से चर्चा हुई। उन्होंने सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करते हुए ऐसे चौराहों का विकास करने के निर्देश दिए, जो आम नागरिकों के साथ-साथ सिंहस्थ में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए भी सुविधाजनक साबित हों। सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के तहत शहर के प्रमुख मार्गों और चौराहों को आधुनिक स्वरूप देने की यह कवायद उज्जैन की यातायात व्यवस्था को लंबे समय तक सुरक्षित, सुगम और प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

क्या-क्या बदलेगा शहर में-

-100 से अधिक चौराहों का होगा पुनर्विकास

-फ्री लेफ्ट टर्न की सुविधा बढ़ेगी

-ट्रैफिक जाम कम करने पर रहेगा फोकस

-आधुनिक रोड डिजाइन और संकेतक लगाए जाएंगे

-सिंहस्थ-2028 के यातायात दबाव को ध्यान में रखकर होगी प्लानिंग

-विभिन्न विभागों के बीच समन्वय से तैयार होंगे नए मॉडल चौराहे

इनका कहना है- चौराहों की वैज्ञानिक और व्यवस्थित डिजाइन से यातायात संचालन बेहतर होगा। सिंहस्थ-2028 को ध्यान में रखते हुए शहर के प्रमुख चौराहों और मार्गों को आधुनिक स्वरूप दिया जा रहा है।

-आशीष सिंह, सिंहस्थ मेला

महाकाल में 30 जुलाई से शुरू होगा श्रावण महोत्सव

देशभर के कलाकारों से मांगी गई प्रविष्टियां

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकालेश्वर मंदिर में आयोजित होने वाला बहुप्रतीक्षित 21वां अखिल भारतीय श्रावण महोत्सव 30 जुलाई 2026 से शुरू होगा। महाकाल मंदिर प्रबंध समिति ने देशभर के शास्त्रीय गायन, वादन और नृत्य कलाकारों से महोत्सव में प्रस्तुति देने के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। मंदिर समिति के अनुसार श्रावण महोत्सव का आयोजन इस वर्ष 30 जुलाई से 7 सितंबर तक किया जाएगा। श्रावण और भाद्रपद माह के प्रत्येक शनिवार को होने वाले इस सांस्कृतिक आयोजन में देश के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे।महोत्सव में भाग लेने के इच्छुक कलाकार 27 मई से 10 जून शाम 6 बजे तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। समिति द्वारा प्राप्त प्रविष्टियों का परीक्षण करने के बाद चयनित कलाकारों को श्रावण महोत्सव-2026 में प्रस्तुति के लिए आमंत्रित किया जाएगा।

दिल्ली फैशन रनवे वीक में चमके उज्जैन के शिवम पंचोली, पारंपरिक थीम पर बिखेरा जलवा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। देश की राजधानी दिल्ली में आयोजित प्रतिष्ठित फैशन डिजाइनर रनवे वीक में मध्य प्रदेश के उज्जैन के उभरते हुए फैशन मॉडल शिवम पंचोली ने रैंप पर अपना जलवा बिखेरा।

इस राष्ट्रीय स्तर के बड़े फैशन इवेंट में पूरे भारत से 50 से अधिक चुनिंदा मॉडल्स ने भाग लिया था, जिसमें मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाले शिवम पंचोली इकलौते मॉडल थे।

इस शो के दौरान शिवम ने मशहूर फैशन डिजाइनर किंगशुक भादुरी के एक्सक्लूसिव कामाख्या ब्रांड को रैंप पर पेश किया ।

शिवम पंचोली ने अपनी शानदार वॉक और बेहतरीन स्टाइल से न सिर्फ डिजाइनर्स का दिल जीता, बल्कि राष्ट्रीय मंच पर उज्जैन और मध्य प्रदेश का नाम भी रोशन किया।

मोबाइल सिम से हुई दुर्घटना में मृत युवक की पहचान

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मक्सी रोड पर मंगलवार शाम हुई दुर्घटना में मृतक युवक की पहचान उसके पास मिले मोबाइल की सिम के आधार पर पुलिस ने देर रात कर ली। मृतक नरवर का रहने वाला था। रात में ही परिजन अस्पताल पहुंच गए थे। पंवासा थाना पुलिस ने बताया कि देर शाम पुलिस ट्रेनिंग सेंटर के सामने हुई दुर्घटना में बाइक पर सवार युवक निर्माण कार्य में लगे सीमेंट मिक्सर की चपेट में आ गया था मौके पर ही पहिए के नीचे दबने से उसकी मौत हो गई थी। दुर्घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची मृतक के पास पहचान का कोई दस्तावेज नहीं मिला। मोबाइल उसकी जेब में था जो पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुका था। मृतक की बॉडी अस्पताल पहुंचाई गई और पहचान के प्रयास शुरू किए गए। बाइक नंबर शाजापुर पासिंग था, लेकिन उसे पहचान नहीं हो पाई रात में पुलिस ने उसके मोबाइल की सिम को निकाला और दूसरे मोबाइल में डालकर उसमें दर्ज नंबरों पर कॉल किया। दौरान सामने आया कि मोबाइल गोकुल पिता शंकर लाल 34 साल निवासी ग्राम बोड़ानी नरवर का है। पुलिस ने नरवर पुलिस के माध्यम से परिजनों को सूचना दी। रात में ही परिजन अस्पताल पहुंच गए थे उन्होंने बताया कि ताजपुर स्थित बिजली विभाग में ठेकेदारी पर काम करता था। मोबाइल नंबर से हुई पहचान के बाद बुधवार सुबह पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया है। घटनास्थल से दुर्घटना में शामिल सीमेंट मिक्सर वाहन को जप्त कर लिया है।

सोना-चांदी में तेजी, सराफा बाजार की चमक फीकी

अधिक मास, बढ़ते भाव और वैश्विक हालात से ग्राहकी घटी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।सराफा बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में लगातार तेजी के बावजूद कारोबार में अपेक्षित रौनक दिखाई नहीं दे रही है। मंगलवार को उज्जैन सराफा बाजार में सोना और चांदी ऊंचे भाव पर बिके, लेकिन ग्राहकों की संख्या कम रहने से कारोबार मंदा रहा।

सराफा व्यवसायियों के अनुसार सोने-चांदी के बढ़ते दामों ने आम ग्राहकों की खरीदारी की क्षमता को प्रभावित किया है। इसके साथ ही अधिक मास के कारण मांग में कमी आई है। बाजार से जुड़े लोगों का कहना है कि कई परिवार शुभ मुहूर्त और मांगलिक आयोजनों का इंतजार कर रहे हैं, जिससे आभूषणों की खरीदारी फिलहाल सीमित बनी हुई है। व्यापारियों ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बने आर्थिक और राजनीतिक हालात का असर भी सराफा बाजार पर दिखाई दे रहा है। वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण निवेशकों का रुझान सोने की ओर बढ़ा है, जिससे कीमतों में तेजी बनी हुई है। दूसरी ओर बढ़ते भाव के कारण उपभोक्ता खरीदारी टाल रहे हैं।

व्यवसायियों का कहना है कि प्रधानमंत्री की हालिया अपील के बाद भी बाजार में ग्राहकी पर असर पड़ा है और व्यापार पहले की तुलना में और कमजोर हुआ है।

हालांकि कारोबारियों को उम्मीद है कि आगामी त्योहारी और वैवाहिक सीजन में बाजार में फिर से रौनक लौट सकती है।

भाव एक नजर में- सोना (24 कैरेट) = 1,51,300 रुपए प्रति 10 ग्राम

सोना (22 कैरेट) = 1,39,100 रुपए प्रति 10 ग्राम

चांदी = 2,57,500 रुपए प्रति किलो

पूछताछ हो रही, खरीदी कम- सराफा व्यवसाई संजय सोनी का कहना है कि कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव और ऊंचे भाव के कारण ग्राहक खरीदारी को लेकर सतर्क हैं। बाजार में फिलहाल पूछताछ तो हो रही है, लेकिन वास्तविक खरीदारी अपेक्षाकृत कम देखने को मिल रही है।

रिवर्स आते डंपर के नीचे दबने से ड्राइवर की मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रात 3 बजे तक डंपर चलाने के बाद खड़ा कर उसके पीछे ही ड्राइवर सो गया था। तड़के दूसरा ड्राइवर आया और उसने डंपर स्टार्ट कर रिवर्स लिया इस दौरान पीछे सोए ड्राइवर की दबने से मौत हो गई।

नरवर थाना पुलिस ने बताया कि ग्राम करछा में काली मिट्टी का डंपर चलाने वाला ड्राइवर ज्ञान सिंह पिता अंबाराम यादव 35 साल बदली में डंपर चलाने के लिए पहुंचा था। रात 3 बजे तक उसने डंपर चलाया और वहीं पर खड़ा कर डंपर के पीछे सो गया। तड़के दूसरी शिफ्ट का ड्राइवर आया और उसने डंपर स्टार्ट कर रिवर्स लिया जैसे ही पहिया पीछे घूमा सो रहा ड्राइवर ज्ञान सिंह चपेट में आ गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई मामले की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पहुंचे और परिजनों को सूचना दी। ज्ञान सिंह मूल रूप से उत्तर प्रदेश का रहने वाला था। कुछ सालों पहले वह उज्जैन आया था और अगर रोड स्थित खिलचीपुर नाके पर रह रहा था जहां से उसने मकान खाली कर नीलगंगा क्षेत्र में रहने वाले रिश्तेदार के यहां पनाह ले रखी थी। परिजनों के अस्पताल पहुंचने पर पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया है वहीं डंपर को भी जप्त करने कार्रवाई शुरू कर दी है।

आज ईदगाह पर सुबह 7:30 बजे होगी मुख्य नमाज

बकरीद पर शहर की मस्जिदों में भी नमाज का अलग-अलग समय तय

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुस्लिम समाज का प्रमुख पर्व ईद-उल-अजहा (बकरीद) आज गुरुवार को पूरे उत्साह के साथ मनाया जाएगा। पर्व को लेकर शहर में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मस्जिदों और ईदगाहों में साफ-सफाई, नमाजियों की व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक इंतजाम किए गये हैं।

शहर काजी खलीकुर्रहमान ने बताया कि आज ईद की मुख्य नमाज ईदगाह पर सुबह 7:30 बजे अदा की जाएगी। इसके अलावा शहर की विभिन्न मस्जिदों में भी अलग-अलग समय पर नमाज होगी। उन्होंने मुस्लिम समाज से निर्धारित समय का पालन करने और नमाज के लिए कम से कम 10 मिनट पहले पहुंचने की अपील की है, ताकि व्यवस्थाएं सुचारू रूप से बनी रहें।

जारी नमाज समय के अनुसार शाही मस्जिद में सुबह 7:45 बजे, फतेह मस्जिद में 7:40 बजे, जामा मस्जिद में 8 बजे, मस्जिद सारवान में 8 बजे, लाल मस्जिद में 7:45 बजे तथा मस्जिद कोट मोहल्ला में सुबह 8 बजे नमाज अदा की जाएगी। इसी प्रकार मिर्जावाड़ी मस्जिद, मक्का मस्जिद रिंग रोड, मस्जिद नेहरू इस्माईल आगार रोड, मस्जिद उमर दमदमा, मस्जिद आदर्श नगर और विक्रम नगर सहित अन्य मस्जिदों में भी सुबह 7:45 बजे से 8:15 बजे के बीच नमाज का समय निर्धारित किया गया है। शहर काजी ने मुस्लिम समाज से पर्व को शांति, भाईचारे और आपसी सौहार्द के साथ मनाने की अपील की गई है। साथ ही नमाज के दौरान अनुशासन बनाए रखने और प्रशासन द्वारा तय व्यवस्थाओं में सहयोग करने का आग्रह भी किया गया है।

प्रमुख मस्जिदों में नमाज का समय-

स्थान	समय
ईदगाह	सुबह 7:30 बजे
फतेह मस्जिद	सुबह 7:40 बजे
शाही मस्जिद	सुबह 7:45 बजे
लाल मस्जिद	सुबह 7:45 बजे
जामा मस्जिद	सुबह 8:00 बजे
मस्जिद सारवान	सुबह 8:00 बजे
मस्जिद कोट मोहल्ला	सुबह 8:00 बजे

अन्य मस्जिदों में सुबह 7:45 से 8:15 बजे के बीच नमाज अदा की जाएगी।

स्वच्छ सर्वेक्षण के अंतर्गत शहर में अस्थाई अतिक्रमण के विरुद्ध मुहिम निरंतर जारी रहेगी - निगम आयुक्त

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 के अंतर्गत शहर के व्यवसायिक क्षेत्रों में सफाई, सौंदर्यीकरण, पेंटिंग कार्य, स्वच्छता के प्रति सभी को जागरूक करने एवं गिले एवं सूखे कचरे का अलग अलग निष्पादन कार्य जारी है साथ ही निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा के निर्देश के क्रम में कचरा फैकने वालों का पता लगाकर सम्बन्धित के खिलाफ निरंतर जुर्माना किये जाने की कार्यवाही की जा रही है इसी क्रम में स्वच्छ सर्वेक्षण के अंतर्गत शहर के चिन्हित क्षेत्रों में सभी 6 जोन के अंतर्गत सौंदर्यीकरण कार्य किया जा रहा है। बुधवार को निगम आयुक्त द्वारा वार्ड क्र. 33 अन्तर्गत महाकाल मंदिर के आस पास के क्षेत्रो की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान महाकाल घाटी, हरसिद्धी मंदिर से चारधाम मंदिर तक अतिक्रमण पाए जाने पर सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि तत्काल मार्ग को अतिक्रमण मुक्त किया जाकर श्रृद्धालुओं के आवागन को सुगम किया जाए साथ ही यह भी सुनिश्चत किया जाए कि पुनः इस मार्ग पर अतिक्रमण ना हो, रिमुवल गैंग निरंतर सूचना प्रचारित करते हुए व्यवसाईयों को सचेत करें कि सड़कों पर सामग्री रख कर व्यापार करते पाए जाने पर सामग्री जप्त किये जाने के साथ ही जुर्माने की कार्यवाही भी की जाएगी। आयुक्त द्वारा दिए गए निर्देश के क्रम में तत्काल महाकाल क्षेत्र से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई। आपने कहा कि वर्तमान में स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 का सर्वे कार्य चल रहा है जिसको दृष्टिगत रखते हुए आवश्यक है कि शहर के समस्त प्रमुख मार्ग एवं व्यवसायिक क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त रखा जाना जाए तथा निर्धारित चार्ट अनुसार सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। अधिकमास पर्व को दृष्टिगत रखते सप्त सागरों में से एक रूद्रसागर पर बड़ी संख्या में श्रृद्धालुओं द्वारा पुजन किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान पुजन स्थल प्रतिबंधित पॉलिथिन पाई गई जिसे देख कर आयुक्त द्वारा रूद्रसागर पर पुजन कार्य करवाने वाले पुरोहितों से चर्चा कर सफाई व्यवस्था बनाए रखने, सागर में कचरा ना करने तथा प्रतिबंधित पॉलिथिन का उपयोग ना करने की समझाईश दी तथा श्रृद्धालुओं को भी समझाईश देने हेतु कहा गया। निगम आयुक्त द्वारा जोनल अधिकारी को निर्देशित किया कि हरसिद्धि क्षेत्र महाकाल क्षेत्र में बिजली पोल पर हैंगिग बैनर पोस्टर हटवाये जाए, सड़क के दोनों साइड पर थर्माकोल प्लास्टिक लाइनिंग कार्य किये जाने, शेर चौराहा पर आवश्यक सिविल कार्य किये जाने, पाथवे के समीप दीवारों पर आकर्षक पेंटिंग कार्य किये जाने, महाकाल मंदिर एवं हरसिध्दि क्षेत्र में लीटर बिन लगाए जाने, स्वीपिंग मशीन द्वारा विशेष सफाई किए जाने के निर्देश दिए गए।

हेलीपैड निर्माण की गुणवत्ता पर प्रशासन की विशेष नजर

संभागायुक्त और कलेक्टर ने निर्माण सामग्री के नमूने जांच के निर्देश दिए

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ की तैयारियों को लेकर प्रशासन ने मैदान में उतरकर विकास कार्यों की मॉनिटरिंग तेज कर दी है। मंगलवार को संभागायुक्त और कलेक्टर ने विभिन्न निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान हेलीपैड निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर विशेष सतर्कता बरतने और अधिकारियों को निर्माण सामग्री के नमूनों की जांच कराने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान समग्र युक्त से सिंह और कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने स्पष्ट कहा कि सिंहस्थ जैसे बड़े आयोजन में किसी भी प्रकार की गुणवत्ता से समझौता नहीं किया जाएगा। हेलीपैड निर्माण में उपयोग हो रही सामग्री, तकनीकी मानकों और कार्य की गुणवत्ता की नियमित जांच की जाएगी। निर्माण एजेंसियों को निर्धारित मापदंडों के अनुरूप ही कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों ने सड़क चौड़ीकरण और चौराहों के सुधार कार्यों का भी निरीक्षण किया। निर्माण कार्य के दौरान बैरिकेडिंग कर यातायात को सुरक्षित बनाए रखने तथा मार्गों पर पड़े मलबे को तत्काल हटाने के निर्देश दिए गए। संबंधित एजेंसियों से कहा गया कि अतिरिक्त श्रमिक लगाकर कार्यों को समय सीमा में पूरा करें ताकि आगामी तैयारियों में कोई बाधा न आए।

संभागायुक्त ने कहा कि सिंहस्थ-2028 में करोड़ों श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए सभी बुनियादी सुविधाओं को मजबूत किया जा रहा है। यातायात व्यवस्था, सड़क नेटवर्क, पार्किंग और आपातकालीन सेवाओं के लिए किए जा रहे निर्माण कार्यों की लगातार निगरानी की जा रही है। अधिकारियों ने मौके पर मौजूद इंजीनियरों से कार्यों की प्रगति रिपोर्ट भी ली और गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए।

टाइल्स कारोबारी ने रात को दुकान में लगाई फांसी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रात भर घर नहीं लोटे टाइल्स कारोबारी को परिजन बुधवार सुबह तलाश में निकले तो उसका शव दुकान में लोहे की जंजीर से लटका मिला। पुलिस में मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू की है। वेदनगर में रहने वाला अक्षांश पिता सतीश जैन 35 साल दो तालाब के दिनेश पेट्रोल पंप के समीप हाउस का टाइल्स की दुकान संचालित करता था। रात भर घर नहीं लौटने पर भाई अमित जैन सुबह तलाश में निकला और दुकान तक पहुंचा। दुकान का ताला खुला हुआ था उसने जैसे ही शटर उठाया तो अक्षांश लोहे की जंजीर से फंदे पर लटका दिखाई दिया। परिवार को सूचना दी गई मामले की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। अक्षांश का शव फंदे से उतरकर अस्पताल लाया गया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंपा है। इस दौरान सामने आया कि रात 11 बजे अक्षांश खाना खाने के बाद घर से निकला था और कहा था कि गोदाम से होकर आ रहा है। गोदाम दुकान के पास ही था। फिलहाल परिजनों के गमगीन होने पर फांसी लगाने की वजह सामने नहीं आई है पुलिस के अनुसार बयान और जांच के बाद ही लोहे की जंजीर से फांसी लगाने की वजह सामने आ पाएगी। मृतक का मोबाइल भी जांच में लिया जाएगा घटना स्थल को सील कर दिया गया है। जिसे परिजनों की मौजूदगी में अंतिम संस्कार की प्रक्रिया के बाद खोला जाएगा।

इंदौर बिलासपुर ट्रेन से गिरे युवक की मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। चलती इंदौर बिलासपुर ट्रेन में चढ़ते वक्त युवक का संतुलन बिगड़ गया और गिरकर पटरियों के बीच चला गया। पैर काटने पर युवक की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि आमूपुरा ताल का रहने वाला सागर पिता मनोहर लाल 24 साल शहडोल में टोल कर्मचारी था। मंगलवार को देवास पहुंचा था जहां मामा के यहां अपनी बाइक खड़ी करने के बाद देवास से ही इंदौर बिलासपुर ट्रेन में सवार हो गया। ट्रेन के उज्जैन पहुंचने पर सागर प्लेटफार्म पर सामान लेने के लिए उतरा इस दौरान ट्रेन चल दी। ट्रेन चलती देख सागर ने दौड़कर उसमें चढ़ने का प्रयास किया लेकिन संतुलन बिगड़ने पर वह गिर पड़ा। पटरियों के बीच आने पर ट्रेन की चपेट में आ गया और उसका एक पैर कट गया। घटनाक्रम के बाद जीआरपी मौके पर पहुंची और सागर को अस्पताल पहुंचाया गया लेकिन उसकी मौत हो गई थी। बुधवार सुबह परिजनों के आने पर पोस्टमार्टम कराया गया है।

स्वास्थ्य विभाग का समस्त स्टाफ एकजुट होकर पूरी जिम्मेदारी निभाते हुए स्वच्छता अभियान की इस परीक्षा की घड़ी में मेहनत करते हुए कार्य करेंगे - निगम आयुक्त

वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक में अमले को फील्ड में मिशन मोड पर मॉनिटरिंग करने के दिए निर्देश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान 2025 अंतर्गत सर्वे का कार्य किसी भी समय प्रारंभ हो सकता है इसलिए नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग की भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी इसलिए सभी कर्मचारियों को एकजुट होकर पूरी जिम्मेदारी निभाते हुए मेहनत से कार्य करना है स्वच्छता सर्वेक्षण के इस अभियान में हमें उन्हेल नगर परिषद के साथ-साथ उज्जैन नगर निगम को भी स्वच्छता में नंबर वन बनाना है यह बात सोमवार को नगर निगम मुख्यालय में आयोजित स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक में निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा के निर्देश पर अपर आयुक्त श्री पवन कुमार सिंह, उपायुक्त श्री योगेंद्र सिंह पटेल, श्री संजेश गुप्ता द्वारा कही गई।

बैठक में स्वच्छ भारत मिशन के उपायुक्त श्री योगेंद्र सिंह पटेल द्वारा समीक्षा के दौरान स्वास्थ्य विभाग के अमले को बताया की सर्वेक्षण अंतर्गत मुख्य बिंदु जिसमें कचरा सेग्रीगेशन शत प्रतिशत किया जाना, शहर की जल संरचनाओं की सफाई, नालों की कवरिंग एवं स्क्रीनिंग जाली लगवाई जाना, जुर्माने के बोर्ड एवं जल संरचनाओं के पास चेतावनी बोर्ड, वेस्ट टू वंडर पार्क का संचालन, दीवारों पर स्वच्छता के स्लोगन, सुंदर चित्रकारी करना, बायोमेडिकल वेस्ट के लिए अलग से कचरा गाड़ी में सेक्शन एवं उसी में मेडिकल वेस्ट को डालना, शहर में भवन निर्माण कार्यों के दौरान ग्रीन नेट से कवर करवाया जाना जिससे धूल के कण न उड़े, प्रमुख चौराहों, दीवारों पर स्वच्छता सर्वेक्षण 2025 के स्लोगन लिखे जाना, सुंदर चित्रकारी इत्यादि महत्वपूर्ण आवश्यक घटक पर कार्य करना, साथ ही नगर निगम के द्वारा संचालित जितने भी प्लांट है वह व्यवस्थित एवं कार्यशील अवस्था में होना चाहिए, वार्डो में जितने भी खुले प्लाट हैं संबंधित भवन स्वामी को समझाइश दें की प्लाट की सफाई करवायी कवर करें ताकि कोई भी खुले प्लाट में कचरा ना फेंके, स्वच्छता से संबंधित शहर में ब्रांडिंग होना आवश्यक है, शहर के जितने भी सार्वजनिक शौचालय, सुलभ शौचालय, यूरिनल पॉइंट है जहाँ समस्त आवश्यक व्यवस्थाएं सामग्री एवं रेट लिस्ट चस्पा होना चाहिए वार्डो में स्थित बैक लाइन साफ एवं स्वच्छ हो इस बात का विशेष ध्यान रखें शहर के प्रमुख चौराहे अतिक्रमण मुक्त हो कहीं पर भी कचरा का ढेर ना लगे यह बात महत्वपूर्ण है सर्वे के दौरान दल द्वारा प्रत्येक चीज को बारीकी से देखा जाएगा इसलिए सभी में हमें पूर्ण अंक प्राप्त हो इस और हमें काम करना है रहवासी क्षेत्र एवं धार्मिक क्षेत्र में विशेष सफाई के साथ-साथ कमर्शियल क्षेत्र में भी सफाई का विशेष ध्यान रखें, शहर की सुंदरता को खराब करने वाले अवैध फ्लेक्स, बैनर, होर्डिंग को हटाने की कार्यवाही निरंतर करें ताकि शहर की छवि साफ स्वच्छ एवं सुंदर परिलक्षित हो सके।

शहरवासियों से सकारात्मक अपील - स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान 2025 अंतर्गत सर्वे कार्य किसी भी समय प्रारंभ हो सकता है उज्जैन शहर को स्वच्छता के इस अभियान में प्रथम स्थान पर बनाए रखना है जिसमें शहर के समस्त नागरिकों का भी महत्वपूर्ण योगदान है जिसमें महापौर श्री मुकेश टटवाल, निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव एवं निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा द्वारा उज्जैन शहर के समस्त जिम्मेदार एवं जागरूक नागरिकों से अपील की है कि इस अभियान में अपना सकारात्मक फीडबैक एवं सहयोग देते हुए अभियान को सफल बनाना है सर्वे टीम द्वारा आपके वार्ड गली मोहल्ले में भी सर्वे किया जाएगा जिन्हें सकारात्मक जवाब देते हुए उज्जैन शहर को नंबर वन बनाने में सहयोग करें।

बैठक में समस्त सेक्टर के स्वच्छता निरीक्षक, दरोगा एवं मेट उपस्थित रहें।

दर्शन से पहले तालाब में नहाने उतरा युवक डूबा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। दूधेश्वर महादेव के दर्शन करने से पहले नहाने के लिए तालाब में उतरा युवक डूब गया। दोस्त ने परिजनों और पुलिस को सूचना दी। करीब तीन से चार घंटे की तलाश के बाद युवक को बाहर निकाला गया उसकी मौत हो चुकी थी।

माकडोन के ठकराल में रहने वाला बाबूलाल पिता रामचंद्र सोलंकी मजदूरी करता था। मंगलवार दोपहर दोस्त सुरेश के साथ ग्राम खेड़ा चितावलिया स्थित दूधेश्वर महादेव मंदिर दर्शन करने के लिए पहुंचा था। गर्मी अधिक होने पर उसने पहले मंदिर के समीप भी तालाब में नहाने की बात दोस्त से कहीं और कपड़े उतार कर तालाब में नहाने चला गया। नहाते वक्त अचानक गहराई में जाने से डूब गया। रोशनी उसे देखा तो दिखाई नहीं दिया उसके डूबने की सूचना परिजनों को दी। पुत्र शुभम और पत्नी चंदाबाई दूधेश्वर मंदिर पहुंचे और गांव वालों की मदद से तलाश शुरू की गई। खबर मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई थी करीब तीन से चार घंटे की तलाश के बाद बाबूलाल का शव बाहर निकाला गया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल पहुंचाया बुधवार सुबह पोस्टमार्टम कराया गया प्रारंभिक रिपोर्ट में डूबने से ही मौत होना सामने आया है।